VIDYA
UNIVERSITY PRESS

Smart English

Teacher's Resource Book

Class 6

1. Indian Weavers
(भारतीय जुलाहे)

हिन्दी अनुवाद

उषा काल में बुनते हुए, हे बुनकरो।
तुम इतना सुन्दर परिधान क्यों बुनते हो?
जंगली रामचिरैया के पंखों जैसा नीली
हम एक नवजात शिशु की पोशाक बुनते हैं।
सन्ध्या के समय बुनते बुनकरो।
इतना चमकीला परिधान तुम क्यों बुनते हो?
मोर के पंखों के समान बैंगनी और हरे
हम एक रानी के वस्त्र बुनते हैं।
शान्त और निश्चल बुन रहे, बुनकरो।
तुम शीतल चाँदनी में क्या बुन रहे हो?
पंख के समान सफेद और बादलों जैसा श्वेत
हम मृत मनुष्य का कफन बुन रहे हैं।

कविता—कविता संवाद शैली (वार्तालाप के रूप) में है। प्रत्येक पद्यांश (4 पंक्तियों) में कवयित्री बुनकरों से एक प्रश्न पूछती हैं और वे उसका उत्तर देते हैं। उनके उत्तरों से हम जान पाते हैं कि वे एक नवजात शिशु के वस्त्र, एक रानी के विवाह का वस्त्र (शादी का जोड़ा) और मृतक का कफन बुन रहे हैं। इसके साथ ही कविता में इंगित तीन काल मनुष्य के जीवन की तीन महत्वपूर्ण स्थितियों की ओर निर्देश करते हैं। अर्थात् उषा काल जन्म की ओर इंगित करती है, संध्या विवाह से और रात्रि मृत्यु से सम्बन्ध बताती है। इसी प्रकार, परिधानों के रंग और बुनने का समय भिन्न-भिन्न स्थितियों की विशेषताओं को भली-भाँति बताते हैं, अर्थात् एक नवजात शिशु के वस्त्रों का नीला रंग शान्ति एवं आशा का प्रतीक है, वैवाहिक अनुष्ठान के बैंगनी और हरे रंग आनन्द के प्रतीक हैं। तथा कफन का श्वेत रंग निश्चलता और शोक की दशा को दर्शाता है।

Meanings : break of a day = प्रभात, प्रातःकाल, gay = चमकीला, halcyon = रामचिरैया, चमकीले रंग की चिड़िया, fall of night = अंधेरा होने पर, plumes = पंख, कलगियाँ, veil = घूँघट (दुल्हन का), shroud = कफन।

Reading Comprehension

I. Choose the most appropriate answer *(MCQs)* :

Ans. 1. (d), **2.** (b), **3.** (a).

II. Answer the following questions :

Q. 1. When and why are the robes of a new born child woven? (नवजात शिशु की पोशाक कब और क्यों बुनी जाती है?)

Ans. The blue robes of a new born child are woven at the break of day because they refer to peace and hope. (नवजात शिशु के वस्त्रों का रंग नीला है। यह उषा काल में बुने जाते हैं क्योंकि यह शांति और आशा को सूचित करते हैं?)

Q. 2. Why is the marriage veil of a queen described as bright? When is it woven? (एक रानी के विवाह का वस्त्र चमकीले क्यों दर्शाए गए हैं? यह कब बुने जाते हैं?)

Ans. The marriage veil of a queen are described as bright plumes of a peacock because marriage is a joyous occasion of life and clothes worn on such occasion have to be bright. They are woven in the evening. (रानी के विवाह का वस्त्र मोर के पंखों के समान चमकीले दर्शाए गए हैं क्योंकि विवाह आनंदमय अवसर होता है जिस पर चमकीले वस्त्र ही पहने जाते हैं। यह संध्या में बुने जाते हैं।)

Q. 3. What is the marriage veil of a queen compared to? (रानी के विवाह के वस्त्र की तुलना किससे की गई हैं?)

Ans. The marriage veil of a queen have been compared to the plumes of a peacock. (रानी के विवाह के वस्त्र की तुलना मोर के पंखों से की गई है।)

Q. 4. What is the colour of the shroud? When is it woven and for whom? (कफन का रंग कैसा होता है? यह कब और किसके लिए बुना जाता है?)

Ans. The colour of the shroud is white like a cloud. It is woven in the moonlight to cover a dead body. (कफन का रंग बादल के समान श्वेत होता है। यह रात्रि के समय मृत मनुष्य को ढकने के लिए बुना जाता है।)

Q. 5. What is the funeral shroud compared to? (कफन की तुलना किससे की जाती है?)

Ans. The funeral shroud is compared to a feather and a cloud. (कफन की तुलना पंख और बादल से की जाती है।)

Q. 6. What are three main stages in the life of a man? (मनुष्य के जीवन की तीन महत्वपूर्ण अवस्थाएँ क्या हैं?)

Ans. The three main stages in the life of a man are birth, youth and death. (जन्म, यौवन और मृत्यु, मनुष्य के जीवन की तीन महत्वपूर्ण अवस्थाएँ हैं।)

Q. 7. How is the day divided into three times in this poem and how are they compared to different stages of life? (इस कविता में दिन को तीन बार कैसे विभाजित किया जाता है और उनकी जीवन की विभिन्न अवस्थाओं से कैसे तुलना की गई है?)

Ans. The day is divided into three times—morning, evening and night. They are compared to birth, marriage and death in the life of a man. (दिन को तीन भागों में विभाजित किया गया है—उषाकाल, संध्या और रात्रि। इनकी मनुष्य जीवन के जन्म, यौवन और मृत्यु से तुलना की गई है।)

III. Read the poem and look at the last word in each line. Now pick out the rhyming words and write them in pairs.

day	–	gay	green	–	queen
wild	–	child	still	–	chill
night	–	bright	cloud	–	shroud

2. The Peevish Millionaire
(चिड़चिड़ा करोड़पति)

हिन्दी अनुवाद

एक समय एक शक्तिशाली जमींदार था जिसके पास अथाह सम्पत्ति थी। लोगों का अनुमान था कि वह करोड़पति (millionaire) है परन्तु वह अत्यधिक कंजूस, नीच तथा अहंकारी था। उसके घर में कोई सेवक नहीं था और उसकी पत्नी को स्वयं अपने हाथों से सब काम करना पड़ता था। उसके सात पुत्रियाँ थीं, जो सभी युवा, स्वस्थ एवं अत्यन्त सुन्दर थीं।

एक शाम को, जमींदार ने अपनी पत्नी से अपने लिए नमकीन केक बनाने (prepare) को कहा। पत्नी ने उत्तर दिया कि जब उसकी पुत्रियाँ सो जाएँगीं, तो वह केक बनाएगी। पति ने सहमति जताई (agreed) क्योंकि वह कंजूस था और यह नहीं चाहता था कि पुत्रियों को केक का कुछ भाग मिले। रात हो गई थी जब पत्नी ने तैयारी शुरू की। जब एक केक तैयार होने को था, तो एक पुत्री जाग गई और अपनी माता जी से कहने लगी (enquired पूछा) कि क्या वह उनकी कुछ सहायता करे। माँ ने उत्तर दिया कि वह चुप रहे, कहीं ऐसा न हो उसकी बहिनें जाग जाएँ। उसने बात मानी और उसे एक केक मिल गया। बाकी छ: लड़कियाँ भी बारी-बारी से जाग गईं और उन्होंने भी अपना हिस्सा ले लिया। जब गृहस्वामी और गृहस्वामिनी अपने-अपने भाग का आनन्द ले रहे थे, सभी सातों पुत्रियाँ उनके निकट गईं और अतिरिक्त भाग प्राप्त किया।

अब जमींदार ने उनसे प्रश्न किया, ''तुम किसके भाग्य पर निर्भर हो?'' सबसे छोटी पुत्री कमला को छोड़कर, सभी छ: पुत्रियों ने कहा कि वे पिता के भाग्य पर ही निर्भर हैं। इस पर वह उन छ: पुत्रियों से अत्यन्त प्रसन्न हुआ और उनका विवाह सुन्दर धनाढ्य युवकों से करने की इच्छा प्रकट की। परन्तु वह सबसे छोटी पुत्री के प्रति बहुत गुस्सा था जिसने उस समय यह कहा था कि वह अपने ही भाग्य पर निर्भर है। यद्यपि उसकी बात सही थी, तथापि वह चिड़चिड़ा करोड़पति (पिता) उसकी बात सहन नहीं कर सका। उसने निश्चय किया कि वह उसे पैतृक सम्पत्ति से वंचित कर देगा और उसका विवाह किसी लंगड़े कोढ़ी से कर दिया जाएगा, जिससे वह एक बुरा जीवन व्यतीत करे। छ: पुत्रियों के विवाह धनवान व सुन्दर युवकों से किये गये जबकि सबसे छोटी लड़की एक अपाहिज कोढ़ी से ब्याह दी गई।

कमला अपने पिता के घर से एक दूरस्थ स्थान को चली गई, जहाँ वह तथा उसका पति जो कुछ प्रतिदिन कमाते थे उसी पर निर्वाह करने लगे।

एक दिन कमला को एक सन्त मिले जिन्होंने बताया कि यदि उसका पति उस नदी में जिसकी ओर उसने इशारा किया, स्नान करे तो उनका कोढ़ ठीक हो जाएगा। उसके पति ने नदी में स्नान किया और जैसे कोई चमत्कार हो, वे अपने रोग से मुक्त हो गये। दोनों पति-पत्नी उन सन्त तथा परमेश्वर के प्रति बड़े कृतज्ञ थे, परमात्मा ने ही सन्त को उनके लिए भेजा था। कमला ने सदैव की भाँति ईश्वरीय शक्ति को प्रत्यक्ष देखा और पुन: कहा कि 'परमात्मा की विधियाँ रहस्यपूर्ण हैं।'

कमला को एक पड़ोसी ने बताया कि प्रत्येक रात्रि को एक सर्प राजा के महल (palace) के निकट एक कुएँ से बाहर निकलता है और एक मणि को जमीन पर रख देता है; जिससे तेज प्रकाश निकलता है, सर्प प्रसन्न होता है और कुछ देर नाचता है। कमला को यह भी पता चला कि मणि में अनेक गुण हैं, जैसे कि; जिस पर मणि होगी वह धनवान हो जाएगा तथा एक अपाहिज को मणि के मलने से अंग वापस मिल सकते हैं। उसने किसी भी प्रकार (at any cost) मणि को प्राप्त करना चाहा और अगली ही रात को प्रयास (experiment) करने का निश्चय किया। वह बाजार गई और एक भारी लोहे का पिंजरा ले आई। इस पिंजरे में नुकीले काँटे एवं कीलें लगी थीं। उसने अपने स्वामी (पति) को उस रात अपने साथ लिया और अपने ही निकट एक वृक्ष पर बैठा लिया। आधी रात को सर्प कुएँ से बाहर आया और उसने वृक्ष के नीचे पृथ्वी पर मणि को रखा। कमला ने पिंजरे को मणि के ऊपर बड़े सावधानी से नीचे गिराया जिससे वह उसको पूरी तरह ढक ले। सर्प नाच नहीं सका और बड़े क्रोध से पिंजरे को काटता रहा जिससे कुछ ही देर में उसका प्राणांत हो गया। कमला ने मणि को लिया और अपने पति के शरीर पर मला। उन्हें अपनी टाँग इस प्रकार वापस मिल गई जैसे जादू की छड़ी से स्पर्श हो गया हो।

कुछ समय उपरान्त वे धनवान हो गए और जनता से बहुत सत्कार मिला। धीरे-धीरे कमला के पास जमीन-जायदाद और अधिक सम्पत्ति हो गई।

(कमला के पिता) उस चिड़चिड़े करोड़पति को एक बड़े सौदे में धन का नुकसान और वह भारी कर्ज से दब गया। देनदारों ने उसकी सम्पत्ति को बिकवा दिया और प्राप्त धन को परस्पर बाँट लिया। इस प्रकार उसे (अपनी पुत्री) कमला के प्रति दुर्व्यवहार का उसे कठोर दंड मिला। इसी प्रकार उसकी छः पुत्रियाँ, जिनके विवाह धनवानों से हुए थे, निर्धन हो गईं।

फिर ऐसा हुआ कि कमला का पिता जो कभी करोड़पति था और अब सड़क का भिखारी बन गया था, अपनी छहों पुत्रियों के साथ उसी नगर में आ गया जहाँ कमला रहती थी। कमला ने दैवयोग से ही सड़क किनारे उन्हें अति बुरे हाल में देखा। उसने फिर यही कहा, ''परमात्मा के तौर-तरीके रहस्यमयी हैं।'' कभी उसके सम्बन्धी अपार धन के स्वामी थे और अब दरिद्र हो गये हैं। वह उन्हें घर ले गई। उसके पति को जो कभी अपंग एवं कोढ़ी था, और जो अब एक सुन्दर युवक में परिवर्तित हो गया था, को देखकर उन सभी को आश्चर्य हुआ। वे कमला की सम्पत्ति को देखकर भी चकित हुए। उसने अपने पिता से कहा कि उन्होंने अपनी नीचता तथा धृष्टता से उसका विवाह एक कुष्ठ रोगी से कर दिया। उसने यह भी कहा कि उन्हें अपने धन पर गर्व नहीं करना चाहिए था। उसने पिता से घोषणा की, ''परमात्मा की विधियाँ रहस्यपूर्ण हैं और प्रत्येक व्यक्ति अपने ही भाग्य पर निर्भर करता है।'' उसका पिता उसके साथ दीर्घ काल तक प्रसन्नतापूर्वक रहा और उसने उस शिक्षा को कभी नहीं भुलाया जो उसने अपनी पुत्री से इतने कष्टों से सीखी।

Meaning : millionarie = बहुत धनी व्यक्ति, करोड़पति, exceedingly = अत्यधिक, additional = अतिरिक्त, destined = (पहले से) नियत, peevish = चिड़चिड़ा, disinherit = उत्तराधिकार से वंचित करना, leper = कोढ़ी, wretched = नीच, कमीना, disabled = अपंग, leprosy = कोढ़, कुष्ठ रोग, mysterious = रहस्यमयी, emits = छोड़ना, procured = प्राप्त किया, barbed with spikes = कीलें ठुकी हुई, in fury = क्रोध में, magic wand = जादुई छड़ी, transaction = सौदा, estate = सम्पत्ति, transformed = बदल गया, परिवर्तित हो गया।

Reading Comprehension

I. Choose the most appropriate answer *(MCQs)* :

Ans. 1. (a), **2.** (c), **3.** (d), **4.** (a), **5.** (c).

II. A few statements are given below. Write the name of the person who said the respective statements :

Ans. 1. Kamla, **2.** Kamla, **3.** The youngest daughter, Kamla, **4.** The landlord (master of the house), **5.** The landlord, **6.** A saint.

III. Match the words given under 'A' with their meanings given under 'B' :

	'A'		'B'
Ans.	(1) In fury	→	(d) In anger
	(2) In addition	→	(c) Extra
	(3) Wretched	→	(e) In misery
	(4) Destined	→	(f) What is written in fate
	(5) Transformed	→	(a) Changed
	(6) Transaction	→	(b) Business

IV. Answer the following questions :

Q. 1. Why did the landlord agree when his wife told him she will prepare the cake when her daughters had gone to sleep? (जमींदार क्यों सहमत हो गया जब उसकी पत्नी ने उससे कहा कि जब उसकी पुत्रियाँ सो जाएँगी तो वह केक बनाएगी?)

Ans. The landlord agreed because he was a miser and did not want to give his daughters a share of the cakes. (जमींदार इसलिए सहमत हो गया क्योंकि वह कंजूस था और अपनी पुत्रियों को केक का भाग नहीं देना चाहता था।)

Q. 2. Why did the mother advise her daughter to keep silent? (माँ ने अपनी बेटी को चुप रहने की सलाह क्यों दी?)

Ans. The mother advised her daughter to keep silent lest her other sisters get up. (माँ ने अपनी बेटी को चुप रहने की सलाह दी कि कहीं उसकी बहनें न जाग जाएँ।)

Q. 3. Could the master and mistress enjoy their cakes all alone? Why or why not? (क्या गृहस्वामी और गृहस्वामिनी अकेले ही अपने केक का आनन्द ले सके? क्यों या क्यों नहीं?)

Ans. No, the master and mistress could not enjoy their cakes all alone because their daughters, who had gone to bed, got up and had their share. (नहीं, गृहस्वामी और गृहस्वामिनी अकेले ही अपने केक का आनन्द नहीं ले सके क्योंकि उनकी पुत्रियाँ जो सोने चली गई थीं—बारी-बारी से जाग गईं—और अपना भाग लिया।)

Q. 4. Why was the landlord angry with his youngest daughter? (जमींदार अपनी सबसे छोटी पुत्री से क्रोधित क्यों था?)

Ans. The landlord was angry with his youngest daughter because she answered correctly and not to please or flatter him. (जमींदार अपनी सबसे छोटी पुत्री से क्रोधित था क्योंकि उसने सही उत्तर दिया और उसे संतुष्ट करने या उसकी चापलूसी करने के लिए नहीं।)

Q. 5. How did the landlord show his anger to his youngest daughter? (जमींदार ने अपनी सबसे छोटी पुत्री के प्रति क्रोध कैसे प्रदर्शित किया?)

Ans. The landlord married his youngest daughter to a disabled leper and showed his anger. (उसका विवाह एक अपाहिज कोढ़ी से करके जमींदार ने अपनी सबसे छोटी पुत्री के प्रति क्रोध प्रदर्शित किया।)

Q. 6. How was Kamla's husband cured of his disease? (कमला का पति अपने रोग से कैसे मुक्त हुआ था?)

Ans. Kamla's husband was cured of his disease by bathing in the stream, as pointed out by a saint. (कमला का पति सन्त द्वारा इंगित की हुई नदी में स्नान करने से रोग मुक्त हुआ था।)

Q. 7. What did Kamla discover about the *Mani* (gem)? (कमला को मणि के बारे में क्या मालूम हुआ?)

Ans. Kamla discovered that the *Mani* (gem) possessed many virtues, viz. its possessor could become rich and a disabled man could get his limbs back. (कमला को पता चला कि मणि में अनेक गुण हैं, जैसे कि; जिस पर मणि होगी वह धनवान हो जाएगा तथा एक अपाहिज व्यक्ति भी अपने अंग वापस पा सकता है।)

Q. 8. What happened to the six daughters of the landlord? (जमींदार की छ: पुत्रियों को क्या हुआ?)

Ans. The six daughters of the landlord, though married to handsome young men, became penniless later. (जमींदार की छ: पुत्रियाँ जो सुन्दर नौजवानों के साथ ब्याही गईं थीं, वे भी निर्धन हो गईं।)

Q. 9. How was the landlord punished for his ill-behaviour? (जमींदार अपने नीच व्यवहार के कारण किस प्रकार दण्डित हुआ?)

Ans. The landlord was punished for his ill behaviour as he lost all his money and became heavily indebted. (उसकी सारी सम्पत्ति चली गई और कर्ज में दब गया, इस प्रकार वह अपने नीच व्यवहार के लिए दण्डित हुआ।)

Q. 10. What lesson do you learn from this story? (आप इस कहानी से क्या पाठ सीखते हैं?)

Ans. The lesson learnt from the story is that God's ways are mysterious and everybody depends upon one's own luck. (कहानी से सीखा पाठ है कि परमात्मा के तौर तरीके रहस्यमयी हैं और प्रत्येक व्यक्ति अपने ही भाग्य पर निर्भर करता है।)

Language Skills Mastery

V. Find out the parts of speech in the following sentences and give their names also :

1. **Noun**–Ramprasad Bismil, sacrifice, **Pronoun**–We, his, **Verb**–love, **Preposition**–for.
2. **Noun**–world, **Pronoun**–he, **Verb**–is, **Adverb**–no, more, **Preposition**–in, **Article**–the, **Interjection**–alas.
3. **Noun**-Shyama, Varanasi, sister, **Pronoun**-her, **Verb**-went, **Preposition**-to, with.
4. **Noun**–village, foot, **Pronoun**–he, his, **Verb**–goes, **Preposition**–to, on.
5. **Noun**–trains, days, **Verbs**–are running, **Adjective**–these, **Adverb**-late, **Article**-the.

3. An Adventure With A Bear
(भालू के साथ एक साहसिक घटना)

हिन्दी अनुवाद

स्वीडन देश के उत्तरी भाग में, एक बड़े वन के किनारे पर एक सुन्दर पुराने घर में, एक बूढ़ी महिला रहती थी। महिला के पास एक पालतू भालू था। वह उसे बहुत प्रिय था। यह भालू वन में भूख से अधमरा पड़ा मिला था जो इतना छोटा तथा नि:सहाय था कि उस महिला ने उसे बोतल से दूध पिलाकर पाला था। यह कई वर्ष पहले की बात है, और अब तो वह एक बड़ा भालू बन गया था, और इतना विशाल तथा बलशाली था कि यदि चाहता तो एक गाय को मारकर अपने दो पंजों से उठाकर उसे दूर ले जा सकता था; परन्तु उसने यह नहीं चाहा। वह बहुत ही मित्रतापूर्ण (भालू) था जिसने किसी मनुष्य या पशु को हानि पहुँचाने की बात सोची भी नहीं। वह अपनी माँद (घर) के बाहर बैठ जाता था और अपनी छोटी व चतुर आँखों से पास ही मैदान में चरती हुई गायों को बड़े प्यार से देखा करता था। वहीं अस्तबल में तीन तगड़े पहाड़ी टट्टू थे, वे भी भालू को खूब जानते थे और तनिक भी विचलित (mind) नहीं होते थे जब वह अपनी स्वामिनी के साथ अस्तबल में आ जाता था। बच्चे उसकी पीठ पर सवारी करते थे और कई बार तो उसकी माँद में उसके पंजों के बीच सोए हुए पाये जाते थे। तीनों लैपलैन्ड कुत्ते भी उससे कई प्रकार के खेल (games) खेलना पसन्द करते थे, (जैसे कि) उसके कान और उसकी छोटी-सी पूँछ खींचते थे, फिर भी भालू तनिक भी परवाह नहीं करता था। उसने कभी मांस का स्वाद नहीं चखा था, और वह कुत्तों की भाँति तथा प्राय: उन्हीं की प्लेट से रोटी, हलवा, आलू, बन्दगोभी, शलजम खाता था। उसे खूब भूख लगती थी, और उसका मित्र रसोइया यह ध्यान रखता था कि वह भरपेट खा ले। भालू को यदि अवसर मिले तो वे शाकाहारी होते हैं, और फल सर्वाधिक पसन्द करते हैं। शरद ऋतु में वह बाग में बैठकर अपनी ललचाई आँखों से पके हुए सेबों की ओर देखा करता था, और जब वह छोटा था तो कभी-कभी अपने मन (temptation लालच) को न रोक पाता और पेड़ पर चढ़ जाता था और कुछ सेब खा जाता था। भालू भारी और धीमे दिखते हैं, परन्तु कभी एक भालू को सेब के पेड़ पर चढ़ते देखो तो पाओगे कि किसी भी स्कूली बच्चे को वह आसानी से इस खेल में हरा सकता है।

अब वह समझ गया था कि ऐसा करना नियम-विरुद्ध है, परन्तु अपनी छोटी आँखों से वह जमीन पर गिर जाने वाले सेबों को गौर से देखता रहता था। मधुमक्खियों के छत्तों के सम्बन्ध में कुछ कठिनाइयाँ अवश्य हुई थीं; भालू को इसके लिए दो दिन तक जंजीर में बाँधकर दंडित किया गया था, (परन्तु) उसने फिर कभी दुबारा ऐसा नहीं किया। इसके अलावा वह रात के सिवाय कभी जंजीर में बाँधकर नहीं रखा गया—और ठीक भी है—क्योंकि कुत्ते की भाँति भालू भी यदि जंजीर में बाँधा जाए और घूमने न दिया जाए (खुला न छोड़ा जाए) तो चिड़चिड़ा हो जाता है। रविवार के दिन भी वह बाँधकर रखा जाता था क्योंकि जब गृहस्वामिनी अपनी विवाहित बहिन के यहाँ अपराह्न का समय बिताने चली जाती थीं जो पर्वतीय झील के दूसरी ओर एक निर्जन मकान में रहती थी और जहाँ घने वन में होकर जाने में एक घंटा लगता था। यह उचित नहीं जान पड़ता था कि वन में जहाँ अनेक प्रलोभन हैं, वह भालू खुला घूमे; सुरक्षित रहना ही अधिक उपयुक्त है। वह मल्लाह भी अच्छा नहीं था, और एक बार अचानक आँधी के एक झेंके से इतना भयभीत हुआ कि उसने नाव उलट दी और वह तथा मालकिन किनारे तैरकर पहुँचीं। अब वह भली-भाँति समझ गया था कि क्यों उसकी मालकिन एक मैत्रीपूर्ण बातों के साथ रविवार के दिन उसे जंजीर में बाँध देती थीं और साथ में यह वादा रहता था कि यदि उनकी अनुपस्थिति में यह ठीक रहा तो लौटने पर एक सेब दिया जाएगा। उसे खेद होता था परन्तु (फिर भी) एक अच्छे कुत्ते की तरह वह बुरा नहीं मानता था जब उसकी स्वामिनी उसे समझाती थी कि वह उनके साथ घूमने नहीं चल सकता। एक रविवार को, जबकि महिला ने उसे पहले की भाँति जंजीर से बाँध दिया था और वह वन में आधे रास्ते जा चुकी थी, उसने अनायास ही अपने पीछे पगडंडी पर वृक्षों की टहनियों के चटखने की आवाज सुनी। उसने मुड़कर पीछे देखा और अपने पीछे बहुत तेजी से आते भालू को देखकर बहुत क्रोध किया। भालू दीखते तो हैं धीमे चलते हुए, परन्तु वे दौड़ते हुए घोड़े से भी अधिक तेज जाते हैं।

एक मिनट में ही भालू, महिला से आकर मिल गया, उसका साँस फूला हुआ था, और महिला के कदमों से पीछे, कुत्ते की भाँति चलने लगा। महिला अत्यन्त क्रुद्ध थी, भोजन के लिए पहले ही विलम्ब हो चुका था, और इतना समय नहीं था कि उसे घर वापस छोड़ा जा सके, वह नहीं चाहती थी कि वह उसके साथ जाए, तथा इसके अतिरिक्त, यह बहुत शरारतपूर्ण था कि उसने आज्ञा का उल्लंघन किया, और अपनी जंजीर को तोड़ दिया।

महिला ने अपने छाते से धमकाते हुए, कठोरतम स्वर में उसे वापस जाने का आदेश दिया। वह एक क्षण रुका, चालाक निगाह से उनकी ओर देखा, परन्तु वापस जाना नहीं चाहता था और (स्वामिनी को) सूँघता रहा। जब महिला ने देखा कि उसने अपना नया कॉलर (गले का पट्टा) भी खो दिया है, उन्हें और गुस्सा आया और अपने छाते से उसकी नाक पर इतनी जोर से मारा कि छाते के दो टुकड़े हो गये। भालू फिर रुका, अपना सिर हिलाया और अपने बड़े मुँह को कई बार खोला; मानो वह कुछ कहना चाहता हो। तदुपरान्त वह मुड़ा और जिस रास्ते से आया था उसी पर धीमे-धीमे वापस चल दिया, महिला की ओर देखता हुआ कभी-कभी रुकता रहा जबकि अन्त में दृष्टि से ओझल हो गया।

जब महिला सायंकाल घर आई, तो भालू दु:खी-सा अपनी माँद के बाहर अपने नियत स्थान पर बैठा हुआ था। महिला अभी भी बहुत नाराज थी वह भालू के पास गई और अत्यधिक कठोरता से

उसे डाँटना शुरू किया और यह भी कहा कि न उसे सेब मिलेगा, न सायं का भोजन और दो दिनों तक जंजीर से बाँधा जाएगा। बूढ़ा रसोइया जो उसे ऐसे प्यार करता था, मानो उसका अपना पुत्र हो, बहुत गुस्से में रसोई से बाहर दौड़ा।

रसोइया बोला, 'मेम साहब, आप उसे क्यों डाँट रही हैं? आप उसे धन्य कहें, वह सारे दिन स्वर्ण के समान अच्छा रहा है। एक देवदूत की भाँति विनम्र, वहाँ शान्त बैठा रहा है, और आपके वापस आने की (प्रतीक्षा में) द्वार की ओर निरन्तर (whole time) देखता रहा है।''

यह एक दूसरा (पूरी तरह बदला हुआ) भालू था।

Meaning : brought up on the bottle = बोतल द्वारा दूध पिलाकर बच्चे की भाँति पालन-पोषण करना, kennel = भालू को रखने का घर, pony = खच्चर, stable = अस्तबल, porridge = हलवा (एक भोज्य पदार्थ), appetite = भूख, resist = रोकना, temptation = प्रलोभन, clumsy = बेढंगा, ill-tempered = क्रोधी, annoyed = चिड़चिड़ा, naughty = शरारती, sternest = बहुत कठोर, rushed out = तेजी से बाहर आया।

Reading Comprehension

I. Choose the most appropriate answer *(MCQs)* :

Ans. 1. (a), **2.** (c), **3.** (a).

II. Say True or False for each of the following statements :

Ans. 1. False, **2.** True, **3.** False, **4.** True, **5.** True.

III. Answer the following questions briefly :

Q. 1. In what condition did the old lady find the bear? (बूढ़ी महिला को भालू किस अवस्था में मिला?)

Ans. The old lady found the bear in the forest, half-dead of hunger. (बूढ़ी महिला को भालू वन में भूख से अधमरा मिला था।)

Q. 2. Why did the bear not hurt any man or beast? (भालू ने किसी मनुष्य या पशु को हानि क्यों नहीं पहुँचाई?)

Ans. The bear loved everyone, and so he did not hurt any man or beast. (भालू सभी से प्यार करता था और इसलिए उसने किसी मनुष्य या पशु को हानि नहीं पहुँचाई।)

Q. 3. What did the bear eat? (भालू क्या खाता था?)

Ans. The bear ate the same food as the dogs, bread, porridge, potatoes, cabbages, turnips, etc. He did not eat meat. (भालू कुत्तों के जैसा ही खाना खाता था, जैसेकि रोटी, हलवा, आलू, बन्दगोभी, शलजम खाता था। वह मांस नहीं खाता था।)

Q. 4. When was the bear put on a chain and why? (भालू को जंजीर में कब बाँधा जाता था और क्यों?)

Ans. The bear was put on a chain on Sundays when his mistress went to spend the afternoon with her married sister, who lived in a lonely house on the other side of the mountain lake. (भालू को रविवार को जंजीर में बाँधा जाता था, जब गृहस्वामिनी दोपहर का समय बिताने के लिए अपनी विवाहित बहन के यहाँ जाती थी। जो पहाड़ी झील के दूसरी तरफ एकांत में रहती थी।)

Q. 5. When was the lady angry with the bear and why? (महिला भालू पर कब और क्यों क्रोधित हुई थी?)

Ans. One Sunday, the lady, when half-way through the forest, saw the bear coming after her. She became very angry. She got still more angry to see that he had lost his new collar. (एक रविवार, वह महिला, जब वन में आधा रास्ता तय कर चुकी थी, अपने पीछे भालू को आते देखा। वह बहुत क्रोधित हुई। वह यह देखकर और अधिक क्रोधित हुई कि उसने अपना नया कॉलर (गले का पट्टा) खो दिया था।)

Q. 6. What did the bear do when the mistress had hit him by her umbrella? (भालू ने क्या किया जब गृहस्वामिनी ने उसे छाते से मारा?)

Ans. When the mistress had hit him by her umbrella, the bear stopped, opened his mouth several times as if he wanted to say something, then turned round to walk slowly back home. (जब गृहस्वामिनी ने उसे छाते से मारा तो भालू रुका, उसने अपना मुँह कई बार खोला जैसे वह कुछ कहना चाहता था, फिर मुड़ा और धीरे-धीरे घर की ओर वापस चल दिया।)

Q. 7. Was the lady still angry with the bear when she returned home? How did she show her anger? (जब महिला घर वापस आयी क्या तब भी वह भालू से क्रोधित थी? उसने अपना गुस्सा कैसे दर्शाया?)

Ans. Yes, the lady was still angry with the bear when she returned home. She scolded him saying that he would have no apple, no supper and would be chained up for two days. (हाँ, जब महिला घर वापस आयी तब भी वह भालू से क्रोधित थी। उसने उसे यह कहकर डाँटा कि न उसे सेब मिलेगा, न सायं का भोजन और दो दिन तक जंजीर से बाँधा जाएगा।)

Language Skills Mastery

IV. Use the following words and phrases in your own sentences so as to make their meanings clear :

1. Injustice must be **resisted**.
2. The friendly ponies **did not mind** the bear coming into the stable.
3. Let us not be **upset** with failures in life.
4. Many infants are **brought up on the bottle** these days.
5. Children are **naughty** by nature.

V. Divide the following sentences into two parts, i.e. Subject and Predicate and write them in your exercise book in a tabular form :

Subject	Predicate
1. I	go the the Church for prayers every Sunday.
2. The ladies	feel uncomfortable in a crowded bus.
3. The police	arrested a notorious thief.
4. My uncle	gives me a beautiful gift every year.
5. She	is not a teacher.
6. The holy Ganges	flows in Haridwar.

Skills Practice

Fun Time

Name the person, place or thing about which something is said below. First letter of the word is given as hint :

Ans. 1. beast, **2.** mistress, **3.** vegetarian, **4.** forest, **5.** cook, **6.** friend.

4. A Dream of War and Peace
(युद्ध और शान्ति का एक स्वप्न)

हिन्दी अनुवाद

यद्यपि मैं कोई कवि नहीं हूँ, तथापि मैं कभी-कभी सपने देखता हूँ; मैंने सपना देखा कि मैं बच्चों की एक पार्टी में गया हूँ जहाँ एक चतुर एवं दयालु व्यक्ति (यजमान) ने बच्चों के लिए मनोरंजन के सभी साधन जुटाए थे। एक सुन्दर मकान था जिसके चारों ओर सुन्दर बाग थे और बच्चे कमरों तथा बागों में अपना समय (अपराह्न) आनन्दपूर्वक बिताने के लिए स्वतन्त्र छोड़ दिये गये थे। वे वास्तव में अधिक नहीं जानते थे कि अगले दिन क्या होने वाला है; और मैंने विचार किया कि उनमें से कुछ तनिक डरे हुए थे क्योंकि यह समय (chance) था कि वे एक ऐसे नए विद्यालय में भेज दिये जाएँ जहाँ परीक्षाएँ होने वाली थीं; परन्तु उन्होंने इन विचारों को अपने मन (head) में नहीं आने दिया और वे (भरपूर) आनन्द लेने का निश्चय कर चुके थे। जैसा मैंने बताया है, यह मकान एक सुन्दर बाग में था और बाग में सभी प्रकार के फूल थे; आराम करने के लिए मधुर घास के ढ़लान थे; खेलने के लिए समतल मैदान; आकर्षक जल-स्रोत और वन; और आरोहण (climb) के लिए चट्टानें। बच्चे भी कुछ देर के लिए प्रफुल्लित थे, परन्तु शीघ्र ही वे अलग-अलग दलों में बँट गए; और तब प्रत्येक दल ने कहा कि बाग का एक भाग उसका अपना है और किसी अन्य को उसके भाग में कुछ नहीं करने दिया जाएगा। उसके बाद वे सभी लड़ने-झगड़ने लगे कि कौन कौन-सा भाग हथियाए; और आखिरकार (at last) जैसे लड़कों को संभवत: करना चाहिए, उन्होंने वह किया। वे फूलों की क्यारियों में तब तक लड़े जब तक वहाँ एक भी फूल न बचा; और उन्होंने एक-दूसरे के बगीचे के भाग को घृणा से कुचल डाला; और

लड़कियाँ चिल्लाती रहीं जब तक वे थक न गईं; इस प्रकार, वे सभी उस नष्ट बगीचे में साँस फूले हुए लेट गये और सायंकाल को घर लौट जाने का इन्तजार करने लगे।

इसी समय, घर में जो बच्चे थे, वे अपने ढंग से खुशी मना रहे थे। उनके लिए घर में ही (indoor) प्रत्येक प्रकार का मनोरंजन उपलब्ध (provided) कराया गया था; नृत्य करने के लिए संगीत था; पुस्तकालय खुलवाया गया जहाँ सभी प्रकार की रोचक पुस्तकें थीं; अत्यधिक अद्‌भुत सीपियों व पशु-पक्षी से परिपूर्ण संग्रहालय था; चतुर बालकों के लिए सभी प्रकार के उपकरणों सहित कार्यशाला थी, बालिकाओं के पहनने के लिए सुन्दर परिधान थे तथा सूक्ष्मदर्शी यंत्र थे और जो एक बच्चा कल्पना कर सकता है वे सभी खिलौने थे; और भोजन-कक्ष में सभी स्वादिष्ट भोज्य पदार्थों से लदी एक मेज थी।

परन्तु इसी बीच में, दो अथवा तीन कार्यकुशल बच्चों ने सोचा कि कुर्सियों में जड़ी हुई पीतल की कीलों (brassheaded nails) में से कुछ को निकाल लिया जाए; और इस प्रकार वे उन्हें निकालने में जुट गये। साथ ही जो पढ़ रहे थे, या देख रहे थे उन्होंने भी वैसा ही किया और थोड़ी देर में ही लगभग सभी बच्चे पीतल की कीलों को निकालने में अपनी उँगलियों को भी कष्ट देने लगे। जितनी कीलें वे निकाल सके उनसे उनका जी नहीं भरा (not satisfied) और तब प्रत्येक ने दूसरे की कीलों को लेना चाहा और अन्त में यह हुआ कि जो वास्तव में कार्यकुशल एवं समझदार बच्चे थे वे कहने लगे कि आज इस समय (अपराह्न में) इतना महत्वपूर्ण कुछ भी नहीं है जितना ढेर सारी पीतल की कीलों को प्राप्त करना। पुस्तकों, केकों तथा सूक्ष्मदर्शी यन्त्रों का केवल इतना ही उपयोग है कि उनके बदले पीतल की कीलें प्राप्त कर ली जाएँ फिर परिणाम यह हुआ कि वे कीलों के लिए लड़ने लगे जैसे दूसरे बगीचे के भागों के लिए लड़े थे। केवल कहीं-कहीं कोई उदासीन (despised) बच्चा शान्त होकर किसी कोने में चला गया और उस शोरगुल के बीच ही किसी पुस्तक से कुछ शान्ति पाने का प्रयास करने लगा, परन्तु सभी प्रैक्टीकल (कार्यकुशल) बच्चों ने इस समय कीलों को गिनने के अलावा और कुछ विचार नहीं किया, यद्यपि वे जानते थे कि उन्हें अपने साथ एक भी पीतल की कील नहीं ले जाने दी जाएगी। परन्तु फिर भी यह प्रश्न था—"किसके पास सबसे अधिक कीले हैं?" किसी ने उत्तर दिया, "मेरे पास सौ हैं और तुम्हारे पास केवल पचास" अथवा "मैं एक हजार कीलें रखता हूँ और तुम दो हजार। मैं भी इस स्थान से जाने से पूर्व तुम्हारे बराबर कीलें लेकर मानूँगा अन्यथा मुझे घर तक शान्ति नहीं मिलेगी।" आखिरकार उन्होंने इतना शोर मचाया कि मैं जाग गया और सोचने लगा, "बच्चों के सम्बन्ध में मैंने कैसा असत्य स्वप्न देखा! बच्चा तो मनुष्य का जनक है, अधिक बुद्धिशील है। बच्चे ऐसे मूर्ख कार्य कभी नहीं करते। केवल मनुष्य ही ऐसा करते हैं।"

Meanings : host = मेजबान, मेहमानदार, frightened = डरावना, curious = विचित्र, विलक्षण, shells = सीप, fancy = कल्पना, studded = जड़ी हुई, presently = वर्तमान में, of no use = अनुपयोगी, at all = किसी भी मात्रा में, despised = तिरस्कृत, उपेक्षित।

Reading Comprehension

I. Choose the most appropriate answer *(Multiple Choice Questions)* :

Ans. 1. (d), **2.** (b), **3.** (c).

II. Say which statements are True and which are False. Correct the false statements :

Ans. 1. True, **2.** True, **3.** True, **4.** False—The garden was beautiful, **5.** False—The children inside the house quarrelled.

III. Fill in the blanks with the following words :

Ans. 1. flowers, **2.** recreation, **3.** hosts, **4.** determined, **5.** workshop, **6.** toys, **7.** interesting, **8.** dishes.

IV. Answer the following questions briefly :

Q. 1. What did John Ruskin dream? (जॉन रस्किन ने क्या सपना देखा?)

Ans. John Ruskin dreamed that he was at a children's party where they had all means of entertainment. (जॉन रस्किन ने सपना देखा कि वह बच्चों की पार्टी में था जहाँ उनके लिए मनोरंजन के सभी साधन थे।)

Q. 2. Why were some of the little children frightened? (कुछ छोटे बच्चे भयभीत क्यों थे?)

Ans. Some of the little children were frightened because there was a chance of their being sent to a new school which had examinations. (कुछ छोटे बच्चे भयभीत थे क्योंकि यह हो सकता था कि वह एक ऐसे नये विद्यालय में भेजे जाएँ जहाँ परीक्षाएँ होती थीं।)

Q. 3. What did the children decide when they separated themselves into parties? (बच्चों ने क्या तय किया जब उन्होंने स्वयं को दलों में बाँट लिया?)

Ans. When the children separated themselves into parties, they decided that each party would have a piece of the garden and others would not be allowed there. (जब बच्चों ने स्वयं को दलों में बाँट लिया, उन्होंने तय किया कि प्रत्येक दल बाग का एक भाग लेगा और अन्य को वहाँ नहीं आने दिया जाएगा।)

Q. 4. What was the quarrel among the children? (बच्चों के बीच क्या झगड़ा था?)

Ans. The quarrel among the children was to select the piece of garden of their choice. (बच्चों के बीच अपनी पसंद का बगीचे का भाग चुनने का झगड़ा था।)

Q. 5. How was the garden ruined? (बाग किस प्रकार नष्ट हो गया था?)

Ans. The children fought for the piece of garden of their choice in the flower-beds and so the garden was ruined. (बच्चे फूलों की क्यारियों में अपनी पसंद के बगीचे के भाग के लिए लड़े और बाग नष्ट हो गया।)

Q. 6. How were the children inside the house enjoying? (घर के अन्दर बच्चे किस प्रकार आनन्द मना रहे थे?)

Ans. Some children inside the house were enjoying music, books, different toys, dressess and nice things to eat. (कुछ बच्चे घर के अन्दर थे और वे संगीत का, पुस्तकों का, विभिन्न प्रकार के खिलौनों, पोशाकों का और स्वादिष्ट भोज्य पदार्थों का आनन्द ले रहे थे।)

Q. 7. Why did the children inside the house begin to fight for? (घर के अन्दर बच्चों ने क्यों लड़ना शुरू कर दिया?)

Ans. The children inside the house began to fight for brass-headed nails that studded the chairs. (घर के अन्दर बच्चों ने कुर्सियों में जड़ी हुई पीतल की कीलों के लिए लड़ना शुरू कर दिया।)

Q. 8. What was the competiton among the practical children inside the house? (घर के अन्दर कार्यकुशल बच्चों के बीच क्या प्रतिस्पर्धा थी?)

Ans. The competition among the practical children inside the house was to have more number of nails nails than the others. (घर के अन्दर कार्यकुशल बच्चों के बीच दूसरों से ज्यादा कीलों के लिए प्रतिस्पर्धा थी।)

Q. 9. Describe the beauty of the garden in about 50 words. (बाग की सुन्दरता का वर्णन 50 शब्दों में कीजिए।)

Ans. The garden around the house was beautiful. It had all kinds of flowers, grassy banks, smooth lawns, streams and woods, and rocky places for climbing as well. The children could rest in grassy places, enjoy climbing and play in lawns. (घर के चारों ओर एक सुन्दर बाग था। इसमें सभी प्रकार के पुष्प, घास के ढ़लान, समतल मैदान, जल-स्रोत और वन और आरोहण का आनन्द लिया और मैदान में खेले।)

Q. 10. What were the means of entertainment inside the house? (घर के अन्दर मनोरंजन के क्या साधन थे?)

Ans. The means of entertainment inside the house were music, library, museum, workshop, microscopes, toys and pretty dresses for girls and delicious dishes to eat. (घर के अन्दर संगीत, पुस्तकालय, संग्रहालय, कार्यशाला, सूक्ष्मदर्शी, खिलौने, ये मनोरंजन का साधन तथा बालिकाओं के लिए सुन्दर परिधान और खाने के लिए स्वादिष्ट भोज्य पदार्थ थे।)

Language Skills Mastery

V. Write answers to the following questions :

Ans. 1. Our teacher, Shri Kamal Nath, will teach us History. **2.** No, I am not sleeping. **3.** I shall go to school by bus. **4.** No, this donkey cannot carry this load. **5.** Yes, this road leads to Agra.

VI. Write questions for these answers :

Ans. 1. Who has prepared tea for you? **2.** Has Sharma anything to say? **3.** Is this young lady clever? **4.** Did he attend the class yesterday? **5.** Have you sold your black cow?

VII. Change the following sentences as directed :

Ans. 1. These children play with toys. **2.** What a foolish young man! **3.** You will play a match with us. **4.** Eat green vegetables. **5.** Does he learn his lesson daily?

5. The Beautiful Moon
(सुन्दर चाँद)

हिन्दी अनुवाद

तेरा सौन्दर्य मेरे मन और आत्मा में समाया रहता है,
हे सुन्दर चाँद, तू इतना निकट इतना चमकीला है;
तेरा सौन्दर्य मुझे भी बच्चा बना देता है,
जो (शिशु) तेरे प्रकाश को पाने के लिए बिलखता है;
छोटे शिशु जो अपनी प्रत्यक्ष बाँह उठाता है
कि तुझे अपने प्यार भरे सीने से लगा ले।
यद्यपि पक्षी हैं जो आज रात गीत गाते हैं
तेरी श्वेत किरणों को अपने कंठ में उतार कर,
पर मेरा गहरा मौन मेरी ओर से बोलता है
उन पक्षियों के लिए उनके मधुरतम गीतों से भी ज्यादा;
जो मौन तेरी पूजा करता है जो संगीत भी न करे
वह तेरी बुलबुलों से भी महान् है।

कविता—इस कविता में कवि चन्द्रमा और उसकी सुन्दरता के प्रति जो मनुष्य, पक्षी तथा अन्य सभी को आकर्षित करती, अपने प्रेम का वर्णन करता है।

Meanings : haunts = समाया रहता है, close = निकट।

Reading Comprehension

I. Choose the most appropriate answer *(MCQs)* :

Ans. 1. (c), **2.** (a), **3.** (c).

II. Answer the following questions :

Q. 1. Why does the poet call the moon so close? (कवि चाँद को इतना निकट क्यों कहता है?)

Ans. The poet calls the moon so close as often children try to grab it. (अक्सर बच्चे इसे पकड़ने की कोशिश करते हैं इसलिए कवि चाँद को इतना निकट कहता है।)

Q. 2. When a child looks at the moon, what does he want? (जब एक शिशु चाँद की ओर देखता है, वह क्या चाहता है?)

Ans. When a child looks at the moon, he lifts his each arm to the moon and wants to press it to its bosom. (जब एक शिशु चाँद की ओर देखता है, वह अपनी प्रत्येक बाँह उठाता है और इसे अपने सीने से लगाना चाहता है।)

Q. 3. The night is dark and the birds are singing. How is the poet able to see the throats of singing birds? (रात अंधेरी है और पक्षी गीत गा रहे हैं। कवि किस प्रकार गाते हुए पक्षियों के कंठ देख पाता है?)

Ans. The poet is able to see the throats of singing birds in the dark night because of the white light of the moon which falls across their throats. (जब अंधेरी रात में चाँद की श्वेत किरणें गाते हुए पक्षियों के कंठ पर गिरती हैं तो कवि उनके कंठ देख पाता है।)

Q. 4. Whom does the word 'Who' refer to here? (यहाँ 'कौन' शब्द किसको सूचित करता है?)

Ans. 'Who' refers to deep silence of the poet. ('कौन' शब्द कवि के गहरे मौन को सूचित करता है।)

Language Skills Mastery

III. Underline the main words in Subject and Predicate parts in the following sentences. Also put a vertical line to separate them :

1. **They**/are not telling any story.
2. **I** and **you**/shall ride together.
3. **I** met **a beautiful woman**/today.
4. **This black cow**/does not give milk.
5. **These players**/won the match.
6. **Shivam**/had a cup of tea.
7. **The man with a stick**/is very old.
8. **This table**/is not very small for you.

Skills Practice

IV. Complete the story by using the given phrases :

It was a bitter cold evening. An old man waited for **a ride across the river**. Anxiously, he watched as several horsemen passed. He let them pass by without an effort **to get their attention**. At last, the old man caught one rider's eye and said, "Sir, would you give an old man **a ride to the other side**?" The horseman dismounted and **helped the old man on the horse.** He took the old man **not just across the river** but to his destination, a few miles away. As he helped the old man **lower down from the horse,** asked him, "You let other riders pass by **but asked me for a ride**." The old man replied, "I looked into their eyes to find no concern for my situation. But **your eyes were full of compassion**."

6. Gandhiji, A Prince Among Beggars
(भिक्षुकों के राजकुमार, गांधीजी)

हिन्दी अनुवाद

गांधीजी भारतीय समाज में सामाजिक समानता लाने व हरिजनों (दलितों) को शिक्षित करने के लिए चिन्तित रहते थे। वे समाज में उनका दर्जा उठाना चाहते थे तथा औरों से बराबरी का स्थान चाहते थे। चूँकि इस कार्य के लिए धन की आवश्यकता थी। गाँधीजी ने इसी उद्देश्य से हरिजन कोष आरंभ किया।

गांधीजी ने लोगों से हरिजनों के लिए धन माँगा। इतनी मधुरता से तथा विनयपूर्वक उनसे याचना की कि उन्हें 'मना करना' असंभव था। धनवानों ने बहुधा एक ही बार में उन्हें सहस्त्रों रुपये दिये तथा निर्धनों ने जो कुछ उनसे बन पड़ा वही दिया।

गांधीजी भिक्षुकों में राजकुमार थे। कैसा अद्‌भुत दृश्य होता था जब गांधी लंगोट पहने हुए हरिजन के लिए भिक्षा माँगते थे।

अपनी यात्राओं में, गांधीजी ने इस कार्य के लिए धन एकत्र किया। प्रत्येक स्टेशन पर, बड़ी भीड़ उनके दर्शनों के लिए इकट्ठा हो जाती थी। परन्तु महात्मा ने अपने दर्शन के बदले शुल्क (मूल्य) लगा दिया। इस प्रकार तुरन्त ही वे अपना हाथ खिड़की से बाहर फैला देते थे, और आवाज देते थे, 'हरिजन भाइयों के लिए एक पैसा।'

बहुत थके होने के कारण एक स्टेशन पर गांधीजी नहीं जगे। व्यक्तियों के डिब्बे में प्रवेश किया और गांधीजी को हिलाकर जगाया, यद्यपि दल के अन्य सदस्यों ने ऐसा करने से मना किया। गांधीजी के हाथों में कुछ सिक्के थमाकर वे **'महात्मा गांधी की जय'** कहते हुए चले गये। गांधीजी मुस्कराये, पुन: बर्थ पर लेट गये और गहरी तन्द्रा में मग्न हो गये।

एक बार रेलगाड़ी के पहुँचने से पहले ही वे रेलवे प्लेटफार्म पर पहुँच गये। एक पत्रकार ने उनसे प्रश्न किया, ''बापू जी, क्या कांग्रेस सत्ता स्वीकार करेंगी?'' गांधीजी ने मुस्कराकर कहा, ''क्यों क्या आप मन्त्री बनना चाहते हैं?'' बेचारा पत्रकार उलझन में पड़ गया। वह वहाँ से जाने ही वाला था, परन्तु गांधीजी उन्हें इतनी आसानी से नहीं छोड़ सकते थे। उन्होंने पूछा, ''कृपया, क्या आप अपने हैट का मुझे भिक्षा-पात्र की भाँति उपयोग करने दोगे?'' निसन्देह, हैट तुरन्त सौंप दिया गया और गांधीजी ने उन्हीं के सम्मुख हैट करके श्रीगणेश किया। उसी के बीच उन भावी मन्त्री (पत्रकार) को कुछ चाँदी के सिक्के देने पड़े। ट्रेन के आने से पूर्व ही हैट सिक्कों से भर गया।

अपने प्रति समर्पित अभिनन्दन-पत्र अथवा किसी अन्य लेख को गांधीजी नीलाम कर देते थे और इस प्रकार 'हरिजन कोष' के लिए कुछ धन इकट्ठा कर लेते थे।

एक स्थान पर नागरिकों द्वारा प्राप्त एक पात्र को लिया और कहना प्रारम्भ किया, ''इसका मूल्य ₹ 250 है।'' किन्हीं ने तीन सौ रुपए देने चाहे। गांधीजी अधिक चाहते थे। अत: बोले, ''मैं अधिक की आशा करता हूँ। और ज्यादा बढ़ो।'' बोली उठती गई। उस पात्र के लिए गांधीजी को एक हजार रुपए मिले।

गांधीजी कहते थे, ''जो कुछ आप दे सकें, चौथाई आना, आधा आना, मुझे दें।'' एक व्यक्ति ने उनके घर में ठहरने के बदले गांधीजी के प्रति मिनट ₹ 116 देने का प्रस्ताव रखा।

वे प्रत्येक से अपने हस्ताक्षर पर ₹ 5 लेते थे। हस्ताक्षर पाने के उत्सुक प्रसन्नतापूर्वक उनके हस्ताक्षर के लिए पैसा देते थे।

एक बार एक अमरीकी ने हस्ताक्षर किया हुआ उनका फोटो प्राप्त करना चाहा। गांधीजी ने मुस्कराकर कहा, ''यदि आप हरिजन कोष के लिए ₹ 20 दें, तो मैं यह दूँ।''
''मैं दस रुपए दूँगा।''
गांधीजी ने कहा, ''ठीक'' और उन्होंने चित्र पर हस्ताक्षर कर दिए।
उसके बाद, जब अमरीकी ने इस घटना को गांधीजी के पुत्र को सुनाया, तो इस ने कहा, ''बापू यह कार्य पाँच रुपए में भी कर देते।''
गांधीजी को अपने आन्दोलन के लाभार्थ, महिलाओं से उसके आभूषण उतरवाने में विशेष आनन्द आता था।
एक भ्रमण के दौरान, बर्दवान की रानीबाला गांधीजी से मिलने आई। उसने भारी-भारी छः सोने की चूड़ियाँ पहन रखी थीं। गांधीजी की दृष्टि उन पर पड़ी। उन्होंने विनम्रतापूर्वक उन्हें समझाया कि उनकी नाजुक छोटी-सी कलाइयों के लिए वे (चूड़ियाँ) भारी बोझ हैं।
उनका हाथ चूड़ियों पर गया। उनके दादा ने उन्हें प्रोत्साहित किया कि वे चूड़ियाँ गांधीजी को दे दें। गांधीजी ने कहा, ''मैं केवल हँसी (मजाक) कर रहा था,'' और उन्होंने चूड़ियाँ लौटाने का प्रयत्न किया।
परन्तु उनके दादाजी ने कहा कि उनकी माता जी चूड़ियाँ वापस लेने को अपशकुन मानेंगी।
गांधीजी बोले, ''ठीक है, मैं इन्हें रख लूँगा, परन्तु शर्त यह है कि रानीबाला नई चूड़ियों के लिए न कहें।''
उसी दिन गांधीजी ने उसी नगर में महिलाओं की एक सभा को सम्बोधित किया। गांधीजी ने उनको रानीबाला के विषय में बताया। मूल्यवान परिधान पहने हुए महिलाओं ने अपनी सोने की चूड़ियों और हीरे की अँगूठियों को उतार लिया और गांधीजी के हाथों में दे दिया।
एक अवसर पर, जबकि गांधीजी इस प्रकार गरीब हरिजनों के लिए माँग रहे थे, एक छोटी बालिका ने उनके हाथों में पुष्प दे दिये।
गांधीजी ने प्रश्न किया, ''हरिजन-कोष के लिए तुम अपनी (कानों की)बालियाँ क्यों नहीं भेंट कर देतीं?''
वह बोली, ''जी हाँ, मैं वे अभी देती हूँ।''
वे बोले, ''नहीं, कृपया न दीजिये। यदि तुमने बालियाँ दे दीं, तो तुम्हारी माँ नाराज होंगी।''
''नहीं, श्रीमानजी, बिल्कुल न सोचें, आप बालियाँ रखें।''
गांधीजी ने कहा, ''नहीं, पहले अपने माता-पिता से पूछ लें।''
छोटी बालिका उदास हो गईं।
गांधीजी ने कहा, ''तो मुझे बालियाँ दे दें।'' और वे बालियाँ दे दी गईं।
एक बार कुछ महिलाएँ सेवाग्राम भ्रमण के लिए आईं और गांधीजी से मिलना चाहा। उन्होंने उनका नम्रतापूर्वक स्वागत किया और कुछ देर उनसे बातें की। उन्होंने देखा कि वे सभी आभूषण पहने हैं। यह उनका अवसर था। तुरन्त ही उन्होंने उनसे पूछ लिया कि क्या वे निर्धनों की सेवार्थ अपने बहुमूल्य आभूषण देना पसन्द करेंगी। महिलाओं ने तुरन्त आभूषण उतारे और उन्हें गांधीजी को सौंप दिया।
गांधीजी एक कुशल कोष एकत्र करने वाले थे। कभी-कभी वे भुजा-भर (armful) खद्दर, अथवा एक लुंगी या एक साड़ी ले लेते थे और जितना अधिक वे प्राप्त कर सकें उतने में बेच देते थे। वे अपने गले में पहनी हुई फूलों की मालाओं को भी विक्रय कर देते थे। एक बार एक फूल माला के उन्हें ₹ 101 प्राप्त हुए।

इस प्रकार गांधीजी ने सभी विधियों से हरिजन फण्ड के लिए धन एकत्र किया।

(वर्तमान प्रणाली एक रुपये में 100 पैसे से पूर्व एक रुपये में 64 पैसे अथवा 16 आने का प्रचलन था।)

Meanings : anxious = व्याकुल, चिन्तित, spare = बचाना, loin cloth = लुंगी, bidding = नीलामी में बोली बोलना, went up = उठा, उठाया, autograph = अपने हाथ का लिखा हुआ हस्ताक्षर, स्वहस्त लेख, stripping off = हटवाते हुए, उतरवाते हुए, encouraged = साहस बढ़ाया, बढ़ावा दिया, ill omen = अपशकुन, ask for = माँगना, pulled off = जीता, पुरस्कार जीता, poured into = उड़ेला, ornaments = जेवरात।

Reading Comprehension

I. Choose the most appropriate answer *(MCQs)* :

Ans. 1. (d), **2.** (c), **3.** (b).

II. Fill in the blanks with suitable words :

Ans. 1. bidding, **2.** pulled, **3.** incident, **4.** forbade, **5.** prince, **6.** ill.

III. Answer the following questions :

Q. 1. How did Gandhiji beg money? Did everyone give him money or few people? (गांधीजी धन कैसे माँगते थे? क्या सभी या कुछ लोग उन्हें धन देते थे?)

Ans. Gandhiji begged money sweetly and gently and no one refused him. Everyone gave him money. (गांधीजी मधुरता तथा विनयपूर्वक धन माँगते थे कोई उनको मना नहीं करता था और सभी उन्हें धन देते थे।)

Q. 2. How did Gandhiji charge the price for his darshan? (गांधीजी ने किस प्रकार अपने दर्शन के लिए शुल्क लगाया?)

Ans. Large crowds gathered to get his 'darshan'. So Gandhiji charged a price for it. (उनके दर्शन के लिए भीड़ इकट्ठा हो जाती थी। इसलिए गांधीजी ने इसके लिए एक शुल्क लगा दिया।)

Q. 3. Whose hat it was which Gandhiji used for begging money? (वह हैट किसका था जिसे गांधीजी ने धन माँगने के लिए उपयोग किया?)

Ans. It was the hat of a reporter which Gandhiji used for begging money. (यह एक पत्रकार का हैट था जिसे गांधीजी ने धन माँगने के लिए उपयोग किया।)

Q. 4. How did Gandhiji collect money for the Harijan Fund? (गांधीजी ने हरिजन कोष के लिए किस प्रकार धन एकत्र किया?)

Ans. Gandhiji would auction an address of welcome or any other article gifted to him and so, collected money for the Harijan Fund. (अपने प्रति समर्पित अभिनन्दन-पत्र अथवा किसी अन्य लेख को गांधीजी नीलाम कर देते थे और इस प्रकार हरिजन कोष के लिए धन इकट्ठा करते थे।)

Q. 5. What other methods did Gandhiji use to collect money? (धन एकत्र करने के लिए गांधीजी ने क्या अन्य तरीकों का उपयोग किया?)

Ans. Gandhiji would ask for a quarter anna or half an anna to collect money. He also charged ₹ 5 for each autograph. (गांधीजी धन एकत्र करने के लिए एक चौथाई आना या आधा आना भी माँग लेते थे। उन्होंने अपने हस्ताक्षर के लिए ₹ 5 शुल्क लगाया।)

Q. 6. In what did Gandhiji take special delight? (गांधीजी को किसमें विशेष आनन्द आता था?)

Ans. Gandhiji took special delight in asking women to take off their ornaments. (गांधीजी को महिलाओं के आभूषण उतरवाने में विशेष आनन्द आता था।)

Q. 7. How did Gandhiji obtain the bangles from Ranibala of Burdwan? (गांधीजी ने बर्दवान की रानीबाला से चूड़ियाँ किस प्रकार प्राप्त कीं?)

Ans. When, Ranibala of Burdwan came to see Gandhiji, she was wearing six heavy gold bangles. He gently told her that the golden bangles were very heavy for her delicate wrists and thus, obtained them. (जब बर्दवान की रानीबाला गांधीजी से मिलने आईं, उसने भारी-भारी छः सोने की चूड़ियाँ पहन रखी थीं। उन्होंने विनम्रतापूर्वक उन्हें समझाया कि उनकी नाजुक कलाइयों के लिए सोने की चूड़ियाँ भारी बोझ हैं और इस प्रकार, वे प्राप्त कर लीं।)

Q. 8. How did Gandhiji get the ornaments at Sevagram? (गांधीजी ने सेवाग्राम में किस प्रकार आभूषण प्राप्त किए?)

Ans. At Sevagram, several ladies come to see Gandhiji. He told them the story of Ranibala and asked them to give their costly jewellery to be used for the service of the poor. The ladies took them off and handed them over to Gandhiji. (सेवाग्राम में, अनेक महिलाएँ गांधीजी से मिलने आईं। उन्होंने उनसे बातें कीं, रानीबाला के बारे में बताया और उनसे निर्धनों के सेवार्थ के लिए अपने बहुमूल्य आभूषण देने को कहा। महिलाओं ने तुरन्त आभूषण उतारे और उन्हें गांधीजी को सौंप दिया।)

Q. 9. In what way was Gandhiji an expert fund raiser? (गांधीजी किस प्रकार एक कुशल कोष एकत्र करने वाले थे?)

Ans. Sometime Gandhiji took a piece of khaddar or a sari or garland of flowers and sold it for as much as he could get. This way, he was an expert fund raiser. (कभी-कभी वे खद्दर का टुकड़ा या एक साड़ी या फूल माला लेते थे और जितना अधिक वे प्राप्त कर सके उतने में बेच देते थे। इस प्रकार वह एक कुशल कोष एकत्र करने वाले थे।)

Language Skills Mastery

Use the following words and phrases in sentences of your own :

1. The ladies **took of** their gold ornaments and handed them over to Gandhi.
2. The doctor was **called out** in an emergency.
3. Gandhiji charged for signing his **autograph**.
4. Gandhiji earnestly wanted the gold bangles of Ranibala, yet he said, I was **merely** joking.
5. Gandhiji talked with the ladies **for a while,** and then asked them to contribute to the Harijan Fund.
6. When Gandhiji asked the richly dressed ladies in the meeting, she **pulled off** their ornaments and gave them to him.
7. Gandhiji gladly accepted whatever little one could **spare**.

V. A. Write the plural forms of the following nouns :

pairs, stories, roads, heroes, trees, stars, potatoes, leaves, factories, roofs, mice, feet.

B. Write the singular forms of the following nouns :

dog, man, leaf, thief, pen, page, fly, fish, owl, army, monkey, calf.

VI. Find out the nouns in the following sentences and write down whether they are singular or plural :

1. Children—Plural, Garden—Singular,
2. Boys—Plural, Cricket—Singular
3. Radha—Singular, Girls—Plural
4. Leaves—Plural, Tree—Singular
5. Uncle—Singular, Son—Singular

7. The Birthday Cake
(जन्मदिन का केक)

हिन्दी अनुवाद

उत्तरी पोलैण्ड के पर्वतों के बीच एक छोटा-सा मकान था जहाँ बूढ़ी दादी अपने पोते जोसेक के साथ रहती थी। गाँव में रहने वाले व्यक्ति जानते थे कि जोसेक मूर्ख लड़का है जो कुछ सीख नहीं सकता।

यद्यपि जोसेक न बुद्धिमान था और न ही चतुर, फिर भी उसकी बूढ़ी दादी उसे बहुत प्यार करती थी। यह उसकी सभी मूर्खतापूर्ण त्रुटियों को सहन करती थी और कभी गुस्सा नहीं करती थी।

एक दिन जोसेक की दादी माँ ने उससे कहा, ''कल ड्यूक (Duke) का जन्मदिन है। तुम्हें उनके लिए एक उपहार ले जाना है।

जोसेक बोला, ''हाँ दादी, मैं उनको क्या (वस्तु) दूँ?''

''उपहार खरीदने के लिए हमारे पास धन नहीं है, परन्तु थोड़ा आटा, शहद, कुछ चीनी एवं एक अण्डा है। मैं एक मालपुआ (cake) सेंक दूँगी, और तुम ड्यूक के किले में ले जाना।''
जोसेफ ने उत्तर दिया, ''हाँ, दादी, मैं ले जाऊँगा।''
दादी ने आटा और शहद, शक्कर व अंडा लेकर, उन्हें मालपुए के लिए मिलाना शुरू किया। गाँव के प्रत्येक परिवार में यह प्रथा थी कि जन्मदिन पर ड्यूक को उपहार दिया जाये। नियमानुसार, जो ड्यूक (Duke) को उपहार देते थे, उन्हें बदले में कुछ छोटी भेंट मिलती थी।
जब दादी माँ ने मालपुआ बना (सेंक) लिया, उसने यह जोसेक को दिया और कहा, ''अब, जोसेक, तुम केक ड्यूक के महल में ले जाओ। यदि ड्यूक तुम्हें बदले में उपहार दे, निश्चित रूप से उसे घर सुरक्षित ले आना।''
जोसेक बोला, ''हाँ, दादी।''
केक को चमड़े के एक बैग में रखकर, जोसेक ने उसके तस्मे को अपनी साइड में बाँध लिया। तब वह ड्यूक के किले की ओर पहाड़ी रास्ते पर चल पड़ा। जब वह ड्यूक के सम्मुख पहुँचा, वह इतना हतप्रभ एवं हीन बुद्धि रहा कि कुछ न बोल सका। वह जमीन की ओर घूरता हुआ खड़ा रहा और बैग में रखे केक को भूल गया।
ड्यूक ने अपनी पत्नी से कहा, ''बेचारा जोसेक, वह भूल गया है कि यहाँ क्यों आया है। उसकी दादी एक अच्छी महिला है। हम उन्हें सोने का एक पर्स (थैली) देंगे।''
अत: ड्यूक ने जोसेक को सोने की एक थैली दी और भेज दिया। प्रसन्नतापूर्वक जोसेक किले की जमीन पर दौड़ता हुआ अपने घर के रास्ते पर चल दिया। वह अभी अपने पथ पर बहुत दूर नहीं गया था कि उसे एक किसान एक सुन्दर गाय ले जाता हुआ मिला।
किसान ने जोसेक से पूछा, ''कहाँ से आ रहे हो? तुम्हारे हाथ में क्या है?''
थैली को हाथ में लिए हुए जोसेक बोला, ''ड्यूक के लिए जन्मदिन का उपहार लेकर मैं ड्यूक के किले पर गया था। उसने मुझे सोने की यह थैली दी है।''
किसान बोला, ''उस सोने के पर्स के बदले मैं तुम्हारे अपनी सुन्दर गाय बेच सकता हूँ।
जोसेक ने कहा, ''आपका बहुत धन्यवाद। निश्चित ही मेरी दादी इस सुन्दर गाय को पसन्द करेंगी।''
अत: किसान ने सोने की थैली ले ली, और जोसेक गाय के साथ घर की ओर बढ़ा। जब वह कुछ और आगे गया, उसे एक व्यक्ति एक मोटा कलहंस (बत्तख) लिये मिला। वह व्यक्ति बोला, ''कहिये, कहाँ से तशरीफ ला रहे हैं? यह सुन्दर गाय कहाँ से हथियाई?''
जोसेक के सुनाया, ''मैं ड्यूक के महल गया था, उनके लिए जन्मदिन की भेंट लेकर। ड्यूक ने मुझे सोने का एक पर्स दिया और मैंने इस गाय के बदले सोने का पर्स दे दिया।''
वह व्यक्ति बोला, ''मैं अपना मोटा कलहंस तुम्हारी गाय के बदले दे दूँगा।''
जोसेक ने कहा, ''आपका बहुत धन्यवाद। दादी माँ अवश्य ही मोटा कलहंस पसन्द करेंगी।''
इस प्रकार उस व्यक्ति ने गाय ले ली और जोसेक ने कलहंस ले लिया।
फिर मार्ग में और आगे जोसेक को बकरी का सफेद बच्चा लिए एक बूढ़ी महिला मिली। बूढ़ी महिला ने पूछ लिया, ''तुम कहाँ से आ रहे हो? तुमने यह मोटा कलहंस कैसे प्राप्त किया?''
'मैं ड्यूक (Duke) के लिए जन्मदिन का एक उपहार लेकर उनके किले पर गया था। उन्होंने मुझे एक सोने की थैली दी। मैंने गाय के बदले अपनी सोने की थैली दे दी और फिर इस मोटे कलहंस (goose) के बदले गाय दे दी।

बूढ़ी महिला ने महा, ''तुम्हें मैं मोटे कलहंस के बदले बकरी का अपना सफेद बच्चा दे दूँगी?''
जोसेक बोला, ''आपका अतिशय धन्यवाद। मुझे विश्वास है कि मेरी दादी माँ बकरी का सफेद बच्चा प्राप्त करना पसन्द करेंगी।''
अत: बूढ़ी महिला ने कलहंस ने लिया और जोसेक ने बकरी का सफेद मेमना ले लिया।
अगले मोड़ पर ही जोसेक को एक काला खरगोश ले जाते हुए एक लड़का मिला।
लड़के ने प्रश्न किया, ''आप कहाँ से आये हैं? आपको बकरी का यह सफेद बच्चा किस प्रकार मिला?''
''मैं ड्यूक के लिए जन्मदिन का एक उपहार लेकर ड्यूक के किले पर गया था। उन्होंने मुझे सोने का एक पर्स दिया। मैंने गाय के बदले अपना सोने का पर्स दे दिया। मोटे कलहंस (goose) के बदले मैंने गाय दे दी, और तब इस बकरी के सफेद बच्चे के बदले मोटे कलहंस को दे दिया।''
वह लड़का बोला, ''आपका बहुत धन्यवाद। निश्चय ही मेरी दादी जी काला खरगोश पाकर अत्यन्त प्रसन्न होंगी।''
अत: लड़के ने बकरी का सफेद बच्चा ले लिया और जोसेक ने काला खरगोश।
जोसेक तेजी से अपने मार्ग पर चला, और शीघ्र ही उसे गीत गाती चिड़िया लिए एक बालिका मिली।
बालिका ने पूछा, ''तुम कहाँ से आये? तुम्हें वह काला खरगोश कहाँ मिला?''
''ड्यूक के लिए जन्मदिन की भेंट लेकर मैं ड्यूक के महल पर गया था। उन्होंने मुझे एक सोने की थैली दी। मैंने गाय के लिए अपनी सोने की थैली दे दी। तदुपरान्त कलहंस के बदले गाय दे दी। बकरी के सफेद बच्चे के लिए कलहंस तथा काले खरगोश को पाने के लिए बकरी का सफेद बच्चा दे दिया।''
बालिका ने कहा, ''मैं अपनी गाने वाली सोन चिड़िया काले खरगोश के बदले दे दूँगी।''
जोसेक बोला, ''आपका बहुत धन्यवाद। मुझे विश्वास है मेरी दादी माँ गाने वाली सोन चिड़िया पसन्द करेंगी।''
जोसेक अपने दोनों हाथों के बीच बहुत सावधानी से गाने वाली सोन चिड़िया को लिए घर की ओर तेजी से लपका।
शीघ्र ही वह अपनी दादी के लकड़ी के बने छोटे-से घर पर पहुँच गया। उसने दरवाजा खोलने के लिए हाथ बढ़ाया, गानेवाली सोन चिड़िया जोसेक की पकड़ से मुक्त होकर, आकाश में ऊँचे उड़ गईं और बहुत दूर चली गई।
जोसेक घर में अन्दर गया और उसकी दादी माँ ने पूछा, ''क्या ड्यूक ने तुम्हें कोई उपहार दिया?''
''हाँ, दादी जी।'' जोसेक बोला, ''उन्होंने मुझे सोने की एक थैली दी।''
''सोने की थैली कहाँ है?'' दादी ने पूछा।
''मैंने एक सुन्दर-सी गाय के बदले वह एक व्यक्ति को दे दी।''
''वह सुन्दर-सी गाय कहाँ है?''
''मैंने एक व्यक्ति को वह एक मोटे कलहंस के बदले दे दी।''
''वह मोटा कलहंस कहाँ है?''
''बकरी के एक सफेद मेमने को पाने के लिए मैंने वह एक बूढ़ी महिला को दे दिया।''
''बकरी का वह सफेद मेमना कहाँ गया?''
''एक काले खरगोश के बदले वह मैंने एक लड़के को दे दिया।''
''काला खरगोश कहाँ है?''

''गाने वाली सोन चिड़िया पाने के लिए मेंने उसे एक लड़की को दे दिया।''
''गाने वाली सोन चिड़िया कहाँ गई?''
जोसेक खेदपूर्वक बोला, ''अपने दोनों हाथों के बीच मैंने उसे पकड़ रखा था और जब दरवाजा खोलने के लिए मैंने हाथ बढ़ाया, चिड़िया उड़ गई।
दु:ख से अपने हाथों को ऊपर उठाते हुए, दादी ने कहा, ''मेरे प्रिय। मेरे प्रिय!''
''तब अपनी बगल में (लटके हुए) थैले में जोसेक ने हाथ डाला। उसने कहा, ''ड्यूक को मैं उनके जन्मदिन की केक देना भूल गया।''
दादी बोली, ''मेरे प्यारे। मेरे प्रिय। और यह केक कितनी अच्छी है। कोई बात नहीं, हम अपनी चाय (नाश्ते) में इसे ही लेंगे। कम-से-कम हमारे पास केक तो है।''

Meanings : lad = बालक, put up with = सह लेना, बर्दाश्त करना, cross = विपरीत, उल्टा, strapped = तस्मे से बाँधना, shy = लज्जालु, Kid = मेमना, canary = चिड़िया, पीले रंग की चिड़िया, dear me = मेरे प्रिय, कांत, distress = दु:ख, चिन्ता, never mind = चिन्ता मत करो।

Reading Comprehension

I. Choose the most appropriate answer *(MCQs)* :

Ans. 1. (b), **2.** (b), **3.** (c).

II. Fill in the blanks by choosing the right person from the list given below their kinds :

1. boy, **2.** grandmother, **3.** man, **4.** girl, **5.** Duke, **6.** farmer, **7.** old woman.

III. Write True or False against each statement as the case may be :

1. False, **2.** True, **3.** True, **4.** False, **5.** False.

IV. Answer the following questions briefly :

Q. 1. Who was Josek and where did he live? (जोसेक कौन था और वह कहाँ रहता था?)

Ans. Josek was a stupid lad who lived with his grandmother in a little house in the north of Poland. (जोसेक एक मूर्ख बालक था और वह पोलैण्ड देश के उत्तर में एक छोटे-से मकान में अपनी दादी के साथ रहता था।)

Q. 2. What was the custom of the village and what did the people get who observed this custom? (गाँव में क्या प्रथा थी और जो लोग इस प्रथा को निभाते थे उन्हें क्या मिलता था?)

Ans. The custom for every family in the village was to give the Duke a present on his birthday. Those who gave the presents received some gifts in return. (गाँव में प्रत्येक परिवार के लिए ड्यूक को उसके जन्मदिन पर उपहार देने की प्रथा थी। जो उपहार देते थे उन्हें बदले में कुछ भेंट मिलती थी।)

Q. 3. Did the Duke give Josek anything as a gift? What did he say to his wife? (क्या ड्यूक ने जोसेक को कोई उपहार दिया? उसने अपनी पत्नी से क्या कहा?)

Ans. Yes, the Duke gave Josek a purse of gold as a gift. He said to his wife, "Poor Josek! He has forgotten why he came. His grandmother is a good woman." (हाँ, ड्यूक ने जोसेक को उपहार में सोने की एक थैली दी। उसने अपनी पत्नी से कहा कि ''बेचारा जोसेक, वह भूल गया कि क्यों (यहाँ) आया है उसकी दादी एक साध्वी है।'')

Q. 4. How and from whom did Josek get the cow? (जोसेक को गाय किससे और कैसे मिली?)

Ans. Josek got the cow from a farmer for his purse of gold. (जोसेक को उसकी सोने की थैली के लिए एक किसान से गाय मिली।)

Q. 5. Where did Josek meet the old woman and what did she give him in exchange of the fat goose? (जोसेक बूढ़ी महिला से कहाँ मिला और उसने उसे मोटे कलहंस के बदले क्या दिया?)

Ans. Josek met the old woman on his way home. She gave him a white kid in exchange of fat goose. (मार्ग में आगे, जोसेक को एक बूढ़ी महिला मिली। बूढ़ी महिला ने उसे मोटे कलहंस के बदले में एक सफेद मेमना दिया।)

Q. 6. What happened when Josek reached his home and opened the door? (जब जोसेक घर पहुँचा और दरवाजा खोला तो क्या हुआ?)

Ans. When Josek reached his home with a singing canary, it escaped from his hand. (जब जोसेक गाने वाली सोन चिड़िया के साथ घर पहुँचा तो वह उसकी पकड़ से मुक्त हो गई।)

Q. 7. What did the grandmother feel when she came to know the story of the gift given by the Duke? (दादी ने क्या महसूस किया जब उन्हें ड्यूक द्वारा दिए गए उपहार की कहानी के बारे में पता चला?)

Ans. The grandmother felt sad, yet she was satisfied to have her own cake for tea. (दादी ने दु:ख महसूस किया, फिर भी वह चाय के लिए स्वयं का केक पाकर संतुष्ट थी।)

Language Skills Mastery

V. Use the following words and phrases in your own sentences so as to make their meanings clear :

1. The grandmother was much **distressed** to learn how silly Josek returned with empty hands, although the Duke gave him a purse of gold.

2. The grandmother **put up with** all the silly mistakes of Josek.
3. Josek returned home with empty hands. His grandmother loved him so much that she said, "Oh **dear me!** Deary me!"
4. Josek often committed mistakes, yet his grandmother was never **cross** with him.
5. The story "The Birthday Cake" tells us that Josek was a **stupid** lad.
6. The people of the village, who gave the Duke, birthday presents, got some gift **in return**.

VI. Find out the nouns in the following sentences and write :

1. spectators-common, **2.** leaders-common, **3.** cheese-common, milk-common, **4.** crowd-collective, people-collective, crossing-common, **5.** victory-abstract, **6.** bunch-collective, grapes-common, **6.** bunch-collective, grapes-common, **7.** patience-abstract, end-abstract, **8.** Varanasi-proper, Ganges-proper, **9.** jury-collective, prisoner-common, **10.** truth-abstract.

VII. Put the Singular and Plural nouns from the above sentences separately in two columns :

Singular Nouns	Plural Nouns
crowd, crossing, bunch, victory, jury, prisoner, patience, end, Haridwar, Ganges, Delhi, truth, cheese, milk.	people, grapes, spectators, leaders.

Skills Practice

IX. Some incidents of this story the given below. But they are not in order as they happened. Arrange them in order :

1. Josek went to the castle of the Duke to present him a birthday cake.
2. Josek said nothing to the Duke and stood staring at the ground.
3. Taking a purse of gold, Josek ran gaily towards his home.
4. The farmer exchanged the purse of gold with a fine cow.
5. A man exchanged the fine cow with a fat goose.
6. Josek met an old woman who had a white kid.
7. Josek took a white kid from the old woman on his way home.
8. Josek met a boy who had a black rabbit.
9. Josek reached home with a singing canary which flew away as soon as he held out a hand to open the door.
10. Josek and his grandmother themselves ate the birthday cake which was prepared for the Duke.

8. The Prince and His Servants
(राजकुमार और उसके सेवक)

हिन्दी अनुवाद

एक समय की बात है कि एक रानी थी जिनके एक सुन्दर राजकुमारी थी। वह उसका विवाह करना चाहती थी। उसने उसके इच्छुक वरों से कहा, ''आपको एक कार्य करना होगा। यदि आप उसे पूरा कर देंगे, तो आपका विवाह राजकुमारी के साथ अवश्य होगा और यदि आप न कर सके, तो आप मार दिये जाओगे।'' इस प्रकार, अनेक राजकुमार आये परन्तु कोई भी वह कार्य न कर सका। अत: सभी मार दिये गये।

कुछ दिनों के बाद एक नाविक (Mariner) राजकुमार ने राजकुमारी के सौन्दर्य के बारे में सुना, वह एक निर्धन राजकुमार था। उसने अपने पिताजी से कहा, ''मैं उस सुन्दर राजकुमारी से विवाह करना चाहता हूँ।'' पिता चीख पड़े, ''ऐसा सोचने का भी दुस्साहस मत करो, क्योंकि यदि तुम वहाँ गये, तो तुम इसी प्रकार मार दिये जाओगे जैसे अनेक (राजकुमार) उसकी माता के द्वारा मार दिये गये हैं। तुम उनकी कही शर्त पूरी नहीं कर सकते हो।

यह सुनकर राजकुमार को इतनी अधिक निराशा हुई कि वह बीमार पड़ गया और उनके पिता डर गए कि कहीं वह मर न जाये। अन्त में राजा ने सोचा, ''यदि मेरा पुत्र अपने रोग के कारण मरता है तो यदि सुन्दर राजकुमारी की माता के द्वारा ही मार दिया जाये तो उसमें क्या हानि है। वह यदि राजकुमारी की माता का कार्य सम्पन्न करने में सफल हो गया, तो उसका जीवन भी बच जायेगा और वह सुन्दरी राजकुमारी से विवाह भी कर लेगा।'' अत: उसने अपने पुत्र से कहा, ''तुम राजकुमारी के यहाँ जाओ और ईश्वर करे तुम दूसरों की अपेक्षा सुखी हो।'' इसे सुनकर राजकुमार अत्यन्त प्रसन्न हुआ।

तीन दिनों के बाद वह स्वस्थ और बिल्कुल भला-चंगा हो गया। अत: वह उस नगर की ओर चल पड़ा जहाँ राजकुमारी रहती थी। चूंकि वह निर्धन था, इसलिए हाथ ले जाने के लिए उसके पास कोई सेवक नहीं थे। उसने कहा, ''मार्ग में मैं सेवक प्राप्त कर लूँगा।'' अब जैसे वह राजकुमार अपने मार्ग पर बढ़ रहा था, उसने दूरी पर एक छोटी पहाड़ी देखी। वह बोला, ''उस स्थान पर पहाड़ी होने की बात तो मुझे याद नहीं पड़ती। अवश्य ही यह कोई नई पहाड़ी है। परन्तु जहाँ पहले कोई पहाड़ी न हो उस स्थान पर एक नई पहाड़ी कैसे आ सकती है?''

तब वह घोड़े पर सवार उस स्थान पर पहुँचा और उसने देखा कि वह कोई पहाड़ी नही थी, परन्तु एक बहुत मोटा आदमी कमर के बल लेटा सोया हुआ था। ज्यों ही राजकुमार निकट आया, मोटा आदमी जाग गया।

राजकुमार बोला—''तुम यहाँ क्या कर रहे हो?'' मनुष्य बोला, ''मैं सोया हुआ था और अब उठ गया हूँ।''

''तुम क्यों सो रहे थे?''

''मैं सोया हुआ था क्योंकि आज प्रात: मैंने थोड़ा-सा भोजन किया था। मैं जाग गया हूँ क्योंकि अब मुझे और (भोजन) चाहिये।''

राजकुमार ने पूछा, ''आज प्रात: तुमने क्या-क्या भोजन लिया?''

मनुष्य बोला, ''तीन गाय और सौ चपातियाँ।''

राजकुमार ने कहा, ''क्या तुम मेरे सेवक बनोगे?'' मोटा आदमी बोला, ''हाँ, बनूँगा, यदि तुम मुझे खाने के लिए भोजन दोगे।'' राजकुमार सहमत हो गया।

इस प्रकार वह **मोटा आदमी** (Fat Man) राजकुमार के साथ सेवक की भाँति साथ चल दिया।

अब जब वे अपने मार्ग पर आगे बढ़े तो वे एक अन्य आदमी के निकट पहुँचे। उसका सिर नीचे की ओर था जिससे उसका कान मिट्टी में (दबा) था। जब उसने ऊपर की ओर देखा, तो राजकुमार ने पाया कि उसका एक कान बहुत बड़ा था।

राजकुमार ने कहा, ''तुम क्या कर रहे हो?''

''सुन रहा हूँ,'' वह आदमी बोला।

''तुम क्या सुन रहे हो?'' राजकुमार ने कहा।

वह आदमी बोला, ''मैं पेड़ों को उगते हुए (बढ़ते हुए) सुनता हूँ और समुद्र के पार दूरस्थ देश की बात सुनता हूँ।

राजकुमार ने पूछा, ''तब मुझे बताओ, तुम सुन्दर राजकुमारी के गृह में क्या सुन रहे हो?''

''मैं राजकुमारी को रोते हुए सुन रहा हूँ क्योंकि एक बेचारा राजकुमार अभी-भी मार दिया गया है।

''क्या तुम मेरे सेवक बनोगे?'' राजकुमार ने पूछा।

वह आदमी बोला, ''जी हाँ, मैं आपका सेवक बनूँगा।''

अत: **बड़ा कान** राजकुमार के साथ सम्मिलित हो गया।

अब जैसे वे अपने मार्ग पर जा रहे थे, उन्होंने बहुत दूर सड़क के किनारे दो लम्बी वस्तुएँ देखीं। उन्होंने सोचा कि वे दो वृक्ष हैं जो नीचे गिर गये हैं। परन्तु जब वे निकट आये, उन्होंने पाया कि वे वस्तुएँ वृक्ष नहीं वरन् एक आदमी की भुजायें हैं। वे बहुत लंबी लंबी भुजायें थीं जैसे उन्होंने कहीं नहीं देखी थीं। कुछ दूर चलकर, वे उस मनुष्य के सिर के निकट पहुँचे।

राजकुमार ने कहा,

''तुम तो एक बहुत लम्बे आदमी हो।'' उस आदमी ने उत्तर दिया, ''मैं इतना लम्बा नहीं हूँ जितना कि हो सकता हूँ। मैं अपनी भुजाओं को इससे बहुत अधिक लम्बा कर सकता हूँ।''

राजकुमार ने कहा, ''मेरे साथ आओ और मेरे सेवक बनो।''

इस प्रकार **लम्बी बाहों वाला** राजकुमार के साथ चल दिया।

जैसे ही वे अपने रास्ते पर आगे चले उन्होंने एक आदमी देखा जो अपनी एक आँख को कपड़े के एक टुकड़े से ढके था।

राजकुमार ने पूछा, ''तुमने अपनी आँख उस कपड़े से क्यों ढक रखी है? क्या तुम्हारी आँख में कुछ मिट्टी गिर गई है?''

मनुष्य ने कहा, ''नहीं, मैं बहुत दूर तक देखता हूँ और प्रत्येक वस्तु के बीच देख लेता हूँ। अत: यदि मैं उन वस्तुओं को देखना चाहूँ जो निकट हैं, तो मुझे एक आँख पर कपड़ा रखना पड़ता है।''

''आओ, मेरे साथ और बनो मेरे सेवक'', राजकुमार ने कहा।

अत: **तेज आँखों वाला** राजकुमार के साथ चल दिया।

जैसे ही वे अपनी यात्रा पर जा रहे थे, धूप बहुत गर्म हो गई। अत: राजकुमार गर्मी सहन न कर सका और उसने अपना कोट खोल दिया। तब उसने दो कोट पहने हुए एक आदमी को देखा और उसका चेहरा भी कपड़े से ढ़का हुआ था। वह बोल रहा था, ''कितनी ठंड है। कितनी सर्दी है।''

राजकुमार ने उससे पूछा, ''तुम क्यों कह रहे हो कि ठंड है जबकि सूर्य (धूप) इतना गरम है कि मेंने अपना कोट खोल लिया है? तुम अपने कोट के आगे के हिस्से को क्यों नहीं खोल लेते हो?''

उस व्यक्ति ने उत्तर दिया, ''यदि मैं अपने कोट के अगले भाग को खोल दूँ, तो बर्फ गिरेगी और तुम तथा तुम्हारे मित्र ठंड से मर जायेंगे।''
राजकुमार ने कहा, ''आओ मेरे साथ और मेरे सेवक बनो।''
इस प्रकार **ठंडा आदमी** राजकुमार के साथ मिल गया।
अपने सेवकों के साथ राजकुमार उस नगर में पहुँचा जहाँ राजकुमारी रहती थी। वह रानी के पास गया और बोला, ''मैं राजकुमारी से विवाह करना चाहता हूँ। मुझे क्या करना होगा?''
रानी ने उत्तर दिया, ''मैं तुम्हें करने के लिए तीन काम दूँगी, और यदि तुम वे कर सके, तुम्हारा विवाह राजकुमारी से अवश्य होगा।''
राजकुमार ने पूछा, ''मुझे आज क्या करना है?''
''मेरे पास एक सुन्दर अँगूठी थी, और वह नदी में गिर गई है। सूर्य के छिपने से पूर्व तुम वह अँगूठी मुझे लाकर दो।''
तब वह राजकुमार अपने सेवकों के पास आया और जो कुछ रानी ने उससे करने के लिए कहा था उन्हें सब बताया।
तेज आँखों वाला बोला, ''मैं आपकी सहायता कर सकता हूँ।'' तब उसने अपनी आँख से कपड़ा हटाया और उसने नदी की ओर देखा। वह बोला, ''अँगूठी वहाँ है, वह एक छोटे पत्थर पर है जो यहाँ से दूर नहीं है।
अजान बाहु (Long Arms) ने कहा, ''यदि मैं उसे देख लूँ, तो मैं उसे प्राप्त कर लूँगा।''
तब **मोटे आदमी** ने अपना मुख खोला और सारी नदी का पानी पी गया। कुछ भी जल न बचा। तब अजान बाहु (लम्बी भुजा) ने अपनी भुजाओं को और अधिक लम्बा किया और अँगूठी को उठा लिया। उसने अँगूठी को राजकुमार को दे दिया।
जब राजकुमार ने रानी को वह अँगूठी सौंपी, उसे बड़ा क्रोध आया। तब उसने अपने आप से कहा, ''अब मैं इस राजकुमार को कुछ अत्यन्त कठिन कार्य दूँ जिसे कोई व्यक्ति न कर सके।'' इस प्रकार वह विचार करती रही। उस रात वह बिल्कुल नहीं सोई।
अगली प्रात: उसने राजकुमार को बुलाया और बोली, ''अपनी लम्बी यात्रा के बाद तुम्हें भोजन तो चाहिये ही! मेरे पास एक घर के निकट ही मैदान में तीन सौ गाय हैं। दोपहर होने से पहले उन्हें खा जाओ। मेरे आने पर यदि मैंने एक टुकड़ा भी देख लिया, तो मैं तुम्हें जान से मार दूँगी।
राजकुमार ने कहा, ''क्या मैं अपने एक मित्र को अपने साथ खाने में शामिल कर लूँ क्योंकि कोई भी अकेले खाना पसन्द नहीं करता है।''
''तुम एक मित्र को ले जा सकते हो'', रानी ने कहा।
अत: राजकुमार ने **मोटे आदमी** से कहा कि वह उसके साथ मैदान तक चलें। मोटा आदमी अति शीघ्र ही सारी गायें और रानी की सारी मुर्गियाँ, बत्तखें और उसके घर की प्रत्येक रोटी चट कर गया।
दोपहर को रानी ने भोजन माँगा, परन्तु रसोइये ने कहा, ''घर का सारा भोजन एक मोटा आदमी खा गया है, कुछ भोजन बचा नहीं है, एक टुकड़ा भी नहीं।'' रानी मामले को समझ गई। तब उसने राजकुमार को बुलाया और कहा, ''आज रात को मेरे साथ भोजन पर आयें। उसके बाद दो घंटे राजकुमारी के साथ बैठें।'' राजकुमारी ने स्वीकृति दे दी।
तब रानी ने कहा, ''जब तुम राजकुमारी से बातें करोगे मगर सोओगे नहीं। यदि तुम सो गये, मैं राजकुमारी को तुमसे दूर ले जाऊँगी और तुम मार दिये जाओगे।'' राजकुमार राजी हो गया।

इस प्रकार, सुन्दर वस्त्र धारण करके राजकुमार रानी के राजमहल में पहुँच गया। उसे बहुत स्वादिष्ट (nice) भोजन एवं पेय परोसे गए। रानी ने राजकुमार के गिलास में कोई पाउडर मिला दिया जिसे वह नहीं देख सका और पी गया। तब रानी बोली, ''आओ, राजकुमारी से मिलो।'' इस प्रकार, राजकुमार राजकुमारी के सुन्दर कक्ष में पहुँच गया और कुछ देर तक दोनों अति प्रसन्न रहे। परन्तु शीघ्र ही राजकुमार को जागे रहना असंभव हो गया और वह सो गया। जब उसने अपनी आँखें खोलीं, राजकुमारी वहाँ नहीं थी। तब वह खिड़की के पास गया और उसने सेवकों को बताया कि राजकुमारी चली गई है और उसे एक घण्टे के अन्दर ढूँढ़ लिया जाना चाहिये। सेवकों ने उसकी सहायता की। लम्बी **भुजाओं वाला** राजकुमार को खिड़की से नीचे ले गया। **बड़े कान** ने सुना कि राजकुमारी कह रही है, ''मेरे राजकुमार, वृक्ष में एक छेद (hole) में छिपी हुई मैं यहाँ द्वीप पर हूँ।'' **तेज आँखों** ने उसे देखा। **ठण्डा व्यक्ति** समुद्र में कूद पड़ा जिससे पानी जम गया जिससे वे सभी उस पर दौड़ सकें। इस प्रकार वे राजकुमारी को वापस ले आए। लम्बी भुजाओं ने राजकुमार एवं राजकुमारी को कमरे में वापस रख दिया।

कुछ समय बाद रानी आई और उन दोनों को वहाँ देखकर बहुत घबराई। उसने सोचा कि उसकी सभी योजनाएँ विफल हो गईं। अत: वह जान गई कि वह कुछ अधिक नहीं कर सकती। वह दूसरे देश चली गई। राजकुमार ने राजकुमारी से विवाह कर लिया और वे आनन्दपूर्वक रहे और अच्छे सेवक भी उनके साथ ही रहे। राजकुमार उनका बहुत ऋणी था।

Meanings : suitor = विवाह की इच्छा करने वाला (निवेदक), disappointed = निराश, recovered = ठीक हो गया, स्वस्थ हो गया, set out = प्रारम्भ किया, accompanied = साथ आ लिए, the sun goes down = सूर्यास्त होता है, handed over = दिया, sent for = बुलाया, called for = माँगा, perplexed = व्याकुल, भ्रमित, indebted to = अनुगृहीत, कृतिज्ञ।

Reading Comprehension

I. Choose the most appropriate answer *(MCQs)* :

Ans. 1. (b), **2.** (a), **3.** (b), **4.** (c).

II. Write 'True' or 'False' against each statement :

Ans. 1. False, **2.** True, **3.** False, **4.** False.

III. Answer the following questions :

Q. 1. Why did the king not allow the prince Mariner to marry the beautiful princess? (राजा ने नाविक राजकुमार को सुन्दर राजकुमारी से विवाह करने से मना क्यों किया?)

Ans. The kind did not allow prince Mariner to marry the beautiful princess saying that he would be killed like others. He could not fulfil the condition of the princess' mother. (राजा ने राजकुमार नाविक को यह कहकर सुन्दर राजकुमारी से विवाह करने से मना कर दिया कि वह भी अन्य की भाँति मारा जाएगा। वह राजकुमारी की माँ शर्तें पूरी नहीं कर सकता।)

Q. 2. How many servants did the prince get on his way? What were their names? (राजकुमार को मार्ग में कितने सेवक मिले? उनके नाम क्या थे?)

Ans. The prince got five servants on his way. They were, Fat Man, Big Ear, Long Arms, Quick Eyes and Cold Man. (राजकुमार को मार्ग में पाँच सेवक मिले। उनके नाम मोटा आदमी, बड़ा कान, अजान बाहु, तेज आँखों वाला और ठण्डा आदमी थे।)

Q. 3. What did the prince say to the queen when he reached there? (जब राजकुमार वहाँ पहुँचा तो उसने रानी से क्या कहा?)

Ans. When the prince reached there, he said to the queen, "I want to marry the princess. What must I do?" (जब राजकुमार वहाँ पहुँचा, उसने रानी से कहा, "मैं राजकुमारी से विवाह करना चाहता हूँ। मुझे क्या करना होगा?")

Q. 4. What task did the queen give him to do? (रानी ने उसे क्या कार्य करने के लिए दिए?)

Ans. The queen gave him three tasks to do. The first was to search a beautiful ring from the river-bed. The second was to eat three hundred cows and the third was not to fall asleep for two hours when talking to the princess. (रानी ने उसे तीन कार्य करने के लिए दिये। सबसे पहला कार्य नदी में से एक सुन्दर अँगूठी ढूँढ़ना था। दूसरा कार्य तीन सौ गायों को खाना था और तीसरा राजकुमारी से बात करते हुए दो घण्टों तक जागे रहना था।)

Q. 5. How did Fat man help the servants of the prince in getting the ring of the queen? (रानी की अँगूठी वापस पाने में मोटे आदमी ने राजकुमार के सेवकों की किस प्रकार सहायता की?)

Ans. The Fat Man drank up all the river so the ring could be picked up easily. (मोटे आदमी ने नदी का सारा पानी पी लिया और तब अँगूठी उठाई जा सकी।)

Language Skills Mastery

IV. Given below are two short paragraphs. Rewrite them by replacing nouns by pronouns wherever necessary :

1. The prince was very much disappointed. **He** fell ill and **his** father was afraid lest **he** should die.
2. Once there was a queen. **She** had a beautiful daughter. **She** had a beautiful daughter. **She** wanted to marry **her**. So **she** invited all suitors of the princess to select a match for her.

V. Find out the pronouns in the following sentences and write them separately according to their person and number :

S.No.	First	Person	Second	Person	Third	Person
	Singular	Plural	Singular	Plural	Singular	Plural
1.	–	us	–	–	she	–
2.	I, my	–	–	–	–	–
3.	–	us	you	–	–	–
4.	–	–	you	–	–	they

Skills Practice

VII. You have read the story and have come to know the interesting names of the servants of the prince. Describe briefly why these names were given to them?

1. Fat Man was called so because was very fat and he could eat three hundred cows, besides other things in one meal.
2. Big Ear had one ear which was very big and he could hear distant and delicate sounds.
3. Long Arms had very long arms and he could make his arms much longer if needed.
4. Quick Eyes could see very far and through everything. He had to cover one eye to see nearby things.
5. Cold Man was very very cold. If he opened the front of his coat, snow would fall.

9. A Birthday Letter
(जन्मदिन पर एक पत्र)

हिन्दी अनुवाद

केन्द्रीय कारागृह, नैनी

26 अक्टूबर, 1930

अपने जन्मदिन के अवसर पर, उपहार एवं शुभकामनाएँ पाने की तुम्हे आदत है। शुभकामनाएँ तो तुम्हें भरपूर मात्रा में अब भी मिलेंगी, परन्तु नैनी जेल से मैं तुम्हें क्या उपहार भेज सकता हूँ? मेरे उपहार बहुत ही स्थूल अथवा ठोस नहीं हो सकते। वे केवल अवायु और मन व आत्मा के हो सकते हैं; ऐसी वस्तुएँ जो एक परी तुम पर न्यौछावर कर सके—वस्तुएँ जिन्हें जेल की ऊँची दीवारें भी न रोक पायें।

प्रिय, तुम जानती हो कि उपदेश देना और अच्छी सलाह देना मुझे बहुत नापसन्द है। जब मुझे ऐसा करने का मन होता है, तो मुझे सदैव एक कहानी याद आ जाती है—'एक अति बुद्धिमान मनुष्य' जो मैंने एक बार पढ़ी थी। संभवत: तुम किसी दिन उस पुस्तक को स्वयं पढ़ लोगी जिसमें यह कहानी है।

तेरह सौ वर्ष पूर्व, चीन से एक महान् यात्री बुद्धि और ज्ञान की खोज में भारत आ गया था। उसका नाम ह्वेनसांग (Hiuen Tsang) था और वह उत्तर दिशा के मरुस्थलों और पर्वतों को पार करके, अनेक खतरों को झेलता हुआ, अनेक बाधाओं को सहता और पार करता हुआ (क्योंकि) उसकी ज्ञान की पिपासा इतनी अधिक थी; और उसने स्वयं ज्ञान प्राप्त करने में तथा दूसरों को ज्ञान देने में भारत में अनेक वर्ष बिताये, विशेष रूप से नालन्दा के महान् विश्वविद्यालय में जो उन दिनों पाटलिपुत्र नाम से जाने गये नगर के निकट स्थित था और जिस नगर को अब पटना कहते हैं। ह्वेनसांग स्वयं बहुत विद्वान हो गया और उसे बुद्ध के कानून—'विधिवेत्ता' (Master of the Law) की पदवी दी गई; उसने सारे भारत की यात्रा की और उस प्राचीन काल में जो लोग इस महान् देश में रहते थे, उन्हें देखा और उनका अध्ययन किया। बाद में, उसने अपनी यात्राओं की एक पुस्तक लिखी और यह वही पुस्तक है जिसमें वह कहानी है जो मेरे मन में आ रही है।

यह (कहानी) दक्षिणी भारत के एक व्यक्ति के विषय में है जो कर्णसुवर्ण नाम के नगर में आया, जो बिहार में आज के भागलपुर के निकट था और ऐसा लिखा है कि वह व्यक्ति अपनी कमर के चारों ओर ताँबे की प्लेटें पहने था और अपने सिर पर जलती हुई मशाल लेकर चलता था। हाथ में डंडा लिए वह अपनी अद्‌भुत वेशभूषा में गर्वीले ढंग एवं ऊँचे कदमों से घूमता था। और जब कभी किसी ने पूछा कि उसकी अजीबोगरीब पोशाक का कारण क्या है, वह कहता कि उसकी बुद्धि (अक्ल) इतनी अधिक है कि उसे डर है कि यदि उसने अपने पेट के चारों ओर ताँबे की थालियाँ नहीं पहनीं तो उसका पेट फट जायेगा; और क्योंकि जो अंधकार में रहते हैं अपने चारों ओर अज्ञानी व्यक्तियों पर तरस खाकर वह द्रवित है, इसलिए वह अपने सिर पर प्रकाश लेकर चलता है।

अच्छा, मुझे पूर्ण विश्वास है कि मुझे बुद्धि की अधिकता से फटने का कोई खतरा नहीं है और इस कारण ताँबे की थालियाँ पहनने की मुझे कोई आवश्यकता भी नहीं है। और किसी भी अवस्था में, मुझे आशा है कि मेरी बुद्धि, जितनी मेरे पास है, मेरे पेट में नहीं रहती है। वह (बुद्धि) जहाँ कहीं भी रहती हो, उसके लिए पर्याप्त स्थान अभी है और ऐसी कोई संभावना नहीं है कि अधिक बुद्धि के लिए कुछ भी स्थान शेष न रहे। यदि मैं बुद्धि में इतना सीमित हूँ, तो मैं बुद्धिमान मनुष्य होने का दावा कैसे कर सकता हूँ और कैसे दूसरों को नेक सलाह बाँट सकता हूँ? और इस प्रकार मैंने सदैव यही विचार किया है कि क्या उपयुक्त (सही) है और क्या उपयुक्त नहीं है, क्या किया जाना चाहिए और क्या नहीं किया जाना चाहिए, इसे जानने का सर्वोत्तम ढंग उपदेश देना नहीं है वरन् वार्तालाप करना और तर्क-वितर्क करना है, और कभी-कभी वाद-विवाद से थोड़ा-सा सत्य उभर कर आता है। मैंने तुम्हारे साथ अपनी बातचीत को पसन्द किया है और हम दोनों ने अनेक बातों पर बहस की है, परन्तु विश्व बहुत विस्तृत है और अपने इस विश्व से परे अन्य अद्‌भुत और रहस्यपूर्ण विश्व है; अत: हममें से किसी को भी कभी थकने पर वैसी कल्पना करने की आवश्यकता नहीं है जैसी अत्यन्त मूर्ख और दम्भी व्यक्ति ने की जिसकी कहानी ह्वेनसांग ने हमें बताई है, कि हमने जानने योग्य हर ज्ञान को जान लिया है और अति बुद्धिमान हो गये हैं। और शायद यह अच्छा ही है कि हम बहुत बुद्धिमान न हों क्योंकि अत्यन्त बुद्धिमान, यदि कहीं हैं, तो अवश्य ही कभी उदास होंगे कि जानने के लिए कुछ नहीं बचा। वे अन्वेषण और नई वस्तुओं के ज्ञान के आनन्द से वंचित रहेंगे—जो ऐसा महान् सुख है जिसे हम सभी, जो सजग हैं, पाना चाहेंगे।

अत: मुझे उपदेश नहीं करना चाहिए। परन्तु, तब में क्या करूँ? एक पत्र बातचीत का स्थान नहीं ले सकता; कितना भी अच्छा हो, यह एक ओर का ही व्यापार है। अत: यदि मैं कुछ ऐसा कहूँ जो

अच्छी सलाह-सी लगे, तो सटकने के लिए बुरी गोली (दवा) की भाँति मत लेना। कल्पना कीजिए कि मेंने तुम्हें विचार करने के लिए एक सुझाव दिया है, मानो हम वास्तव में बातें ही कर रहे हैं।

इतिहास में हम राष्ट्रों के जीवन में महान् कालों के विषय में पढ़ते हैं, महान् पुरुषों एवं महिलाओं के विषय में पढ़ते हैं और महान् कार्यों के विषय में जो किये गये, और यदा-कदा अपनी कल्पनाओं और चिन्तन में, हम अपने विषय में कल्पना करते हैं कि हम उन्हीं कालों में वापस चले गये हैं और प्राचीन काल के वीरों और वीराङ्गनाओं की भाँति वीरता के कार्य कर रहे हैं। क्या तुम्हें याद है कि जोन ऑफ़ आर्क की कथा जब तुमने पहली बार पढ़ी तो तुम्हें कितना सम्मोहन (जादू) हुआ, और किस प्रकार तुम्हारी अभिलाषा हुई कि उसी के समान कुछ बनो? साधारण नर और नारी सामान्यत: वीर नहीं होते। वे प्रतिदिन की जीविका, अपने बच्चों, अपने गृहस्थ की चिन्ताओं और ऐसी ही बातों के विषय में सोचते हैं। परन्तु एक समय ऐसा आता है जब एक सम्पूर्ण राष्ट्र किसी महान् कृत्य के प्रति श्रद्धा से परिपूर्ण हो जाता है, और तब सरल, साधारण नर और नारियाँ वीर बन जाते हैं, इतिहास रचते एवं युग निर्माता हो जाते हैं। महान् नेताओं के अन्दर कुछ ऐसा होता है जो सारे राष्ट्र को प्रेरित करता है और उनसे महान् कार्य करवाता है।

1917 का वर्ष जब तुम्हारा जन्म हुआ, इतिहास के स्मरणीय वर्षों में से एक ऐसा वर्ष था जब एक महान् नेता ने जिसका हृदय निर्धनों एवं कष्ट के प्रति स्नेह एवं सहानुभूति से लबालब था, अपनी जनता से इतिहास का एक श्रेष्ठ एवं कभी न भूल पाने वाला अध्याय लिखवाया। उसी माह में जिसमें तुम्हारा जन्म हुआ, लेनिन ने महान् क्रांति आरम्भ की जिसने रूस और साइबेरिया के चेहरे को बदल दिया। जब आज भारत में, अन्य महान् नेता ने, जो उन सभी के लिए प्यार से लबालब है जो कष्ट सहते हैं, और जो उनकी सहायता करने के लिए उत्कट इच्छुक हैं, अपनी जनता को महान् प्रयास और श्रेष्ठ बलिदान के लिए प्रेरित किया है जिससे वे पुन: स्वतन्त्र हो सकें और भूखों मरते हुए और गरीब व पीड़ित (व्यक्ति) अपने बोझ को हटा सकें। बापूजी जेल में हैं, परन्तु उनके संदेश के जादू ने भारत के करोड़ों लोगों के दिलों को हर लिया है, तथा पुरुष और महिलाएँ व छोटे बच्चे भी घरों से बाहर आ रहे हैं, और तुम और मैं भाग्यशाली हैं कि अपनी आँखों के आगे यह घटित होता देख रहे हैं और इस महान् नाटक में स्वयं कुछ भूमिका निभा सकते हैं।

इस महान् आन्दोलन में हम स्वयं कैसा व्यवहार करें? इसमें हम क्या भूमिका निभायें? मैं नहीं कह सकता कि हमारे भाग्य में क्या भूमिका आएगी; वह चाहे कुछ भी हो। हम यह याद रखें कि ऐसा कुछ नहीं कर सकते जिससे हमारा हित अपयश भोगे अथवा हमारे लोग अपमानित हों। यदि हमें भारत माँ के सैनिक बनना है, हमें भारत के सम्मान को अपनी चिन्ता में रखना है और वह सम्मान एक पवित्र धरोहर है। प्राय: हमें यह सन्देह हो सकता है कि हम क्या करें। क्या यही (उपयुक्त) है और क्या नहीं है यह निश्चय करना सरल कार्य नहीं है। जब कभी तुम यह निश्चय न कर सको (सन्देह में हो) तब के लिए मैं एक छोटा-सा परीक्षण प्रयोग में लाने के लिए बताऊँगा, यह तुम्हारी सहायता कर सकेगा। छुपाकर कभी कुछ न करो अथवा ऐसा कोई कार्य न करो जिसे तुम्हें छुपाने की इच्छा हो क्योंकि किसी कार्य को छुपाने की इच्छा का अर्थ है कि तुम भयभीत हो और भय एक बुरी चीज है और तुम्हारे योग्य नहीं है। बहादुर बने और शेष सब पीछे-पीछे आता है। यदि तुम बहादुर हो, तुम्हें भय नहीं होगा और तुम ऐसा कोई कार्य नहीं करोगी जिससे तुम्हें लज्जित होना पड़े। तुम जानती हो कि हमारे महान् स्वतन्त्रता आन्दोलन में, बापू जी के नेतृत्व में गुप्त रखने अथवा छिपाने की कोई गुंजाइश नहीं है। हमें कुछ नहीं छिपाना है। जो हम करते हैं उसे करने में और जो हम कहते हैं उसे कहने में हमें भय नहीं है। हम धूप और प्रकाश में कार्य करते हैं। इतना

ही नहीं, अपने निजी जीवन में हम धूप के साथ मित्र बनायें और प्रकाश में कार्य करें; और गुप्त रूप से अथवा चोरी से कुछ न करें। नि:सन्देह, एकान्त हम रख सकते हैं और रखना भी चाहिये, परन्तु वह गोपनीयता से बिल्कुल भिन्न है और तुम, मेरी प्रिय, यदि ऐसा करोगी, तुम रोशनी के बच्चे की भाँति बड़ी होगी, निडर और शान्त और अविचलित चाहे कुछ भी होता रहे।

मैंने तुम्हें एक बहुत लम्बा पत्र लिख दिया है और फिर भी तुम्हें बताने के लिए बहुत कुछ है। एक पत्र में वह सब कैसा समा सकता है?

मैंने लिखा है कि तुम भाग्यशाली हो अपने देश में चल रहे स्वतन्त्रता के इस महान् संघर्ष की तुम साक्षी हो। तुम उस बात में बहुत भाग्यशाली हो कि एक अत्यन्त बहादुर और अद्‌भुत छोटी-सी महिला तुम्हारी माँ है और यदि तुम कभी किसी सन्देह (दुविधा) अथवा कठिनाई में हो, तुम्हें उनसे अधिक अच्छा मित्र नहीं मिल सकता।

छोटी बच्ची अभी के लिए विदा और ईश्वर करे कि भारत माँ की सेवा में तुम एक वीर सेनानी बनो!

अपने सम्पूर्ण स्नेह एवं आशीर्वाद (शुभकामनाओं) के साथ, —***जवाहर लाल नेहरू***

Meanings : in full measure = पूर्ण क्षमता से, material = पदार्थ, bestowed on = प्रदान किया, semonizing = उपदेश देना, doling out = थोड़ा करके बाँटना, braving = बहादुरी से सामना करते हुए, existed = रहा था, attire = वस्त्र, वेशभूषा, ignorant = अज्ञानी, pose = किसी विशिष्ट आकृति में बैठना, हाव-भाव, sermons = धर्मोपदेश, conceited = अहंकारी, घमण्डी, reveries = दिवा-स्वप्न, कल्पनाएँ, fascinated = मोहित, bread and butter = जीवन के साधन, stirring = उत्तेजित, epoch-making = युग-निर्माण, passionately = जोशपूर्वक, endeavour = प्रयास, oppressed = दबाया, वश में किया, discredit = अप्रतिष्ठा, sacred = पवित्र, अलौकिक, furtively = चोरी से, serene = शान्त, स्वच्छ, unruffled = शान्त स्वभाव, अविचलित।

Reading Comprehension

I. Choose the most appropriate answer *(MCQs)* :

Ans. 1. (a), **2.** (d), **3.** (a), **4.** (c).

II. Match the words in list 'A' with their meanings in list 'B' :

'A'		'B'
1. Epoch	→	(g) Age in history
2. Attire	→	(e) Clothes
3. Discredit	→	(b) Insult
4. Adventure	→	(f) A great and courageous work
5. Furtively	→	(a) Secretly so as to escape notice
6. Starving	→	(d) Dying of hunger
7. Stirring	→	(c) Exciting

III. Read the following statements and write which of them are 'True' and which are 'False' :

Ans. 1. True, **2.** True, **3.** True, **4.** False, **5.** True.

IV. Answer the following questions :

Q. 1. Where was Pt. Nehru on the birthday of his daughter Indira? (अपनी पुत्री इन्दिरा के जन्मदिन पर पण्डित नेहरू कहाँ थे?)

Ans. On the birthday of his daughter Indira Pt. Nehru was in Naini prison. (अपनी पुत्री इन्दिरा के जन्मदिन पर पण्डित नेहरू नैनी जेल में थे।)

Q. 2. How did Hiuen Tsang come to India, easily or with some difficulty? How did he spend his time in India? (ह्वेनसांग भारत कैसे आया—आसानी से या कठिनाइयों के साथ? उसने भारत में अपना समय कैसे बिताया?)

Ans. He came to India with difficulty, crossing mountains of north India and facing many dangers. He journeyed all over India and saw and studied Buddhist scriptures and also people. (वह कठिनाइयों के साथ उत्तर भारत के पर्वतों को पार करता तथा अनेक बाधाएँ सहता हुआ भारत आया। उसने पूरे भारत की यात्रा की और देखा तथा बौद्ध ग्रंथों और लोगों का अध्ययन किया।)

Q. 3. Which book contains the story which Pt. Nehru refers to Indira? What else does this book contain? (जो कहानी पण्डित नेहरू ने इन्दिरा को उल्लेखित की है वह किस पुस्तक में समाविष्ट है? इस पुस्तक में और क्या समाविष्ट है?)

Ans. The book of travels which Hiuen Tsang wrote contains the story which Pt. Nehru refers to Indira. This book contains many unforgettable experiences of the writer. (जो कहानी पण्डित नेहरू ने इन्दिरा को उल्लेखित की है, वह ह्वेनसांग द्वारा लिखित यात्राओं की पुस्तक में समाविष्ट है। इस पुस्तक में लेखक के अनेक अविस्मरणीय अनुभव समाविष्ट हैं।)

Q. 4. What reason did the man tell the people who asked him why he wore copper plates? (व्यक्ति ने लोगों को क्या कारण बताया जिन्होंने उससे पूछा कि वह ताँबे की थालियाँ क्यों पहनता था?)

Ans. The man told the people that he wore copper plates around his belly lest it should burst because of his great wisdom. (व्यक्ति ने लोगों को बताया कि वह अपने पेट के चारों ओर ताँबे की थालियाँ इसलिए पहने था कि कहीं उसके महान् ज्ञान से वह फट न जाएँ।)

Q. 5. What reason did the man tell the people for carrying light on his head? (व्यक्ति ने अपने सिर पर प्रकाश (मशाल) ले जाने का लोगों को क्या कारण बताया?)

Ans. The man told the people that he carried light on his head because he was moved with pity for the ignorant people who lived in darkness. (व्यक्ति ने लोगों को बताया कि वह अपने सिर पर प्रकाश (मशाल) इसलिए ले जाता था क्योंकि वह अज्ञानी व्यक्तियों पर तरस खाता था।)

Q. 6. According to Pt. Nehru, who misses the joy of discovery and of learning new things? (पण्डित नेहरू के अनुसार, अन्वेषण और नई वस्तुओं के ज्ञान के आनन्द से कौन वंचित रह जाता है?)

Ans. According to Pt. Nehru, those who think themselves to be very wise miss the joy of discovery and of learning new things. (जो अत्यन्त बुद्धिमान हैं वे अन्वेषण और नई वस्तुओं के ज्ञान के आनन्द से वंचित रह जाते हैं।)

Q. 7. Why are usually ordinary men and women not heroic? When do they become heroic? (साधारण नर और नारी सामान्यत: वीर क्यों नहीं होते? वे कब वीर बनते हैं?)

Ans. Usually ordinary men and women are not heroic as they have to think of their daily bread and butter and their children. They become heroic when a whole nation becomes full of faith for a great cause. (सामान्यत: नर और नारी नायक समान नहीं होते क्योंकि उन्हें अपनी जीविका और बच्चों के बारे में सोचना है। जब सम्पूर्ण राष्ट्र किसी महान् कृत्य के प्रति श्रद्धा से परिपूर्ण हो जाता है तब वे नायक बनते हैं।)

Q. 8. How and when was the face of Russia and China changed? (रूस और चीन का चेहरा कब और कैसे बदला?)

Ans. The face of Russia and China was changed when Lenin began the great revolution in 1917. (जब लेनिन ने 1917 में महान् क्रांति आरम्भ की, तो रूस और चीन (साइबेरिया) का चेहरा बदल गया था।)

Q. 9. What was the aim of Gandhiji in starting a movement for getting freedom? (स्वतन्त्रता पाने के लिए एक आन्दोलन शुरू करने में गांधीजी का क्या उद्देश्य था?)

Ans. The aim of Gandhiji in starting movement for getting freedom was to make people free and to remove their burden from them. (स्वतन्त्रता पाने के लिए आन्दोलन शुरू करने में गांधीजी का उद्देश्य, लोगों को स्वतन्त्र करने तथा उनसे उनका बोझ हटाने का था।)

Q. 10. What test does Nehru suggest to Indira and what will it help? (पण्डित नेहरू, इन्दिरा को किस परीक्षण की सलाह देते हैं और वह कैसे सहायता करेगा?)

Ans. Nehru suggested to Indira to never do anything in secret or anything she would wish to hide. It would help her become fearless, calm and serene in difficulties. (पण्डित नेहरू, इन्दिरा को कोई भी कार्य छुपाकर या किसी कार्य को छुपाने की इच्छा कभी नहीं करने की सलाह देते हैं। यह उसे कठिन परिस्थितियों में निडर, शान्त तथा अविचिलत रहने में सहायता करेगा।)

Language Skills Mastery

V. Use the following phrases in your own sentences so as to make their meanings clear :

1. **Of course,** these are very hard days but a bright future for the entire nation lies ahead.
2. The young boys and girls today treat the advice by their elders as **a bad pill to swallow**.
3. The interest of society should always be **in our keeping**.
4. Let us never lose heart **in any event**.
5. To do or not to do is **to be in doubt**. It spoils many good plans.

VI. Pick out the adjectives from the following sentences and write their kinds :

	Word/Adjective	Kinds of Adjective
1.	difficult	quality
2.	many	quantity
	none	number
3.	much	quantity
	your	possessive
4.	rich	quality
	any	quantity
5.	this	demonstrative
	costly	quality
	your	possessive
	cheap	quality

10. A Great Scientist, Louis Pasteur
(एक महान वैज्ञानिक, लुई पाश्चर)

हिन्दी अनुवाद

लगभग तीन सौ वर्ष पूर्व, लुई पाश्चर नाम का एक फ्रांसीसी बालक था। अपने बचपन में, किसी पागल भेड़िए द्वारा किसी मनुष्य को काट लिए जाने की बात सुनकर वह बहुत भयभीत हो गया था। पागल भेड़िया रेबीज नाम की बीमारी से, जो एक भयंकर रोग है, पीड़ित था। मनुष्य जिसे काटा गया था संभवत: रोगी हो जाता था, बहुत कष्ट सहता और मर जाता।

लुई एक अत्यन्त विचारवान बालक था। जब उसने विद्यालय की पढ़ाई समाप्त की तो उसने रसायन विज्ञान की समस्याओं पर कार्य किया, अनेक खोज कीं और प्रसिद्ध हो गया। तब अनेक प्रश्न एवं समस्याएँ उसके मस्तिष्क में आने लगीं और वह उनके उत्तर एवं निदान खोजने में लग गया। ऐसे प्रश्न थे—सुरा (अंगूर की शराब) और बियर (जौ की शराब) कैसे बनती हैं? कभी-कभी सुरा और बियर खट्टे क्यों हो जाते हैं? दूध कैसे खट्टा हो जाता है? बहुत कार्य करने के

बाद, उसने पाया कि दूध, सुरा अथवा बियर में परिवर्तन किन्हीं जीवाणुओं अथवा कीटाणुओं के द्वारा किया जाता है।

लगभग दो हजार वर्ष पूर्व भी एक व्यक्ति ने जीवाणुओं के विषय में एक संकेत दिया था परन्तु कोई भी इसे सिद्ध न कर सका क्योंकि उन दिनों सूक्ष्मदर्शी (यन्त्र) नहीं थे। 1675 ई० में ल्यूवेन हॉक ने भी एक लैंस के द्वारा पानी की एक बूँद में कुछ गतिशील आकृतियाँ देखीं थीं। इसके बाद, लुई पाश्चर ने गंभीरता से कार्य किया और उसने इन जीवाणुओं को उत्पन्न करना तथा उनका विकास करना प्रारम्भ किया। उसने सूक्ष्मदर्शी में देखा और पाया कि ये जीवाणु अथवा कीटाणु बहुत सूक्ष्म और केवल पौधे जैसी वस्तुएँ हैं, इतने नन्हें कि उन्हें केवल कुछ सूक्ष्मदर्शी की सहायता से ही देखा जा सकता है। उसने इन जीवाणुओं के कारणों और प्रभावों का अध्ययन किया और मोटे तौर पर उन्हें दो समूहों में बाँट दिया : लाभकारी जीवाणु और हानिकर जीवाणु। उन्होंने हानिकर जीवाणुओं को मारने के ढंग का भी पता लगाया।

बैक्टीरिया हमारे दूध पर प्रभाव डालते हैं। ताजे दूध में बैक्टीरिया की संख्या अपेक्षाकृत कम होती है। परन्तु ग्वाले के कपड़ों से अथवा गाय की त्वचा से गिरकर और अधिक बैक्टीरिया दूध में प्रवेश कर जाते हैं। एक निश्चित तापमान तक वे वहाँ बहुत तीव्र गति से बढ़ते हैं और उनकी संख्या बढ़ती जाती है। शीघ्र ही बैक्टिरिया का एक जाल सा बन जाता है और दूध खट्टा हो जाता है। यही बात सुरा अथवा शराब की है। हमारा भोजन भी खराब, कड़वा या बदबूदार हो जाता है।

बैक्टीरिया को मारकर हम दूध को अधिक देर तक अच्छा रख सकते हैं। दूध को 50° से 60° सेन्टीग्रेड तापमान तक गरम किया जाता है और तब दूध की बोतल एक वायुरोधक कार्क से ढक दी जाती है, ताकि और बैक्टीरिया उसमें प्रवेश न कर सकें। इस विधि को पाश्चुरीकरण कहा जाता है, जिसका आविष्कार लुई पाश्चर ने किया। पाश्चुरीकरण न केवल उन बैक्टीरिया को नष्ट करता है, जो खट्टा करते हैं परन्तु उन कीटाणुओं को भी मार देता है जो विभिन्न रोग उत्पन्न करते हैं। इस प्रकार बैक्टीरिया एक निश्चित तापमान तक बढ़ते हैं परन्तु एक निश्चित ऊँचे तापमान पर वे नष्ट हो जाते हैं। अत: इस प्रकार के बैक्टीरिया हानिकारक हैं। मगर कुछ बैक्टीरिया ऐसे हैं जो मनुष्य के लिए उपयोगी हैं, वे मक्खन, शराब, सिरका बनाने में या चमड़े को रंगने में और तम्बाकू को सुखाकर ठीक रखने में सहायता करते हैं।

कुछ बैक्टीरिया ऐसे हैं जो विभिन्न रोग उत्पन्न करते हैं। लुई पाश्चर ने पता लगाया कि किसी बैक्टीरिया से अनेक रोग उत्पन्न होते हैं और ये रोगाणु कहलाते हैं। परन्तु कुछ रोग वायरस के द्वारा होते हैं। वायरस बैक्टीरिया से भी छोटे होते हैं और पाश्चर के समय में उन्हें देख सकने योग्य सूक्ष्मदर्शी नहीं थे। पाश्चर ने फ्रांस में बहुप्रचलित ऐन्थ्रेक्स नाम की बीमारी का अध्ययन किया। यह एक पशु रोग है परन्तु मनुष्य को भी लग सकता है। उन दिनों अनेक भेड़ और चौपाये पशु फ्रांस में इस रोग के कारण मर जाते थे। पाश्चर ने खोज की कि यदि पशुओं को रोग के बैक्टीरिया का टीका लगा दिया जाये, तो जब पशुओं को वास्तविक शक्तिशाली बैक्टीरिया का संक्रमण होगा तो वे मरेंगे नहीं। अन्य अनेक वैज्ञानिकों ने भी इस समस्या पर कार्य किया, और वायरस पर अध्ययन ने मनुष्यों की अनेक बीमारियों पर विजय पाने में उनकी बहुत सहायता की।

इस प्रकार, वर्तमान में हमें टायफाइड, डिप्थीरिया, क्षय आदि रोगों से रक्षार्थ टीके लगाये जा सकते हैं और इन घातक रोगों से प्राण रक्षा की जा सकती है।

अपने लड़कपन की एक छोटी-सी घटना को पाश्चर ने नहीं भुलाया कि उस मनुष्य के विषय में सुनकर वह कितना अधिक डरा था, जिसे एक पागल भेड़िये द्वारा काट लिया गया था, जो रेबीज

नाम की भयंकर बीमारी से पीड़ित था। पाश्चर ने पता लगाया कि रेबीज एक प्रकार के वायरस के कारण होता है। यह बीमारी कुत्ते, भेड़ियों, गीदड़ों, खरगोशों तथा अन्य अनेक पशुओं और मनुष्यों में भी बहुत होती थी। पाश्चर ने पशुओं पर अपने प्रयोग किये। सर्वप्रथम उसने कुछ खरगोश लिए जो रेबीज रोग से पीड़ित थे और उनके संक्रमण वाले भागों को अलग कर लिया और तनु (हल्की) दशा में वायरस प्राप्त किया। (rabbit शाक, खरगोश जाति का पशु) तब उसने कुछ संक्रमित और कुछ असंक्रमित (स्वस्थ) पशुओं को इस (वायरस) से टीका लगाया। असंक्रमित (स्वस्थ) पशुओं को रेबीज के कीटाणुओं के इन्जेक्शन लगाये परन्तु दोनों मामलों में पशु स्वस्थ रहे और इस भयंकर रोग के कुछ भी चिह्न नहीं दिखाई पड़े। लुई पाश्चर ने अपने प्रयोगों को केवल पशुओं तक ही सीमित रखा। स्वस्थ मनुष्यों पर इसका परीक्षण करने का वह साहस न जुटा सका।

परन्तु लुई पाश्चर के जीवन में कुछ महत्त्वपूर्ण घटा। 6 जुलाई 1855 को एक महिला उनके पास रोती बिलखती आई। उसकी बाहों में उसका पुत्र था जिसे पागल कुत्ते ने काट लिया था। वह बिलख रही थी, ''महोदय मेरे पुत्र को बचाओ, परमात्मा के वास्ते मेरे पुत्र की रक्षा करो।'' अत: लुई पाश्चर ने साहस किया और उसका इलाज करने का निश्चय किया। वे उसे अपने घर ले गये। उसे कई बार टीके लगाये और ध्यानपूर्वक उसकी निगरानी की। कुछ समय बाद लड़का खतरे से बाहर आ गया और सामान्य महसूस करने लगा। इस प्रकार, रेबीज़ से मानव-मात्र की रक्षा का भी उपाय लुई पाश्चर ने खोज लिया। इस विशेष घटना से लुई पाश्चर को न केवल अपने देशवासियों से वरन् सारे संसार के लोगों से बड़ी ख्याति और सम्मान मिला।

1889 ई० में फ्रांस की सरकार ने, रोगियों की चिकित्सा, अन्वेषण और आगे प्रयोगों के लिए पेरिस में पाश्चर संस्था की स्थापना की। भारत में भी पाश्चर संस्थाएँ वैक्सीन तैयार करने का और घातक रोगों से मानव जाति की रक्षा के लिए नये अन्वेषण (खोजें) करने का कार्य करती हैं।

Meanings : frightened = भयभीत, terribly = भयंकर रूप से, ferment = किण्डवित, beer = जौ की शराब, brought about = किया गया, cultivate = विकसित करना, tanning = कच्चे चमड़े को कमाने की कला, virus = विषाणु, inoculated = किसी रोग का टीका लगाया, infected = दूषित, संक्रमित, symptoms = लक्षण, confined = सीमित, remarkable = असाधारण, fatal = घातक, प्राणनाशक।

Reading Comprehension

I. Choose the most appropriate answer *(MCQs)* :

Ans. 1. (a), **2.** (c), **3.** (b), **4.** (a).

II. Match the words given under 'A' with their meanings given under 'B' :

'A'		'B'
1. Ferment	→	(d) Preparation of some virus
2. Bacteria	→	(a) Minute organisms
3. Vaccines	→	(b) Impregnated germs of disease
4. Injected	→	(c) Forced medicine into body by means of a syringe

III. Answer the following questions :

Q. 1. How did Louis Pasteur train himself as a scientist? (लुई पाश्चर ने स्वयं को एक वैज्ञानिक की तरह कैसे तैयार किया?)

Ans. When Louis Pasteur left school, he worked at problems in Chemistry and began to find out answers and solutions to the questions in his mind. This way, he trained himself as a scientist. (जब लुई पाश्चर ने विद्यालय की पढ़ाई समाप्त की, उन्होंने रसायन विज्ञान की समस्याओं पर कार्य किया और अपने मस्तिष्क में प्रश्नों के उत्तर तथा निदान खोजने शुरू कर दिये। इस प्रकार उन्होंने स्वयं को एक वैज्ञानिक की तरह तैयार किया।)

Q. 2. How did he discover about milk, wine and beer? (उन्होंने दूध, सुरा और बीयर के बारे में क्या खोज की?)

Ans. He discovered that the change in milk, wine or beer is brought about by the presence of certain bacteria. (उन्होंने खोजा कि दूध, सुरा और बीयर में परिवर्तन जीवाणुओं की उपस्थिति के द्वारा होता है।)

Q. 3. What is Pasteurization? How is it useful? (पाश्चुरीकरण क्या है? यह किस प्रकार लाभदायक है?)

Ans. In Pasteurization, the milk is heated to a temperature of 50° to 60° centigrade. Then the milk bottle is made air-tight. This method helps to keep milk safe for a longer time. (दूध को 50° से 60° सेन्टीग्रेड तापमान तक गरम किया जाता है। तब दूध की बोतल वायुरोधक-कार्क से ढक दी जाती है। यह विधि दूध को अधिक समय तक अच्छा रखने में सहायक है।)

Q. 4. What are viruses? (विषाणु क्या होते हैं?)

Ans. Viruses are microorganisms which are still smaller than bacteria. (विषणु बैक्टीरिया से भी छोटे सूक्ष्मजीव होते है।)

Language Skills Mastery

IV. Use the following words and phrases in sentences of your own :

1. Homeopathy treats patients on the basis of **symptom.**
2. The bacteria cannot be seen with **naked eyes**.
3. Promises must be kept **absolutely**.
4. Any work which is done for the betterment of the society has to be **remarkable**.
5. Many problems **struck into mind** of Jagdish Chandra Bose, a great scientist of India.

V. A. Pick out the adverbs in the following sentences and write their kinds too :

S.No.	Adverbs	Kind of Adverb
1.	already	time
2.	better	manner
3.	high	place
4.	well	manner
5.	today	time

B. Fill in the blanks of the following sentences with correct adverbs :

Ans. 1. ago, **2.** bravely, **3.** onto, **4.** thrice, **5.** yesterday.

11. The Children's Song
(शिशुओं की गीत)

हिन्दी अनुवाद

ये हमारी मातृभूमि, हम आने वाले वर्षों तेरे प्रति स्नेह एवं परिश्रम के समर्पण की प्रतिज्ञा करते हैं; जब हम बड़े हो जाएँगे तब अपने समाज में पुरुष एवं महिलाओं की भाँति अपना स्थान ग्रहण करेंगे।

हे परमपिता, तू जो स्वर्ग में है और सभी को प्यार करता है, जब तेरे बच्चे तुझे पुकारें तो उनकी सहायता कर, जिससे वे युग-युग में एक पवित्र संस्कृति का निर्माण कर सकें।

तू हमें सदैव अपने पर यह नियन्त्रण करना सिखा कि हम दिन-रात संयमित एवं स्वच्छ रहें; जिससे हम आवश्यकता पड़ने पर उपयुक्त एवं सम्पूर्ण बलिदान कर सकें।

हमें ऐसे बल की प्रेरणा दे जो कर्म अथवा विचार से भी निर्बल को कष्ट न पहुँचाए; जिससे हम तेरे अधीन ऐसा पौरुष (बल) प्राप्त करें जो मानव-मात्र के कष्ट को दूर करे।

ऐसी शिक्षा दे कि हम साधारण वस्तुओं में आनन्द प्राप्त कर सकें, तथा ऐसी प्रसन्नता जिसमें कोई कड़वाहट न हो; प्रत्येक बुरे कार्य को हम क्षमा कर सकें और इस पृथ्वी पर (सूर्य के तले) सभी प्राणियों से प्रेम करें।

हे हमारी जन्म-भूमि, हमारा धर्म (विश्वास), हमारा स्वाभिमान जिसके हेतु हमारे पूर्वजों ने बलिदान दिये, तेरे लिए समर्पित है; हे मातृभूमि। हम भविष्य के लिए अपने मन, बुद्धि तथा कार्यों से तेरे प्रति समर्पण करने का प्रण करते हैं।

कविता—यह कवि किपलिंग का एक सुन्दर गीत है जिसमें उनकी धार्मिक आस्थाएँ प्रतिबिम्बित हैं। इस गीत में बच्चे जो भावी नागरिक हैं, अपने कर्मों एवं विचारों से अपनी मातृभूमि के सम्मान एवं सुयश की प्रतिज्ञा करते हैं। वे भगवान् से प्रार्थना करते हैं कि वह उन्हें इस प्रतिज्ञा को पूर्ण करने में समर्थ बनाए। वे यह भी प्रार्थना करते हैं कि परमात्मा उन्हें ऐसी शक्ति दे जिससे वे सभी मनुष्यों को प्यार करें तथा दीन-दुखियों की सहायता करें।

Meanings : toil = कठिन परिश्रम, years to be = आगामी वर्ष, भविष्यत्काल, our race = हमारी पीढ़ी के साथी, देशवासी, undefiled heritage = पवित्र विरासत,

controlled = अनुशासित, cleanly = शुद्धता से, maimed = अपंग, अशक्त, mirth = खुशी, bitter springs = बुरी या गन्दी भावनाएँ, head, heart and hand = विचार, भावनाएँ और कार्य।

Reading Comprehension

I. Choose the most appropriate answer *(MCQs)* :

Ans. 1. (a), **2.** (d), **3.** (d).

II. Answer the following questions :

Q. 1. What pledge do the children make in this poem? (इस कविता में बच्चे क्या प्रतिज्ञा करते हैं?)

Ans. The children pledge to keep and bring honour and glory to their motherland. (बच्चे अपनी मातृभूमि के प्रति सम्मान तथा यश रखने और लाने की प्रतिज्ञा करते हैं।)

Q. 2. Whom do the children pray to and how do they address Him? (बच्चे किससे प्रार्थना करते हैं और वे उसे कैसे सम्बन्धित करते हैं?)

Ans. The children pray to God and address Him as 'Father in Heaven'. (बच्चे ईश्वर से प्रार्थना करते हैं और वे उसे ''स्वर्ग में परमपिता'' कहकर सम्बोधित करते हैं।)

Q. 3. What type of traditions do the children want to make? (बच्चे किस प्रकार की परम्परा बनाना चाहते हैं?)

Ans. The children want to make their motherland an undefiled Heritage which it was in the past motherland India was. (बच्चे अपनी मातृभूमि को पवित्र विरासत बनाना चाहते हैं जैसे कि वह पूर्व में थी।)

Q. 4. What qualities are necessary to make a worthy sacrifice? (एक सुयोग्य समर्पण करने के लिए क्या गुण आवश्यक हैं?)

Ans. The qualities necessary to make a worthy sacrifice are discipline, purity, control and cleanliness. (एक सुयोग्य समर्पण के लिए अनुशासन, शुद्धता, नियन्त्रण करना और स्वच्छ रहना आदि गुण आवश्यक हैं।)

Q. 5. Where will the children use the strength which they are demanding from God? (बच्चे उस बल का उपयोग कहाँ करेंगे जो वे ईश्वर से माँग रहे हैं?)

Ans. The children will use their strength they are asking from God to comfort man's distress. (बच्चे ईश्वर से माँगे जा रहे बल का उपयोग मानव-मात्र का कष्ट दूर करने के लिए करेंगे।)

Q. 6. Which lines in the poem show that the children want to love all humanity? (कविता की कौन-सी पंक्तियाँ दर्शाती हैं कि बच्चे सम्पूर्ण मानवता से प्रेम करना चाहते हैं?)

Ans. The following lines show that the children want to love all humanity—(निम्नलिखित पंक्तियाँ दर्शाती हैं कि बच्चे सम्पूर्ण मानवता से प्रेम करना चाहते हैं—)

"Forgiveness free of evil done.
And love to all men' neath the sun."

(''प्रत्येक बुरे कार्य को हम क्षमा कर सकें,
इस पृथ्वी पर सूर्य के नीचे सभी प्राणियों से प्रेम करें।'')

Q. 7. How do the children define their motherland as great? (बच्चे अपनी मातृभूमि को महान् कैसे परिभाषित करते हैं?)

Ans. The children define their motherland as great by saying—
(बच्चे अपनी मातृभूमि को यह कहकर महान् परिभाषित करते हैं—)

"Land for our birth, our faith, our pride,
For whose dear sake our fathers died;"

(''हे हमारी जन्मभूमि, हमारा धर्म (विश्वास) हमारा स्वाभिमान
जिसके हेतु हमारे पूर्वजों ने बलिदान दिये (तेरे लिए समर्पित है)।'')

Q. 8. Describe your feelings for your country briefly. (अपने देश के लिंए अपनी भावनाओं का संक्षेप में वर्णन कीजिए।)

Ans. India is my motherland. it is a great country. It was the greatest in the past and shall be the greatest again. It is a country where Lord Ram and Lord Krishna were born. (भारत मेरी मातृभूमि है। यह एक महान् देश है। यह भूतकाल में सबसे महान् थी और दोबारा सबसे महान् होगी। यह वह देश है जहाँ भगवान राम और भगवान कृष्ण ने जन्म लिया था।)

III. Read the poem and look at the last word in each line. Now pick out the rhyming words and write them in pairs :
thee - be, arise - sacrifice, place - race, seek - weak, all - call, possess - distress, age - heritage, things - springs, done - sun, pride - died

Language Skills Mastery

V. Write the kind of each of the following sentences :
1. Statement, **2.** Command, **3.** Exclamation, **4.** Question, **5.** Statement, **6.** Exclamation, **7.** Question, **8.** Question, **9.** Statement, **10.** Command.

12. Robin Hood—A Merciful Man
(रोबिन हुड—एक दयालु व्यक्ति)

हिन्दी अनुवाद

लगभग आठ सौ वर्ष पूर्व, इंग्लैण्ड में रोबिन हुड नाम का एक व्यक्ति रहता था। एक दिन वह शेरवुड वन में एक घने फैले हुए वृक्ष के नीचे खड़ा हुआ था। उसका सर्वाधिक स्वामीभक्त साथी

जिसका नाम लिटिल जॉन था, उसके निकट आया और बोला, ''स्वामी, क्या यह उत्तम विचार नहीं है यदि हम जल्दी से भोजन कर लें?''

रोबिन ने उत्तर दिया, ''इन्तजार करना बेहतर है, जब तक हमारे साथ भोजन के लिए कोई वीर भद्रपुरुष (baron) अथवा अन्य कोई अजनबी न हो। जो संभवत: हमें कोई धनी दुर्जन, अथवा अन्य कोई शूरवीर या महानुभाव जो यहाँ का निवासी हो मिल जाये, जो भोजन का खर्चा भी अदा कर दे।''

शेरवुड वन एक जंगली इलाका था जो इंग्लैण्ड के मध्य में एक बड़े भाग में फैला हुआ था। यह आज भी विद्यमान है परन्तु यह अब बहुत छोटा है और उतना घना जंगल (भी) नहीं है और ये व्यक्ति जो वहाँ रहते हैं, कानून तोड़कर भागे हुए थे (दस्यु ये), अर्थात्, वे ऐसे आदमी थे जिन्होंने कुछ-न-कुछ तत्कालीन कानूनों के विरुद्ध कार्य किया था और दण्ड से बचने के लिए, उन्हें जंगल की ओर भाग जाना पड़ा, जहाँ यदि राजा के सैनिक उनके पीछे भेजे जायें तो वे उनसे छिप सकें। रोबिन हुड उनका नेता था और यह उसका नियम था कि जंगल में जाते हुए मार्ग पर किसी धनी व्यक्ति को पकड़ने का प्रयत्न किया जाये, उसे अति उत्तम भोजन कराया जाये और तब उसका सारा धन लेकर उससे इसका भुगतान करवाया जाये।

रोबिन अपने आदमियों से कहता था, ''परन्तु आप न तो किसी परिश्रमी कृषक को जो अपनी जमीन की देखभाल करता है, न वन से गुजरते हुए किसी सज्जन जमींदार को और न ही किसी शूरवीर अथवा महानुभाव को जो एक अच्छा व्यक्ति हो, कोई हानि नहीं पहुँचायेंगे और कोई भी व्यक्ति जिसके साथ महिला हो आप कोई हानि नहीं पहुँचायेंगे परन्तु मोटे दुर्जनों और पादरियों को और उन सभी को जो चोरी करने से, धोखा देने से अथवा झूठ बोलकर धनवान बन गये हैं, आप पीटें, बाँधे और लूट लें। और विशेष रूप से नौटिंघम के शेरिफ़ (हाकिम) को आप ढंग से ध्यान में रखें।''

उन दिनों इंग्लैंड में जीवन कठिन था, अनेक धनी शक्तिशाली लोग थे जो निर्धनों के विषय में तनिक भी नहीं सोचते थे। यह विशेष रूप से उन दिनों के धनी पादरियों के विषय में था, जो सदा (अधिक) पवित्र नहीं होते थे, जैसा वे दिखाते थे और जिनसे रोबिन हुड अत्यधिक घृणा करता था। वह उन्हें बिना किसी हिचक के लूट लेता था।

शेरवुड वन के निकटतम नगर नौटिंघम था जहाँ का शेरिफ़, जिसका कार्य कानून के भगोड़ों को ढूँढ़ना (एवं पकड़ना) और जहाँ सम्भव हो कानून और व्यवस्था कायम रखना था, स्वाभाविक रूप से रोबिन हुड का विशिष्ट शत्रु था।

अब उस दिन जब लिटिल जॉन ने रोबिन हुड से कहा था, जैसा हमने अभी सुना है, सामान्यत: वह बहुत भूखा था, और उसके अगले शब्दों ने शीघ्र ही सिद्ध कर दिया कि वह भोजन के लिए बहुत व्याकुल था। अपने नाम के विपरीत, लिटिन जॉन विशाल, लम्बा और हृष्ट-पुष्ट था; अत: नि:सन्देह, अपने बल के अनुसार उसे अधिक भोजन खाना होता था।

उसने रोबिन हुड को याद दिलाया, ''पहले ही काफी देर हो चुकी है, भगवान शीघ्र अब कोई अतिथि भेजे जिससे हम शीघ्र ही भोजन प्राप्त करें, क्योंकि मैं तो भूख से मरा जा रहा हूँ।'' अत: रोबिन हुड की सलाह पर, लिटिल जॉन, बिल स्कारलेट और मच, तीन व्यक्ति वैटलिंग स्ट्रीट की ओर चल दिये।

कुछ देर तक वे पूर्व की ओर देखते रहे और पश्चिम की ओर देखते रहे परन्तु उन्हें कहीं कोई मनुष्य नहीं दिखाई पड़ा। परन्तु, सौभाग्य से, कुछ देर बाद, घोड़े पर सवार छोटी पगडंडी पर आता हुआ एक नाइट (शूरवीर) दिखाई दिया। परन्तु जब वे उसके निकट पहुँचे, उन्हें वह यात्री बहुत

उदास और दीन दिखाई दिया। एक पैर रेकाब (घोड़े की काटी के साथ पाँव रखने का लोहे का छल्ला) पर था परन्तु दूसरा बाहर लटका हुआ था। उसके वस्त्र भी गन्दे थे। उसकी दशा इतनी दयनीय थी कि लिटिल जॉन उसके सामने शिष्टतापूर्वक झुका और उससे कहा, ''स्वागत है श्रीमान् जी, कृपया हरे वन की ओर पधारें। मेरे मालिक रोबिन हुड, बिना भोजन किये, तीन घंटे से आपके आगमन की प्रतीक्षा कर रहे हैं।''

नाइट ने उत्तर दिया, ''मैंने उनके विषय में बहुत कुछ उत्तम सुना है। वह वीर हैं। मित्रों, मैं आपके साथ चलूँगा। मैं स्वयं भी भोजन करना चाहता हूँ।'' वह उनके साथ चल दिया। जैसे ही वह वहाँ पहुँचा, रोबिन ने अति शिष्टता और आदर से उसका अभिनन्दन किया।

अपने अतिथि के लिए रोबिन हुड कुएँ से स्वच्छ जल लाया जिससे वह यात्रा की धूल-मिट्टी को धो लें; उसके बाद वे भोजन करने बैठ गये। वृक्षों की हरी-हरी पत्तियों (के झुरमुट) के नीचे भोजन परोसा गया और इस आगुन्तक ने ऐसा परिपूर्ण भोजन पहले दुर्लभ ही देखा था। अधिक मात्रा में रोटी और शराब और हिरन का गोश्त, साथ में जलमुर्गी का मांस, नदी से मछलियाँ और साथ ही अधिक प्रकार के भोज्य पदार्थ (things) थे।

रोबिन ने अपने अतिथि की थाली को बढ़िया भोजन से भर दिया और खाने के लिए उन्हें आमंत्रित किया।

शूरवीर (नाइट) ने कहा, ''आपको धन्यवाद, धन्यवाद; मैंने पूरे तीन सप्ताह से ऐसा भोजन नहीं किया है, जैसा कि यह। रोबिन, यदि इस इलाके की ओर पुन: आया तो मैं आपको ऐसी अच्छी ही दावत दूँगा जैसी आपने मुझे दी है।''

उस कानून से भगोड़े (रोबिन) ने उत्तर दिया, ''यह सब बिल्कुल ठीक है, ऐसी दावत जब भी प्रस्तुत होगी मैं प्रसन्नतापूर्वक सेवन करूँगा। परन्तु आपके लिए यह अधिक उपयुक्त है कि पहले आप जो आपने खाया है उसका मूल्य चुकाएँ। निश्चित ही यह एक जमींदार का दायित्व नहीं है कि वह एक नाइट (knight) के भोजन का मूल्य अदा करे।'' क्योंकि रोबिन हुड के पास धन प्राप्त करने के प्रिय उपायों में से एक यह भी था। लिटिल जॉन को अतिथि की तलाश में भेजने का यही केवल कारण था। परन्तु नाइट ने धीमे से कहा, ''श्रीमान जी, मेरे पास केवल दस शिलिंग हैं और आपको देने के लिए अधिक कुछ नहीं है, मुझे खेद है।''

रोबिन हुड ने लिटिल जॉन को उसके थैले की तलाशी लेने को कहा। लिटिल जॉन ने थैले की तलाशी ली और केवल दस शिलिंग मिले। उसने अपने मालिक (रोबिन) को यह बताया।

रोबिन हुड ने तुरन्त आदेश दिया, ''सर्वोत्तम शराब से प्याला भरा जाये और सर्वप्रथम नाइट महोदय को दिया जाये।'' ''श्रीमान जी, मुझे यह देखकर दु:ख है कि इतना कम पैसा आपके पास होने के अलावा आपके वस्त्र इतने कम तथा गन्दे हैं। मैं आपसे प्रार्थना करता हूँ कि एक बात बतायें। या तो आप अपनी इच्छा के विरुद्ध नाइट (एक पदवी) बनाये गये हैं अथवा नहीं तो आप मूर्ख तथा धन बर्बाद करने वाले रहे हैं? अथवा हो सकता है आपको धन की हानि हुई है, अथवा संभवत: आप साहूकार रहे हों, या शराबी और आपने अपना जीवन व्यर्थ गँवाया हो?''

नाइट ने उत्तर दिया, ''श्रीमान् जी, इनमें से कोई बात भी सत्य नहीं है, सौ वर्षों से मेरे पूर्वज नाइट रहे हैं और दो या तीन वर्षों से अधिक नहीं हुए, जैसा कि मेरे पड़ौसी आपको बता देंगे। मैं (अपनी सम्पत्ति से) चार सौ पौंड आसानी से खर्च कर सकता था। अब मेरी प्रिय पत्नी और मेरे बच्चों के अलावा कुछ नहीं बचा है। परमात्मा ने यही आज्ञा दी है जब तक कि मेरी दशा को सुधारना वह उपयुक्त न समझे।''

रोबिन ने पूछा, ''आपने अपना धन कैसे बरबाद कर दिया?'' ''मेरा अनुमान है कि अपनी बड़ी मूर्खता तथा दयालुता के कारण,'' नाइट ने उत्तर दिया। ''मैंने अपना धन दूसरों की सहायता करने में जो जरूरत में थे खर्च कर दिया, और मेरी भूमि एक निश्चित दिन तक धन के बदले एक धनवान एबट (महाधिकारी) के यहाँ गिरवी रखी हे जो इस स्थान के निकट सेंट मेरी के मठ में रहते हैं।''

जब रोबिन ने धनी पादरी का जिक्र सुना तो वह अपने कानों को कुरेदता हुआ बोला, ''आपको कितना पैसा देना है?''

''श्रीमान जी, पादरी ने मुझे मेरी भूमि के बदले चार सौ पौंड दिए।''

रोबिन ने पूछा, ''और यदि आप अपनी भूमि छोड़ दें, तो आपका क्या होगा?''

''मैं शीघ्र ही समुद्र पार कर फिलिस्तीन चला जाऊँगा, जहाँ मेरी तलवार मेरा भाग्य निर्माण करेगी। अच्छा मित्र, अब विदा, इससे अधिक अच्छा और कोई रास्ता नहीं है।''

नाइट की आँखों में आँसू भर आए और वह जाने के लिए तैयार हुआ।

परन्तु रोबिन ने उसे रोक लिया और प्रश्न किया, ''आपके मित्र कहाँ हैं?''

''श्रीमान, मुझे पहचानने के लिए अब कोई आतुर नहीं है। जब मैं धनवान था, और अपने घर था, वे प्रसन्न रहते थे और मेरी प्रशंसा करते थे, परन्तु अब वे सभी मुझसे बचते हैं।''

लिटिल जॉन और विल स्कारलेट के दिलों को नाइट की दु:ख भरी दास्तान ने इतना अधिक छू लिया कि वे बलिष्ठ व्यक्ति (भी) स्त्रियों की भाँति करुणा से रो पड़े, ''आओ, कुछ और शराब पियें,'' रोबिन ने कहा।

तब रोबिन ने उसे चार सौ पौंड तथा प्रत्येक रंग के तीन-तीन गज कपड़े दिये। रोबिन ने लिटिल जॉन को आज्ञा दी, ''उन्हें एक अच्छा भूरा घोड़ा भी दे दो और उस पर एक नई काठी भी रख दो जिससे ये सामान घर पहुँच पाए।''

रोबिन हुड मुस्कराये, ''लिटिल जॉन, आप उन्हें क्या देंगे?''

''श्रीमान, सोने के चमकदार एक जोड़ी एड़ लगाने (घोड़े को) के काँटे, उसके साहचर्य के लिए प्रार्थना। ईश्वर उसे सभी कठिनाइयों से सुरक्षित उबारे!''

बेचारा शूरवीर, अपने आप में, नहीं समझ सका कि रोबिन हुड को उसकी दयालुता तथा दानवृत्ति के लिए किस प्रकार धन्यवाद दे। वह भारी मन और रोबिन के लिए आशीर्वादों से भरा दिल लेकर चला गया।

Meanings : baron = सामन्त, भद्रपुरुष, rascals = धूर्त, दुष्ट, बदमाश, squire = जमींदार, जागीरदार, outlaws = डाकू, yeoman = भूमिधर, कृषक, abbot = पादरी, Watling street = एक बड़ी सड़क जो मध्य इंग्लैण्ड से होकर जाती है, stirrup = कुंडा, पदाधान, dangled = लटकाया, पीछे लगाया, fetched = जाकर लाया, morsel = कौर, टुकड़ा, to eat his fill = जी भरकर खाना, shun = घृणा, muttered = धीमे स्वर में बोला, gilt spurs = मुलम्मेदार स्वर्णयुक्त एड़ लगाने के काँटे।

Reading Comprehension

I. Choose the most appropriate answer *(MCQs)* :

Ans. 1. (d), **2.** (d), **3.** (b).

II. Match the words given in column 'A' with their meanings given in column 'B' :

'A'	'B'
1. Outlaws	(b) The persons deprived of the protection of law
2. In spite of	(f) Besides
3. Baron	(c) An attendant of a knight
4. Dangled	(e) suspended and moved to and fro
5. Squire	(a) A person of the lowest order of nobility
6. A good deal	(g) In a large quantity
7. Rascal	(d) A mean or rogue fellow

III. Say which statements are True and which are False. Correct the false ones :

Correct Sentences

Ans. 1. True, **2.** True, **3.** True, **4.** False, **5.** False.

4. Robin Hood hated the priests.

5. The knight had only ten shillings in his bag.

IV. Answer the following questions briefly :

Q. 1. When and where did Robin Hood live? (रोबिन हुड कब और कहाँ रहता था?)

Ans. Robin Hood lived in Notingham forest in England, around eight hundred years ago. (रोबिन हुड लगभग आठ सौ वर्ष पहले इंग्लैण्ड में रहता था।)

Q. 2. What did Robin Hood answer his companion, Little John about dinner? (रोबिन हुड ने अपने साथी लिटिल जॉन को भोजन के बारे में क्या उत्तर दिया?)

Ans. Robin Hood answered, "Little John, I would rather wait until we have some bold baron or other stranger to eat with us." (रोबिन हुड ने उत्तर दिया, ''लिटिल जॉन, मैं इन्तजार करूँगा, जब तक हमारे साथ भोजन करने के लिए कोई वीर भद्रपुरुष अथवा अन्य कोई अजनबी न आ जाए।'')

Q. 3. What do you know about Sherwood Forest? (शेरवुड के वन के बारे में आप क्या जानते हो?)

Ans. Sherwood forest was a wild woodland in the middle of England of that time. (शेरवुड वन उस समय के इंग्लैण्ड के मध्य में एक जंगली इलाका था।)

Q. 4. For whom had Robin Hood sympathy and no sympathy for whom? (रोबिन हुड किसके लिए सहानुभूति रखता था और किसके लिए नहीं?)

Ans. Robin Hood had sympathy for hard working farmers, yeoman, good knight, squire and women. He had no sympathy for fat rascals, abbots and those who had become rich by wrong means. (रोबिन हुड परिश्रमी कृषक, सज्जन जमींदार और शूरवीर अथवा महानुभाव और महिलाओं के लिए सहानुभूति रखता था। वह मोटे दुर्जनों और पादरियों और जो गलत साधनों से धनवान बने थे, उनके लिए कोई सहानुभूति नहीं रखता था।)

Q. 5. Why did Robin Hood hate the rich powerful people and the priests? (रोबिन हुड धनी शक्तिशाली लोगों और पादरियों से घृणा क्यों करता था?)

Ans. Robin Hood hated the rich powerful people and the priests because they thought nothing at all about the poor. (रोबिन हुड धनी शक्तिशाली लोगों और पादरियों से घृणा करता था क्योंकि वे निर्धनों के बारे में जरा भी नहीं सोचते थे?)

Q. 6. What will the knight do if he loses his lands? (यदि शूरवीर अपनी भूमि खो दे, तो वह क्या करेगा?)

Ans. If the knight loses his lands, he will go to Palestine to find his fortune by the sword. (यदि शूरवीर अपनी भूमि खो दे तो वह फिलिस्तीन जाकर अपनी तलवार से भाग्य निर्माण करेगा।)

Q. 7. Write what do you know about Little John? (आप लिटिल जॉन के बारे में क्या जानते हैं? लिखिए।)

Ans. Little John was as merciful as Robin Hood because he was his faithful companion. (लिटिल जॉन भी रोबिन हुड के जैसा दयावान था। वह उसका वफादार साथी था।)

Q. 8. Name the various gifts the outlaws made to the knight. (उन उपहारों के नाम बताइए जो भगोड़ों ने नाइट को दिये?)

Ans. The gifts given by the outlaws to the knight were four hundred pounds, three yards of cloth of every colour, a grey horse, a saddle and a pair of shining gilt spurs. (नाइट को चार सौ पौंड, प्रत्येक रंग के तीन-तीन गज कपड़े, एक भूरा घोड़ा, एक नई काठी और एक जोड़ी सोने के चमकदार एड़ लगाने (घोड़े के) के काँटे उपहार में दिये गये।

Language Skills Mastery

V. Pick out the verbs in the following sentences :

1. is called, **2.** kicks, **3.** is, **4.** presented, **5.** shines, **6.** is, **7.** does not interest, **8.** is, **9.** are grazing, **10.** is being driven.

13. True Love
(सच्चा प्रेम)

हिन्दी अनुवाद

सच्ची मित्रता (के मार्ग) में मैं कोई
अड़चन नहीं मानता। प्यार प्यार नहीं है
जो बदलाव आने पर बदल जाये,
अथवा हटने के लिए हटाने पर झुक जाये।
नहीं! सच्चा प्यार एक प्रकाश स्तम्भ है
जो झंझावातों में दृढ़ रहता है, कभी नहीं डगमगाता:
यह भटकी नौका के लिए ध्रुवतारा है,
जिस (तारे) का प्रभाव तो अज्ञात है, यद्यपि उसकी ऊँचाई ज्ञात है।
गुलाबी होठों और गालों के बीच प्यार काल का ग्रास नहीं है
झुकती हँसिया से घास की भाँति यह कटता नहीं है;
जीवन छोटा है (घंटे और सप्ताह) पर प्यार बदलता नहीं,
जीवन से आगे, मृत्यु तक सनातन है :
प्यार की मेरी यह परिभाषा यदि गलत सिद्ध हुई,
तो न मैं कवि हूँ, न संसार में कोई प्रेमी।

कविता—यह कविता (सोनेट) एक सुन्दर युवक को सम्बोधित है, जो शेक्सपीयर का सच्चा मित्र था और जिसे उसकी प्रेयसी ने धोखा दिया था। शेक्सपीयर ने अपने मित्र को इस प्रकार प्रेरित किया कि कुछ समय के लिए सन्देह एवं कठिनाइयों के बावजूद प्रेम का सम्बन्ध निरन्तर रखा जाये।

Meanings : marriage of true minds = सच्ची मित्रता, admit = मानना, impediments = अड़चनें, बाधायें, mark = प्रकाश-स्तम्भ, star = तारा, (ध्रुव तारा जो जहाजों को दिशा बताता है), Bending.....compass = मुड़ी हँसिया से कटना, Bears.....doom = मृत्यु तक सनातन, upon me prove = यदि मेरी प्रेम की परिभाषा असत्य सिद्ध होती है, I never writ = मैंने कविता की एक पंक्ति भी नहीं लिखी, nor loved = संसार के किसी भी व्यक्ति ने सच्चा प्रेम नहीं किया।

Reading Comprehension

I. Choose the most appropriate answer *(MCQs)* :

Ans. 1. (c), **2.** (d), **3.** (b).

II. Answer the following questions :

Q. 1. How does the poet define True Love in the first stanza? (कवि प्रथम छंद में सच्चे प्यार को किस प्रकार परिभाषित करता है?

Ans. The poet defines true love as the one which is not true love if it alters when it finds alteration. (सच्चे प्रेम को कवि इस प्रकार परिभाषित करता है कि सच्चा प्यार नहीं है यदि बदलाव के आने पर यह भी बदल जाए।)

Q. 2. What does the poet mean by the word 'fixed mark'? (कवि का शब्द 'दृढ़ चिह्न' से क्या अर्थ है?)

Ans. By the word 'fixed mark', the poet means the light-house. It does not move and guide the ships amidst storms. (शब्द 'दृढ़ चिह्न' से कवि का अर्थ प्रकाश स्तम्भ से है। यह हिलता नहीं है और झंझावतों में जहाजों का मार्गदर्शन करता है।)

Q. 3. How does the poet compare True Love with the star and to which star does he refer? (कवि किस प्रकार सच्चे प्यार की तुलना तारे के साथ करता है और वह किस तारे का उल्लेख करता है?)

Ans. True love is like the Pole Star. The poet refers to Pole Star when he speaks of star. (सच्चा प्यार ध्रुव तारे की तरह होता है। कवि जब तारे के बारे में बताता है तो वह ध्रुव तारे का उल्लेख करता है।)

Q. 4. What challenge does the poet give in the last two lines of the poem? (कविता की अन्तिम दो पंक्तियों में कवि क्या चुनौती देता है?)

Ans. The poet says that if his definition of true love is proved wrong, he is not a poet at all and no one loved another person in the whole world. (कवि कहता है कि यदि सच्चे प्यार की उसकी परिभाषा गलत साबित हुई तो वह न तो कवि है और न ही पूरे संसार में कोई प्रेमी।)

III. Now pick out the rhyming words and write them in pairs :
minds-finds, love-remove, mark-bark, shaken-taken, cheeks-weeks, proved-loved.

14. Marconi Makes History
(मार्कोनी ने इतिहास रचा)

हिन्दी अनुवाद

मार्कोनी अपने कमरों की चाबी अपने पास रखता था और अपने परीक्षणों पर जब वह कमरों के अन्दर काम कर रहा होता था, वह दरवाजों में ताला बन्द रखता था। अपने कार्य में लग जाने के लिए वह सुबह जल्दी ही उठता था और (रात में) देर तक कार्य करता था। प्रत्येक रात्रि में, उनकी माँ घर की ऊपरी मंजिल में रोशनी जलती देखकर चिन्तित होती थीं और स्वयं सोने से पहले, प्राय: दरवाजे पर धीरे से खटखटाती थीं। एक अव्यवस्थित एवं मलिन-सा युवक उनके लिए द्वार खोलता था और उन्हें अन्दर बुलाकर अपनी बैटरियाँ, घर का बना सामान, तारों और गुच्छियों की छोर रहित उलझनें उन्हें दिखाता था।

उनकी माँ कहती थीं, ''मेरे विचार से तुम सो जाओ।''

मार्कोनी का एक ही उत्तर होता था, ''जब थक जाऊँगा, मैं सो जाऊँगा''।

श्रीमती मार्कोनी (मार्कोनी की माँ) को कमरे में दाखिल होने की अनुमति थी परन्तु अन्य किसी को नहीं। उनके पिता जी विनम्रता से शिकायत करते थे जब उन्हें जानकारी मिलती थी कि सेवकों को भी धूल व गर्द झाड़ने-पोंछने के लिए अन्दर जाने की अनुमति बहुत कम अवसरों पर मिलती थी।

जब उनके पिताजी अप्रसन्नता प्रकट करते थे, और जानना चाहते थे कि उनके पुत्र की धारणा क्या है, श्रीमती मार्कोनी अपने पति की कुर्सी की बाजू पर बैठ जाती थीं। वे धीरे से कहती थीं, ''उसका विचार है कि आवाज को भी, वायु में एक स्थान से दूसरे स्थान पर भेजना संभव है।''

बूढ़े पिता रूखे मन से कहते थे, ''ठीक है, करने दो उसे परीक्षण, फिर भी पुत्र की बातों को देखना कभी-कभी सुखद लगता है।''

मार्कोनी बहुत कम बोलते थे। उन प्रारम्भिक दिनों में, अपनी माता के अतिरिक्त, उन्होंने अन्य किसी को अपनी आशाओं के विषय में नहीं बताया। अपने सबसे पहले परीक्षणों के समय, उसकी समझ उसे बताती थी कि दूसरों की आँखों में उसका विचार झक्की ही लगेगा। वह प्रयत्न करता था कि उसका इरादा दूसरों की जानकारी में न आये। अत: अन्य लोग सोचते थे कि मार्कोनी उनकी राय की परवाह नहीं करता।

विला ग्रिफान (मार्कोनी के मकान का नाम) की ऊपरी मंजिल के दो कमरों में, मार्कोनी अपने परीक्षण के अधिकांश सामान को स्वयं अपने हाथों से बनाता था। उसकी स्वयं की कोशिश का परिणाम साफ-सुथरा तो नहीं होता था और कारण यह नहीं था कि मार्कोनी हाथों से कुशल (कारीगर) नहीं था, परन्तु क्योंकि जिन उपायों अथवा वस्तुओं की उसे आवश्यकता होती थी, वे बनी बनाई उपलब्ध नहीं थीं, व्यावहारिक रूप से प्रत्येक वस्तु जिसे वह उपयोग में लाता था घर पर ही बनानी होती थी अथवा उसका जुगाड़ करना पड़ता था। अधिक सामान जो उसने तब प्रयुक्त किया अब हमें हँसी दिलाता है, किन्तु वह महत्त्वहीन था क्योंकि उसका उद्देश्य स्थिर था और प्रयत्न तीव्र थे। अपने प्रारम्भिक अनेक परीक्षणों में, मार्कोनी को अपने मित्रों एवं सहायकों की इस सामर्थ्य पर प्रशंसा मिली कि वह अत्यधिक प्राथमिक शुरुआतों से यन्त्र एवं वस्तुएँ बना लेता है जो अपना उद्देश्य पूरा करती हैं। संभवत: यह उसकी स्पष्ट कल्पना-शक्ति का ही परिणाम था जिसके फलस्वरूप वह पहले ही समझ लेता था कि अमुक वस्तु अन्त में क्या उद्देश्य पूरा करेगी। उसकी इस सामर्थ्य ने जीवन भर उसका बड़ा हित किया। उसकी सारणी में समय नहीं था। परीक्षण चलता रहता था; और यदि विला ग्रेफान की दासियों के मन में जो यह भय समाया था कि तुरन्त मृत्यु उन अद्‌भुत बर्तनों में छिपी हुई है जिनमें बैटरियाँ थीं, उस भय को दूर करने के लिए मार्कोनी ने कुछ रचनात्मक कार्य नहीं किया, कम-से-कम वह जानता था कि यदि उसके परीक्षण निष्फल रहे—जो लगभग अवश्य होते थे—वह स्वयं ही उस असफलता का उत्तरदायी है।

यह वास्तव में उनकी माता जी की रुचि की गहराई का प्रयास है कि अपने रुग्ण (दुर्बल) स्वास्थ्य के बावजूद, उन्होंने परिवार को प्रवृत्त किया कि हर वर्ष की भाँति शीतऋतु में (उस वर्ष) विला में रहें और स्थान परिवर्तन न करें। उनकी दृष्टि (आँख) सदैव उस प्रकाश पर टिकी रहती थी जो घर की चोटी पर अर्धरात्रि तक जलता था और वे समय-समय पर सीढ़ियाँ चढ़ती थीं, ताले लगे द्वार पर दस्तक देने के लिए। प्राय: एक दासी उनके साथ होती थी, मार्कोनी के लिए भोजन की थाली लेकर, जो कभी-कभी भूल जाता था कि भोजन का समय हो गया है। इस सबके लिए माता अपने हृदय में भली-भाँति पुरस्कृत अनुभव करती थी।

दिसम्बर मास की एक रात की बात है, माँ सोने जा चुकी थी, घर शान्त था, अँधेरा था, बत्तियाँ बुझाई जा चुकी थीं, सिवाय उसकी जो अट्टालिका में जल रही थी। गुगलील्मो मार्कोनी (मार्कोनी का पूरा नाम) ने वचन दिया था, जब माताजी ने उसके द्वार पर दस्तक दी थी, वह भी उस रात को बहुत देर नहीं करेगा और सो जायेगा। माँ कुछ घंटे सो चुकी थी जब एक हाथ ने, उन्हें हिलाते हुए

जगा लिया। अपने पलंग के निकट उन्होंने गुगलील्मो को हाथ में मोमबत्ती लिए देखा। उसके शान्त ललाट का दृढ़ चेहरा (और दिनों से) अधिक अव्यवस्थित था।

उसने आग्रह किया, ''माँ आओ, मैं आपको दिखाऊँ।''

माता के सम्मुख, अधिक स्पष्टीकरण की आवश्यकता नहीं थीं। वे जानती थीं। अपने आप को गाउन पहनाते हुए, उन्होंने अपना हाथ अपने पुत्र के हाथ में दिया और दोनों साथ-साथ सीढ़ियों पर चढ़ गये।

उन्होंने कहा, ''पुत्र, तुम ठण्डे लग रहे हो।''

मार्कोनी ने अचेतन मन से कहा, ''माताजी आज रात का कार्य मैंने समाप्त कर दिया है। मैं चाहता हूँ आप देखें।''

अट्टालिका के लम्बे कक्ष दीपकों से प्रकाशित थे और उस पीले अर्धप्रकाश में, श्रीमती मार्कोनी ने एक छोर पर सामान का एक पुंज देखा था। जो उनकी सहानुभूति के बावजूद उनकी समझ में नहीं आ सका। इस सामग्री के ऊपर तारों की एक उलझन दीख पड़ रही थी। अट्टालिका में मेहराब के पार दूर बैटरियों का एक बँधा हुआ समूह था, जस्ते की छड़ियाँ और तारों की कॉयल (गेंडुरी)। जहाँ वे खड़े थे, उस छोर पर (उनकी साइड में), एक छोटी मेज पर चाबी (key) थी।

मार्कोनी ने कहा, ''माँ, सुनो'' उसने चाबी (बटन) को दबा दिया।

अट्टालिका के दूर के छोर से (भनभनाने की आवाज) सुनी गई। माता अपने गाउन में काँपती हुई सी और अधिक का इन्तजार करने लगी। परन्तु ऐसा प्रतीत हुआ कि वही सम्पूर्ण था। उन्होंने कहा, ''यह अद्‌भुत है।''

माता के कंधों पर हाथ रखकर मार्कोनी ने उन्हें बिस्तर पर पहुँचाया और यह अद्‌भुत था। मार्कोनी एक बिजली की घंटी को बजाने में सफल हो चुका था। यह कार्य शून्य में 30 फीट की दूरी पर विकिरण के द्वारा किया गया था।

तदुपरान्त यह उसी युवक का सौभाग्य था कि उसने इंग्लिश चैनल के पार उस विधि से संदेश भेजे जो उस दिसम्बर की ठंडी रात से पूर्व संसार में अज्ञात थी, वह रात जब वह अपने स्वप्नों को दृढ़ सत्य में बदलने के लिए देर तक दीपक जलाता था। उसके बाद विशाल अटलांटिक महासागर के पार संदेश भेजे गये (संदेशों का पुल बना), परन्तु यह कहना सत्य नहीं होगा कि इन दो महान् युग-परिवर्तनकारी घटनाओं ने उन्हें ज्यादा अधिक आनन्द दिया, उसकी अपेक्षा जब विद्युत-घंटी जो प्रयोगात्मक सैट से जुड़ी थी कर्कश स्वर से बज उठी।

उनके पिता, गीसप मार्कोनी, ऐसी घटना से इतने उत्साही नहीं थे, जितना वे हो सकते थे, वे सोचते थे, एक घंटी एक से अधिक साधनों से बजाई जा सकती है—परन्तु घंटी ने इतिहास का निर्माण किया।

Meanings : concerned = उत्सुक, चिंतित थीं, dishevelled = अव्यवस्थित, tangle = उलझे हुए, Invariable = अचल, स्थिर, Signora Markoni = मार्कोनी की माता जी, gruffly = कठोरतापूर्वक, अशिष्टतापूर्वक, sparing of words = बहुत अधिक बात नहीं करता था, fantastic = तरंगी, मनमौजी, Villa Griffone = घर का नाम, untutored effort = स्वतन्त्र प्रयास (बिना मार्गदर्शन का प्रयास), deft = कुशल, चतुर, निपुण, contrived = योजना बनायी, निर्माण किया, primitive = प्राचीन, आदिम, of a constructive nature = रचनात्मक स्वभाव का, to allay = कम करना, lurked = छुपाया, attics = अटारी, परछत्ती, Guglielmo = मार्कोनी का उपनाम, customary = आदतन, peignoir = स्त्री की ढीली-ढाली पोशाक, गाउन।

Reading Comprehension

I. Choose the most appropriate answer *(MCQs)* :

Ans. 1. (a), **2.** (b), **3.** (d).

II. Complete the following :

1. **With an arm** round her shoulders, Marconi took his mother back to bed.
2. In those early days, Marconi told no one except **his mother**.
3. Marconi's mother always kept an eye on the light that **burned at the top**.
4. The ringing of an electric bell had been done by means of a radiation at a distance of **some 30 ft.**
5. **A tangle of wiring** loomed above his apparatus.

III. Answer the following questions :

Q. 1. What did Marconi use to show his mother whenever she knocked at his door? (जब उसकी माँ उसके दरवाजे पर दस्तक देती थीं तो मार्कोनी उन्हें क्या दिखाता था?)

Ans. Whenever she knocked his door, Marconi used to show her his batteries, the home made apparatus, the seemingly endless tangle of wire and coils. (जब उसकी माँ दरवाजे पर दस्तक देती थीं, तो मार्कोनी उन्हें अपनी बैटरियाँ, घर का बना सामान, तारों और गुच्छियों की छोर रहित उलझनें दिखाता था।)

Q. 2. What did Marconi's mother tell his father about Marconi's idea of doing all this? (यह सब करने की मार्कोनी की धारणा के बारे में मार्कोनी की माताजी ने उसके पिताजी को क्या बताया?)

Ans. Marconi's mother told his father that Marconi's idea was that it was possible for signals and voices to be sent from place to place without wires. (मार्कोनी की माँ ने उसके पिताजी को बताया कि मार्कोनी की धारणा थी कि संदेशों, यहाँ तक कि आवाज को भी, एक स्थान से दूसरे स्थान पर भेजना संभव है।)

Q. 3. Why did Marconi's friends and assistants praise him? (मार्कोनी के मित्र और सहायक उसकी प्रशंसा क्यों करते थे?)

Ans. Marconi's friends and assistants praised him for his capability of making instruments and devices from the most primitive raw materials. (मार्कोनी के मित्र और सहायक उसकी अत्यधिक प्राथमिक शुरुआतों से यन्त्रों और वस्तुएँ बनाने की सामर्थ्य की प्रशंसा करते थे।)

Q. 4. What sorts of instruments did Marconi invent for his experiments? (मार्कोनी अपने परीक्षणों के लिए किस प्रकार के यन्त्रों का आविष्कार करता था?)

Ans. Marconi invented most of the apparatus he used. Practically everything had to be home made or contrived. (मार्कोनी अपने परीक्षण के अधिकांश सामान का स्वयं आविष्कार कर लेता था। व्यावहारिक रूप से प्रत्येक वस्तु घर पर ही बनानी होती थी अथवा उसका जुगाड़ करना पड़ता था।)

Q. 5. Show how his mother was deeply interested in him inspite of her delicate health? (दर्शाइए कि माँ के दुर्बल स्वास्थ्य के बावजूद किस प्रकार उसमें उनकी गहरी रुचि थी?)

Ans. His mother prevailed upon the family to remain at the Villa during the winter, although her health was delicate. It showed her interest in him. (उसकी माँ ने दुर्बल स्वास्थ्य के बावजूद परिवार को शीत ऋतु में विला में रहने के लिए प्रवृत्त किया। यह उसमें उनकी रुचि दर्शाता है।)

Q. 6. Who woke Signora Marconi one night and why? (एक रात श्रीमती मार्कोनी को किसने जगाया और क्यों?)

Ans. One night, Marconi woke Signora Marconi to show her his experiment in sending signals across space. (मार्कोनी ने एक रात श्रीमती मार्कोनी को सुदूर संदेश भेजने का परीक्षण दिखाने के लिए जगाया।)

Q. 7. Describe briefly the success of that experiment which made history. (संक्षेप में उस परीक्षण की सफलता का वर्णन कीजिए जिसने इतिहास का निर्माण किया?)

Ans. Marconi sent signals across the English Channel and the Atlantic Ocean. His invention of wireless made history. (मार्कोनी ने इंग्लिश चैनल तथा अटलांटिक महासागर के पार संदेश भेजे। उसके बेतार के आविष्कार ने इतिहास का निर्माण किया।)

Language Skills Mastery

IV. Try to explain what is meant by :

1. His mother was weak in health and so the family shifted to plains every winter.
2. He made his apparatus himself. There was no one to guide or teach him.
3. The bell that tinkled first on December night gave wireless to the world and made history.
4. Marconi worked from morning till late in the night. He had no care for food and bath. He was disorderly and dirty.

V. Read the following sentences and pick out transitive and intransitive verbs separately and also write what do they denote, *i.e.*, action, state or being :

S.No.	Transitive	Intransitive	Denote
1.	–	is	being
2.	–	reached	action
3.	–	drew up	action
4.	–	is	being
5.	earned	–	action
6.	–	sleep	state
7.	–	shouted	action
8.	found	–	action
9.	–	ran	action
10.	–	has slept	state

15. Exercise and Growth
(व्यायाम एवं विकास)

हिन्दी अनुवाद

मेहुल और करण परस्पर वाद-विवाद कर रहे थे।

मेहुल ने कहा, ''दायीं भुजा बायीं भुजा से मोटी होती है'', ''मैं विश्वस्त हूँ कि ऐसा ही होता है।''

करण ने कहा, ''यह असंभव है'', ''दोनों भुजाएँ समान रूप से मोटी होती हैं।'' कुछ शिष्यों ने मेहुल का समर्थन किया और कुछ ने करण का।

शिवम बोला, ''दायीं भुजा निश्चित रूप से अधिक बलशाली होती है'', ''संभवत: यह तनिक-सी अधिक मोटी भी होती है। यह बिल्कुल संभव है।''

राहुल ने कहा, ''बहुत खूब।'' ''मेरा दृढ़ विश्वास है कि यह बात असंभव है।''

अब घंटी बज गई, और श्री त्यागी, विज्ञान-अध्यापक ने प्रवेश किया।

जब शिष्यों ने अपने स्थान ग्रहण कर लिए, श्री त्यागी ने पूछा, ''तुम लोग क्या वाद-विवाद कर रहे थे?''

शिष्यों में से एक ने प्रश्न किया ''श्रीमान जी, क्या दायीं भुजा बायीं भुजा से अधिक मोटी होती है।'' ''मेहुल कहता है कि ऐसा ही होता है। मेरे विचार में दोनों भुजाएँ एक ही आकार की होती हैं।''

श्री त्यागी बोले, ''तुम उसी विषय में बहस कर रहे थे, क्या यही बात है? क्या यह कुछ बहस करने का विषय है। तर्क-वितर्क करना विज्ञान का तरीका नहीं है। तुम क्यों नहीं अपनी भुजाओं को नाप लेते और क्यों नहीं स्वयं जानकारी कर लेते। यह एक बहुत सरल विषय है। ऑफिस से एक या दो नापने के फीते और डोर ले आओ।''

अत: शिष्य दो नापने के फीते और डोर ऑफिस से ले आये। उन्होंने फीता अथवा डोर का टुकड़ा लेकर एक-दूसरे की भुजाओं को सावधानी से नापा।

अमित के पड़ोसी ने कहा ''श्रीमान जी, अमित की दायीं भुजा तनिक-सी अधिक मोटी प्रतीत होती है।'' सत्येन के पड़ोसी ने कहा (वह एक नापने का फीता प्रयोग कर रहा था), ''सर, सत्येन की दायीं भुजा उसकी बायीं भुजा से दो या तीन मिलीमीटर अधिक मोटी है।'' शीघ्र ही प्रत्येक कहने लगा, ''दायीं भुजा तनिक अधिक मोटी होती है।''

श्री त्यागी बोले, ''इतने निश्चित मत बनो और जल्दबाजी में मत रहो। क्या प्रत्येक (व्यक्ति की) दायीं भुजा उसकी बायीं भुजा की अपेक्षा अधिक मोटी होती है।''

काव्या ने उत्तर दिया, ''नहीं, सर लक्ष्या की दायीं भुजा उसकी बायीं भुजा से तनिक पतली प्रतीत होती है। परन्तु मैं पूर्ण विश्वस्त नहीं हूँ।'' दूसरों ने लक्ष्या की बाँह को टेप से और अधिक सावधानी से नापा।

वे बोले, ''बिल्कुल ठीक (yes), लक्ष्या की बायीं भुजा तनिक अधिक मोटी है, करीब तीन मिलीमीटर।''

पीयूष के पड़ोसी ने कहा, ''पीयूष की दायीं भुजा उसकी बायीं भुजा से दुबली (पतली) है।''

त्यागी ने प्रश्न किया, ''क्या कोई और है जिसकी बायीं भुजा दायीं भुजा से अधिक मोटी हो?''

ऐसा और कोई नहीं था।

श्री त्यागी बोले, ''38 छात्र ऐसे हैं जिनकी दायीं भुजाएँ अपेक्षतया मोटी हैं परन्तु 2 ऐसे हैं जिनकी बायीं भुजाएँ दायीं भुजाओं से अधिक मोटी हैं। वे हैं लक्ष्या और पीयूष। तुम सबके पास (अब) तथ्य (आँकड़े) हैं। अब प्रयत्न करो और कारणों का अनुमान लगाओ। विज्ञान में हम किसी का पक्ष लेकर नहीं चलते, परन्तु सर्वप्रथम हम प्रकृति का निरीक्षण कर अर्थात् तथ्यों को देखकर आँकड़े एकत्र करते हैं। तब हम अपनी बुद्धि का प्रयोग करते हैं और जो तथ्य हमने देखे हैं उन्हें समझने का यत्न करते हैं। विज्ञान का यही तरीका है।''

सत्येन ने कहा, ''सर, पीयूष एवं लक्ष्या बायें हाथ से काम करने वाले (खब्बू) हैं। संभवत: इस बात का विषय से कुछ सम्बन्ध हो।''

श्री त्यागी ने कहा, ''यह सही है। बायें हाथ से हमेशा कार्य करने वाले व्यक्तियों की बायीं भुजाएँ तनिक सी अधिक भारी होती हैं। कारण सरल है। वे दायें हाथ की अपेक्षा बायें हाथ का अधिक प्रयोग करते हैं। उनकी बायीं भुजा को अधिक व्यायाम मिलता है और इस कारण वह अधिक भारी एवं अधिक बलशाली हो जाती है। उनकी दायीं भुजा को कम व्यायाम मिलता है और इसलिए वह अपेक्षतया दुबली और कम बलशाली हो जाती है। दायें हाथ से काम करने वाले व्यक्तियों के साथ इसके विपरीत होता है। उनकी बायीं भुजा कम कार्य (व्यायाम) कर पाती हैं और इसलिए वह अधिक पतली और कम ताकतवर होती है। शरीर को स्वच्छ एवं बलवान बनाने के लिए व्यायाम आवश्यक है। यही कारण है कि हमें खेल-कूद में भाग लेना चाहिए। खेल-कूद शरीर को आवश्यक व्यायाम प्रदान करते हैं।''

करण बोला, ''कृपया हमें कुछ अच्छे व्यायामों के बारे में बतायें?'' श्री त्यागी बोले, ''खेल जो भी आप विद्यालय में खेलते हैं सभी अच्छे हैं। खेल जैसे कि फुटबॉल और क्रिकेट आपको व्यायाम और आनन्द प्रदान करते हैं। तैराकी और दौड़ लगाना जैसे खेल सभी शरीर के लिए अच्छे हैं।''

राहुल ने पूछा, ''सर, भारोत्तोलन (वजन उठाना) और दंड-बैठक के विषय में क्या कहते हैं? क्या वे खेल-कूद से अधिक अच्छे नहीं हैं?''

श्री त्यागी ने उत्तर दिया, ''भारोत्तोलन और दण्ड और दण्ड-बैठक भी अच्छे हैं परन्तु खेल तुम्हें, व्यायाम और मनोरंजन भी देते हैं। इस दृष्टि से खेल ज्यादा अच्छे हैं। याद रखें कि बहुत अधिक

व्यायाम भी बुरा है, जैसे कि बहुत कम व्यायाम बुरा है। इसके अतिरिक्त केवल व्यायाम ही नहीं जिसकी हमें आवश्यकता है। अच्छा भोजन और आराम समान रूप से आवश्यक हैं। 'न बहुत ज्यादा और न बहुत थोड़ा ही' इन बातों में सर्वोत्तम नियम है।''

राहुल ने प्रश्न किया, ''सर, योग-व्यायाम के विषय में क्या बातें हैं?'' ''लोग कहते हैं कि वे बहुत अच्छे हैं'', श्री त्यागी ने उत्तर देना आरम्भ किया, ''परन्तु आपको उन्हें करने में सावधान रहना है। तुम्हें वे किसी विशेषज्ञ से सीखने चाहिये और उन्हीं के परामर्श में करने चाहिये, जिस प्रकार, तुम्हें नृत्य अथवा गायन विशेषज्ञ से सीखने चाहिये। परन्तु तुम्हें अपनी आवश्यकता के व्यायाम का एक बड़ा भाग (स्वयं) मिल जायेगा यदि तुम स्वाभाविक तरीके से रहोगे, खेल खेलोगे और घर पर अपने माता-पिता की उनके कार्य में सहायता करोगे। साथ ही, तुम्हें, दूसरों के प्रति उपादेय (लाभकारी) होने का आनन्द भी प्राप्त होगा। सरल और स्वाभाविक जीवन-यापन शरीर की सर्वोत्तम रक्षा है, जिस प्रकार स्वास्थ्यप्रद भोजन सर्वोत्तम औषधि है।''

Meanings : arguing = तर्क-कुतर्क करते हुए, sided = पक्ष लिया, slightly = थोड़ा-सा, measure = नाप-तौल करना, string = फीता, रस्सी, facts = तथ्य, observed = निरीक्षण किया।

Reading Comprehension

I. Choose the most appropriate answer *(MCQs)* :

Ans. 1. (a), **2.** (d), **3.** (c).

II. Some statements are given below. Tell which of them are True and which are False :

Ans. 1. True, **2.** True, **3.** False, **4.** True, **5.** True.

III. Who said the following statements :

1. Mr. Tyagi, **2.** Shivam, **3.** Rahul, **4.** Amit's neighbour, **5.** Mr. Tyagi.

IV. Answer the following questions :

Q. 1. What were Mehul and Karan arguing about? (मेहुल और करण किसके बारे में वाद-विवाद कर रहे थे?)

Ans. Mehul and Karan were arguing about arms and their respective thickness. (मेहुल और करण भुजाओं और उनकी मोटाई के बारे में बात कर रहे थे।)

Q. 2. What did Karan say about the size of the arm? Did he agree with Mehul? (करण ने भुजा के आकार के बारे में क्या कहा? क्या वह मेहुल के साथ सहमत हुआ?)

Ans. Karan said that the two arms must be equally thick. No, he did not agree with Mehul. (करण ने कहा कि दोनों भुजाएँ समान रूप से मोटी होती हैं। नहीं, वह मेहुल के साथ सहमत नहीं हुआ।)

Q. 3. Who was Mr. Tyagi? What did he say to his pupils about arguing? (श्री त्यागी कौन थे? उन्होंने अपने शिष्यों से वाद-विवाद के बारे में क्या कहा?)

Ans. Mr. Tyagi was the science teacher. He told his pupil that arguing is not the method of science. (श्री त्यागी उनके विज्ञान-अध्यापक थे। उन्होंने अपने शिष्यों से कहा कि तर्क-वितर्क करना विज्ञान का तरीका नहीं है।)

Q. 4. How did the pupils come to know that some of them had their right arms thicker and some had their left arms thicker? (शिष्यों ने कैसे जाना कि उनमें से कुछ की दायीं भुजा मोटी थी और कुछ की बायीं?)

Ans. The pupils measured right and left arms of each other and come to know that some of them had their right arms thicker and some had their left arms thicker. (शिष्यों ने एक-दूसरे की दायीं और बायीं भुजाओं को नापा और जाना कि कुछ की दायीं भुजा अधिक मोटी थी और कुछ की बायीं।)

Q. 5. Which games and sports are good for our body? (कौन-से खेल हमारे शरीर के लिए लाभदायक हैं?)

Ans. Games such as football and cricket and sports such as swimming and running are good for our body. (खेल जैसे कि फुटबॉल और क्रिकेट तथा खेल जैसे कि तैराकी और दौड़ लगाना हमारे शरीर के लिए लाभदायक हैं।)

Q. 6. Why are games better than weightlifting and *dand baithak*? (खेल भारोत्तोलन और दण्ड-बैठक से अच्छे क्यों हैं?)

Ans. Games are better than weightlifting and *dand baithak* as they provide pleasure besides exercise. (खेल भारोत्तोलन और दण्ड-बैठक से अच्छे हैं क्योंकि वे तुम्हें व्यायाम के अतिरिक्त मनोरंजन भी देते हैं।)

Q. 7. What advice does Mr. Tyagi give about Yoga? (योग के बारे में श्री त्यागी क्या परामर्श देते हैं?)

Ans. Mr. Tyagi advises that Yoga exercises must be done under the advice of some expert. (योग-व्यायाम किसी विशेषज्ञ के परामर्श में करने चाहिए।)

Q. 8. What is the best care of body according to Mr. Tyagi? (श्री त्यागी के अनुसार शरीर की सर्वोत्तम रक्षा क्या है?)

Ans. According to Mr. Tyagi, a simple and natural way of life is the best care of the body just as healthy food is the best medicine. (श्री त्यागी के अनुसार सरल एवं स्वाभाविक जीवन यापन शरीर की सर्वोत्तम रक्षा है, जिस प्रकार स्वास्थ्यप्रद भोजन सर्वोत्तम औषधि है।)

Language Skills Mastery

V. Use the following words is your own sentences :

1. One's both arms being equally thick and strong is **impossible.**

2. Games and sports give both exercise and **pleasure**.
3. Swimming and running are best **exercises**.
4. To live a simple and **natural** way of life is the best care of the body.
5. Exercise is **necessary** for a good body.
6. The **method** of science is to gather facts and then to try to understand them.
7. The method of science is not **arguing** but observing nature.

VI. Fill in the blanks using the correct degree of adjectives :

strong	**stronger**	**strongest**
good	**better**	best
high	higher	**highest**
big	bigger	**biggest**

VII. Find out the verbs in the following sentences and tell whether they are Transitive or Intransitive. Also pick out the objects and tell whether they are Direct or Indirect :

S.No.	Verb	Transitive/Intransitive	Direct	Indirect
1.	liked	transitive	idea	–
2.	was pleased	intransitive	–	–
3.	lost	transitive	pen	–
4.	have	transitive	flow	–
5.	gave	transitive	prize	me
6.	pursued	transitive	thieves	–
7.	failed	intransitive	–	–
8.	told	transitive	story	me
9.	shines	intransitive	–	–
10.	weeps	intransitive	–	–

16. No Men are Foreign
(न कोई विदेशी)

हिन्दी अनुवाद

याद रखें, कोई व्यक्ति अजनबी नहीं है, न कोई देश-विदेशी,
सभी परिधानों के नीचे, हमारे जैसा शरीर ही साँस लेता है
जिस भूमि पर हमारे भाई चलते हैं वह
इस जैसी पृथ्वी ही है, जिसमें हम सभी मृत्यु को प्राप्त होंगे।
वे भी धूप, पानी और वायु से अवगत शान्तिपूर्ण अन्न से पलते हैं,

युद्ध के चिरकाल शीत से भूखें मरते हैं,
उनके हाथ हमारे हाथ हैं और उनकी जिन्दगियों में हम पाते हैं
परिश्रम जो हमारे श्रमों से अभिन्न है।
याद रखें, उनकी आँखें हमारी जैसी हैं जो जागती हैं
या सोती हैं, और शक्ति जो प्रेम से जीती जा सकती है
प्रत्येक देश में जीवन सार्वकालिक है
जिसे सभी पहचान सकते हैं, समझ सकते हैं।
हम याद रखें, जब कभी हमसे अपने भाइयों से घृणा करने को कहा जाता है
तो हम स्वत्व का ही हरण करते हैं
स्वयं से विश्वासघात करते हैं, स्वयं की निन्दा करते हैं,
याद रखें, हम वे जो एक-दूसरे के विरुद्ध शस्त्र उठा लेते हैं।
यह मानवी भूमण्डल जिसे हम अपवित्र करते हैं,
आग और धूल-मिट्टी के हमारे नरक,
उस वायु की पवित्रता को कलंकित करते हैं जो सर्वत्र हमारी है।
(अत:) याद रखें, न कोई व्यक्ति अजनबी है, और न कोई देश-विदेशी।

कविता—यह कविता शान्ति और भ्रातृत्व का पाठ सिखाती है और युद्धोन्मादी राजनीतिज्ञों को चुनौती देती है। इस संसार में रहने वाले सभी व्यक्ति वंश, रंग, भाषा और धर्म के भेद-भाव के बिना एक ही परम पिता की सन्तान हैं। इस प्रकार हम सभी परस्पर भाई हैं। फिर भी हम निरर्थक बातों पर झगड़ते हैं और परस्पर प्रेम करने के बजाय युद्ध करते हैं।

Meanings : strange = अजनबी, foreign = विदेश, uniform = परिधान, वर्दी, fed = खिलाया, peaceful harvests = शान्ति इकट्ठा करना (फसल की तरह), starv'd = भूख से मरना, recognize = पहचानना, dispossess = देखभाल करना, betray = विश्वासघात करना, condemn = अपराधी ठहराना, निन्दा करना, defile = गन्दा करना, दूषित करना, outrage = नियम तोड़ना, innocence = शुद्धता।

Reading Comprehension

I. Choose the most appropriate answer *(MCQs)* :

Ans. 1. (c), **2.** (a), **3.** (d).

II. Answer the following questions :

Q. 1. Does the earth where we are born and die, differ from man to man or it same for all? (क्या पृथ्वी जिस पर हम जन्म लेते और मरते हैं, सबके लिए भिन्न है या सबके लिए समान है?)

Ans. The earth does not differ from man to man. It is the same for all. (पृथ्वी किसी के लिए भिन्न नहीं है। यह सबके लिए समान है।)

Q. 2. If we go to war, what does it really mean? Whom do we kill in the war? (यदि हम युद्ध करते हैं, इसका क्या मतलब है? हम युद्ध में किसको मारते हैं?)

Ans. If we go to war, it means that we defile our earth. We kill our own brothers in war. (यदि हम युद्ध करते हैं, इसका अर्थ है कि हम अपनी पृथ्वी को दूषित करते हैं। हम युद्ध में अपने भाइयों को मारते हैं।)

Q. 3. What lesson does this poem teach us? (यह कविता हमें क्या पाठ सिखाती है?)

Ans. The poem teaches us the lesson of brotherhood. (यह कविता हमें भाईचारे का पाठ पढ़ाती है।)

Q. 4. What do we really think about other men and countries? (दूसरे लोगों और देशों के बारे में वास्तव में हम क्या सोचते हैं?)

Ans. We think that other men are strangers and other countries are foreign. (हम सोचते हैं कि दूसरे लोग अजनबी हैं और दूसरे देश विदेशी हैं।)

Q. 5. What does the poet want us to recognize and understand in the world? (कवि हमें संसार में क्या पहचानना और समझाना चाहता है?)

Ans. The poet wants us to recognize and understand that every land has common life. (कवि चाहता है कि हम पहचानें और समझें कि प्रत्येक देश में सार्वकालिक जीवन है।)

Q. 6. What does the poet advise us to think about other men and countries before going to war? (कवि हमें युद्ध करने से पहले दूसरे लोगों और देशों के बारे में क्या सोचने का परामर्श देता है?)

Ans. Before going to war, the poet advises us to think other men as our brothers and other countries as our own. (युद्ध पर करने से पहले, कवि हमें दूसरे लोगों और देशों को स्वयं के जैसा सोचने का परामर्श देते हैं।)

Q. 7. What do we make dirty by going to war against any nation? (हम किसी राष्ट्र के विरुद्ध युद्ध करके क्या अपवित्र करते हैं?)

Ans. By going to war against any nation, we make our air dirty, that is everywhere our own. (किसी राष्ट्र के विरुद्ध युद्ध करके, हम अपनी वायु को अपवित्र करते हैं, जो सर्वत्र हमारी है।)

Language Skills Mastery

III. Pick out the auxiliary verbs in the following sentences and say whether they are primary or modal :

Auxiliary verbs

S.No.	Primary	Modal
1.	were	–
2.	did	–
3.	–	can
4.	is	–

5.	–	ought to
6.	–	must
7.	–	may
8.	–	will
9.	have	–
10.	do	–

IV. Fill in the blanks of the following sentences with suitable auxiliary verb :

1. are, **2.** do, **3.** will, **4.** will, **5.** did, **6.** will/did, **7.** does, **8.** were, **9.** will, **10.** will.

17. Father Abraham Lincoln : Fighter of Slavery
(फादर अब्राहम लिंकन : दासता का योद्धा)

हिन्दी अनुवाद

प्राचीन सभ्यता में गुलामी (दास-प्रथा) बहुत जानी-पहचानी थी परन्तु धीरे-धीरे मनुष्य ने समझना आरंभ किया कि दूसरों की आजादी उतनी ही महत्त्वपूर्ण और मूल्यवान है जितनी स्वयं की अपनी। अत: मनुष्य ने दास-प्रथा की समाप्ति के लिए संघर्ष शुरू किया। अमेरिका का गृह-युद्ध, जो एक भयंकर युद्ध था, अमेरिका से दास-प्रथा को समाप्त करने के लिए लड़ा गया। इस युद्ध का प्रणेता (नेता) अब्राहम लिंकन थे जिसने दासों की आजादी के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया।

अमेरिका की खोज पन्द्रहवीं शताब्दी के अन्त में कोलम्बस ने की और तब तक उसके विषय में कोई नहीं जानता था। इसकी खोज के बाद यूरोप से काफी संख्या में लोग अमेरिका की ओर दौड़ पड़े और वहाँ बस गये क्योंकि वहाँ असीमित अवसर थे। जहाँ वन थे वहाँ नई कालोनियाँ (बस्तियाँ) और सड़कों के साथ नगर बसाये गये। कुछ वर्षों तक सब शान्ति से चलता रहा। परन्तु बाद में, ब्रिटिश सरकार एवं वहाँ बस जाने वालों के मध्य झगड़ा हुआ। वहाँ नये बसने वाले नहीं चाहते थे कि वे कानून और टैक्स जिनकी उन्होंने स्वीकृति नहीं दी थी एक विदेशी सरकार उन पर थोपे। जो युद्ध हुआ उसमें सरकार पराजित हो गई और अमेरिका की कालोनियों का इंग्लैण्ड से सम्बन्ध-विच्छेद हो गया। वे अब संयुक्त राज्य अमेरिका बन गए जिस पर चार वर्षों के लिए जनता द्वारा चुना गया उनका अपना राष्ट्रपति शासन करता था।

अब्राहम लिंकन एक निर्धन परिवार के थे और उसने अपना लड़कपन और युवावस्था लकड़ी की कुटिया में बिताये थे। वे अपने पिता की वृक्षों को काटने, खेतों को जोतने अथवा अपनी कुटियों की मरम्मत करने अथवा बनाने में सहायता करते थे। वे अपनी माता को अधिक प्रेम करते थे, जो एक निर्भीक, बहादुर और बुद्धिशील महिला थी। उनकी सारा नाम की एक बेटी भी थी। जब उनका दिन का कार्य समाप्त हो जाता था तो वे अपने बच्चों को जब तक वे सो नहीं जायें अद्‌भुत कथायें सुनाया करती थीं परन्तु दुर्भाग्य से जब अब्राहम केवल ग्यारह वर्ष के थे, वे स्वर्ग सिधार गईं। अब्राहम अपनी माता का यह कथन याद किया करते थे, ''जो कुछ मैं हूँ अथवा होने की आशा करती हूँ, मैं अपनी देवी माता की ऋणी हूँ।''

वे रात को आग के निकट पढ़ा करते थे। परन्तु उनके पास पैन, स्याही, स्लेट या पेंसिल नहीं थीं। अपने पिता के फावड़े को कागज और जली लकड़ी के टुकड़ों को पेंसिल की भाँति वे प्रयोग में लाया करते थे। उनके पास केवल तीन पुस्तकें थीं—ईसप की कहानियाँ, पिलग्रिम प्रोग्रेस और बाइबिल।

अब्राहम जवान हो गये। वे छ: फीट और चार इंच लम्बे थे, पतली, लम्बी टाँगें और भुजाएँ और सिर पर भूरे बाल। अब दो अति महत्त्वपूर्ण घटनाएँ हुईं जो उनके जीवन में निर्णायक सिद्ध हुईं।

एक दिन अब्राहम को एक वकील के द्वारा अपने मुवक्किल के बचाव में दिये गये मर्मस्पर्शी भाषण सुनने का अवसर मिला, जिस मुवक्किल पर हत्या का आरोप लगाया गया था। उसे (भाषण को) सुनकर, अब्राहम ने सोचा कि मनुष्य की वाणी में महान् शक्ति है। इस प्रकार तभी उसने एक बड़ा वक्ता बनने का निश्चय किया और अपने मित्रों का सम्बोधन करके अथवा उनके साथ तर्क-वितर्क करके अभ्यास करना शुरू कर दिया। शीघ्र ही वे भाषण देने में इतने कुशल हो गये कि वे आसानी से ही हजारों हृदयों को द्रवित कर देते।

दूसरी घटना ने उनके दिल में करुणा की भावनाएँ विकसित कर दीं। एक बार उन्होंने अश्वेत (काले) महिलाओं और पुरुषों को खेतों में घोर परिश्रम करते और नदी के दोनों किनारों पर सफाई करते अथवा जहाज से सामान उतारने-ढोने के स्थानों से अति विशाल बोझे ले जाते हुए देखा। यदि वे लापरवाही करते अथवा अपने माथे के पसीने को पोंछने के लिए रुक भी जाते, तो उनकी निगरानी करने वाले गोरे व्यक्ति निर्दयतापूर्वक उन्हें कोड़ों से पीटते थे जब तक कि उनके शरीरों से रक्त निकलने लगता था। लिंकन ने कभी नहीं सोचा था कि कोई पुरुष दूसरे के प्रति इतना क्रूर हो सकता है। न्यू आर्लियन्स के बाजार में, उन्होंने अश्वेत पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को पशुओं की भाँति क्रय और विक्रय होते हुए देखा। इसलिए उन्होंने मुट्ठी भींची और सोचा, ''जब कभी मुझे दास-प्रथा पर चोट करने का मौका मिलेगा, मैं जोर की चोट (कठिन आघात) करूँगा।''

शीघ्र ही अब्राहम को एक स्टोर में प्रबन्धक बनाया गया। परन्तु उसने इस कार्य में रुचि नहीं थी क्योंकि वे हृदय से व्यापारी नहीं थे। वे गुलामों के लिए आजादी लाकर प्रजातन्त्र को वास्तविक बनाना चाहते थे। स्टोर में, वे प्राय: सपनों में खोये रहते अथवा अपने ग्राहकों को एक के बाद दूसरी कहानियाँ सुनाकर प्रसन्न करते रहते। एक दिन जब अब्राहम अपने स्वप्नों में खोये हुए थे, उसने एक महिला को चाय तोल में कम दे दी। महिला इसे जाने बिना चली गई। परन्तु अब्राहम ने दूसरे दिन अपनी गलती जान ली। उसने अधिक चाय पैक की और उस महिला के यहाँ पहुँचे। वह महिला उनकी ईमानदारी पर चकित रह गई।

उन्होंने अपने व्यवसाय एक के बाद एक बदले और अन्त में वे एक सफल वकील बन गये। अदालत में उन्हें सुनने के लिए लोगों की भीड़ लग जाती थी। वे केवल सही मुकदमे ही स्वीकार करते थे और कभी भी गलत मुकदमों की पैरवी नहीं करते थे। इस प्रकार अब्राहम जनता में एक अति ईमानदार, हँसमुख, दयालु और बिना किसी भेद-भाव के सभी के हितैषी के रूप में लोकप्रिय हो गये। इस प्रकार इन सद्गुणों ने स्टेट असेम्बली (राज्य-विधानमण्डल) का चुनाव जीतने में अब्राहम की सहायता की, परन्तु लिंकन अब भी वही निर्लोभी व्यक्ति थे। अत: लोगों ने भविष्यवाणी की कि लिंकन न्यूयॉर्क की बड़ी दुनिया में असफल रहेंगे।

परन्तु जब वे न्यूयॉर्क में पहुँचे, उसने दास-प्रथा के विरुद्ध ऐसे स्वर में भाषण दिया कि उनकी ठिठोली करने वालों के दिल भी द्रवित हो गये और वे भी दासों के प्रति सहानुभूति के लिए

विचलित हो उठे। लिंकन ने तर्क दिया कि प्रत्येक मनुष्य, चाहे किसी रंग का हो, स्वतन्त्र होने का अधिकार रखता है। लिंकन दासता का उन्मूलन चाहते थे क्योंकि वे सोचते थे कि यह गलत है कि एक मानव दूसरे का स्वामी हो। राष्ट्र ने लिंकन में अपना विश्वास दर्शाया और उन्हें 1860 संयुक्त राज्य अमेरिका (U.S.A.) का में राष्ट्रपति निर्वाचित कर दासता के विरुद्ध अपना फैसला दिया।

परन्तु दक्षिण वालों ने धमकी दी कि यदि दासता का उन्मूलन उन पर थोपा गया तो वे अपना अलग राज्य बना लेंगे। अत: उन्होंने युद्ध शुरू कर दिया जो चार वर्षों तक चला। परन्तु लिंकन ने उसे बहादुरी से लड़ा। राष्ट्रपति पद की उनकी चार वर्ष की अवधि समाप्त हो गई। फिर भी जनता ने उन्हें चार वर्षों तक दूसरी अवधि के लिए पुनर्निर्वाचित किया।

लिंकन के लिए शानदार विजय के साथ युद्ध अप्रैल 1865 में समाप्त हुआ। सम्पूर्ण राष्ट्र ने चैन की साँस ली। दासता से मुक्त नीग्रो पुरुष, स्त्रियाँ और बच्चे, फादर अब्राहम के प्रति कृतज्ञता से परिपूर्ण हो गये। दक्षिण को छोड़कर सारे देश में खुशियाँ मनाई गईं।

परन्तु इस महान् सत्कर्म के साथ ही, लिंकन के इस संसार में दिन भी समाप्त हो गये। अपनी विजय के पाँच दिन बाद, एक संध्या को अपने परिवार के सदस्यों के साथ वे थियेटर गये। वह नाटक देख रहे थे जब एक व्यक्ति उनके पीछे चोरी-चोरी पहुँचा, लिंकन के सिर पर रिवाल्वर दागा और यह चीखते हुए स्टेज पर कूदा, ''दक्षिण ने बदला ले लिया है, तानाशाहों का यही हश्र होता है।''

इस प्रकार भाग्य की विडम्बना से लिंकन नहीं बच सके और दासता के महानतम योद्धा के रूप में अमर हो गये।

Meanings : ancient = पुराना, प्राचीन, abolish = समाप्त करना, initiated = आरम्भ किया, मार्ग-दर्शक, opportunities = अवसर, consented = सहमत हो गया, ceased = रुक गया, रोका गया, shovel = फावड़ा, बेल्चा, fumbled = लडखड़ाना, sweat = पसीना, clenched his fist = दृढ़ निश्चय करना, मुट्ठी भींचना, amused = मनोरंजन किया, ungainly = निर्लोभी, verdict = न्याय, निर्णय, rejoicings = आनन्दकर, आनन्द, avenged = बदला लिया।

Reading Comprehension

I. Choose the most appropriate answer *(MCQs)* :

Ans. 1. (c), **2.** (c), **3.** (b), **4.** (c).

II. Tell which statements are True and which are False. Correct the false ones :

1. Many people of America favoured Lincoln. **2.** True, **3.** True, **4.** Lincoln got victory in Civil War, **5.** True, **6.** Abraham was not interested in business. **7.** True, **8.** Abraham argued that slaves have claim to be free.

III. Match the words under 'A' with their meanings under 'B' :

	'A'			'B'
1.	Abolished	→	(f)	Ended
2.	Moving	→	(d)	Effective
3.	Rejoicings	→	(h)	Merry-makings
4.	Verdict	→	(b)	Judgement

5.	Slavery	→	(a)	State of not being free
6.	Events	→	(g)	Happenings
7.	Shovel	→	(e)	A kind of spade
8.	Sweat	→	(c)	Perspiration

IV. Answer the following questions in your own words :

Q. 1. How was the slavery in America abolished? (अमेरिका में दास-प्रथा का अंत कैसे हुआ)

Ans. The slavery of America was abolished by civil war. (अमेरिका में दास-प्रथा का अंत गृह-युद्ध के द्वारा हुआ।)

Q. 2. Who was the pioneer of the Civil War of America? (अमेरिका के गृह-युद्ध के प्रणेता (नेता) कौन थे?)

Ans. Abraham Lincoln was the pioneer of the civil war of America. (अब्राहम लिंकन अमेरिका के गृह-युद्ध के प्रणेता थे।)

Q. 3. How did the United States of America come into being? (संयुक्त राज्य अमेरिका किस प्रकार अस्तित्व में आया?)

Ans. The settlers defeated the English Government and United States of America came into being. (वहाँ बसने वालों ने ब्रिटिश सरकार को पराजित किया और संयुक्त राज्य अमेरिका अस्तित्व में आया।)

Q. 4. Describe the early life of Abraham Lincoln. (अब्राहम लिंकन के प्रारम्भिक जीवन का वर्णन कीजिए?)

Ans. Abraham Lincoln belonged to a poor family. He loved his mother dearly who used to tell wonderful tales of bravery. (अब्राहम लिंकन एक निर्धन परिवार से थे। वह अपनी माता से अधिक प्रेम करते थे जो उन्हें बहादुरी की कथायें सुनाती थी।)

Q. 5. How did he read and write? What books had he with him? (वह कैसे पढ़े-लिखें? उनके पास कौन-सी पुस्तकें थी?)

Ans. He used to read by the fireside at night. He used the shovel of his father as paper and pieces of burnt wood as pencil. He had only three books, Aesop's Fables, The Pilgrim's Progress and the Bible. (वे रात को आग के निकट पढ़ा करते थे। वे अपने पिता के फावड़े को कागज और जली लकड़ी के टुकड़ों को पेंसिल की भाँति उपयोग करते थे। उनके पास केवल तीन पुस्तकें थीं—ईसप की कहानियाँ, पिलग्रिम प्रोग्रेस और बाइबिल।)

Q. 6. What were the two events which proved to be the turning points in Lincoln's life? (वे दो घटनाएँ क्या हैं जो लिंकन के जीवन में निर्णायक सिद्ध हुई?)

Ans. Two events proved to be the turning points in Lincoln's life. One was that Abraham heard a moving speech made by a lawyer. He made up his mind to become a great speaker. The second event developed the feelings of pity in his heart, when he saw black men and women working hard and being beaten and whipped mercilessly for no fault. (दो घटनाएँ लिंकन के जीवन में निर्णायक सिद्ध हुईं। पहली थी कि अब्राहम ने एक वकील के मर्मस्पर्शी भाषण को सुना। उन्होंने एक महान् वक्ता बनने का निश्चय किया। दूसरी घटना ने उनके हृदय में दया की भावनाओं को विकसित किया, जब उन्होंने अश्वेत (काले) पुरुषों व महिलाओं को घोर परिश्रम करते और बिना किसी दोष के निर्दयतापूर्वक कोड़ों से पिटते देखा।)

Q. 7. Give an incident to prove that Lincoln was a very honest man. (एक घटना से सिद्ध कीजिए कि लिंकन एक ईमानदार व्यक्ति थे।)

Ans. (a) As a lawyer Lincoln never took wrong cases. (लिंकन ने कभी गलत मुकदमों की पैरवी नहीं की।)

(b) Once Lincoln, as manager of a store, gave a woman short weight of tea. When he discovered his mistake, he packed more tea and delivered it to the at woman. (एक बार लिंकन ने एक स्टोर के प्रबन्धक होकर, एक महिला को चाय तोल में कम दे दी। जब उन्हें अपनी गलती पता चली उन्होंने अधिक चाय पैक की और उस महिला को लौटा दी।)

Q. 8. How did Lincoln rise to become the President of the United States of America? (लिंकन किस प्रकार संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति बने?)

Ans. As a lawyer, Lincoln become popular as a very honest man, who was cheerful, kind and well-wisher of all. In New York, his speech against slavery moved the hearts of the people. The nation showed its confidence in him by electing him the President of USA in 1860. (एक वकील की तरह वह एक ईमानदार व्यक्ति, हँसमुख, दयालु और सभी के हितैषी के रूप में लोकप्रिय हो गये। न्यूयॉर्क में, उनके भाषण ने लोगों के दिलों को द्रवित कर दिया। राष्ट्र ने लिंकन को 1860 में यू०एस०ए० का राष्ट्रपति निर्वाचित कर उनमें अपना विश्वास दर्शाया।)

Q. 9. How did Lincoln fulfil the great mission of his life? (लिंकन ने अपने जीवन का महान् उद्देश्य कैसा पूरा किया?)

Ans. Lincoln abolished slavery and fought the civil war against the southener for four years and won it. (लिंकन ने दास-प्रथा समाप्त की और दक्षिण वालों के विरुद्ध गृह युद्ध लड़ा और जीता।)

Q. 10. How did Lincoln meet the end of his life? What will you call his death? (लिंकन के जीवन का अंत किस प्रकार हुआ? आप उनकी मृत्यु को क्या कहेंगे?)

Ans. After five days of his victory, Lincoln went to the theatre, where a man stood behind him and fired a revolver at his head, shouting, "The South is avenged." His death was martyrdom. He became immortal as the greatest freedom fighter of slavery. (अपनी विजय के पाँच दिन बाद, लिंकन थियेटर गये, जहाँ एक व्यक्ति उनके पीछे खड़ा हो गया और उनके सिर पर रिवाल्वर दागा, चीखा ''दक्षिण ने बदला ले लिया''। उनकी मृत्यु शहादत थी। वह दासता के महानतम योद्धा के रूप में अमर हो गये।)

Language Skills Mastery

V. Use the following phrases in sentences of your own. Meanings of each of the phrases are given in the brackets :

1. The switch over to free-economy in our country may prove a **turning point** in our history.
2. India will gain her ancient glory **by and by**.
3. The terrorists have **laid down** their arms.
4. We should do our duty **then and there**.
5. Lincoln **made up his mind** to end slavery in America, when he was quite young.
6. The whole world was shocked and **heaved a sigh** on the death of.

VI. A. Pick out the verbs in the following sentences and say whether they are in Active or Passive Voice :

1. bought — Passive
2. is reading — Active
3. had arrested — Active
4. will have been caught — Passive
5. eats — Active

B. Change the following as directed in the brackets :

1. Roy was elected the captain of the hockey team.
2. Does your teacher teach you?
3. The roads were not swept by the sweeper today.
4. The man is being shaved by the barber.
5. The mother has cooked five chapatis.

18. The Fisherman And The Giant-I
(मछुआ और दानव-I)

हिन्दी अनुवाद

यह कहानी एक निर्धन मछुए की है, जो भोजन खरीदने के लिए धन पाने को बहुत चिन्तित और दु:खी था। उसकी एक पत्नी और तीन बच्चे थे जो भूखे मर रहे थे। एक दिन वह मछलियाँ पकड़ने के लिए समुद्र की ओर चल दिया। उसने अपना जाल समुद्र में फेंका और कुछ देर तक प्रतीक्षा की। तब उसे लगा कि जाल में कुछ बहुत बड़ी वस्तु है। अत: उसने फिर जाल को बाहर निकाला और एक गाय का शव देखा। वह उम्मीद छोड़ चुका था मगर फिर भी उसने समुद्र में जाल पुन: फेंका फिर उसने वही महसूस किया कि जाल में कोई भारी चीज है। अत: उसने फिर जाल खींचा और तीन पुराने बर्तन देखे परन्तु मछली कोई भी नहीं थी। वह और अधिक निराश हुआ और समझ नहीं पा रहा था कि क्या करे। उसे याद आया कि उसकी पत्नी और बच्चे भूखे मर रहे हैं और वह उनके लिए भोजन का प्रबन्ध करने (घर से) बाहर आया था।

तब उसने पुन: तीसरी बार जाल समुद्र में फेका। कुछ समय बाद, वह बहुत आशावान था कि उसे कोई मछली मिलेगी। परन्तु इस बार उसने केवल पत्थर देखे। उसने सोचा, ''मैं एक बार और जाल फेकुगाँ और फिर आगे नहीं फेकुगाँ।'' अत: उसने जाल फेंका और कुछ देर तक प्रतीक्षा की। तब उसने उसे खींचा। उसने देखा कि जाल में मछली कोई नहीं है। परन्तु सोने का एक जार है। जार का मुँह बन्द था और ढक्कन पर कुछ लिखा हुआ था।

अब मछुआ बहुत प्रसन्न और आशावान था। उसने कहा, ''मेरा विचार है कि अब मेरे भाग्य ने मेरी सहायता की है। मुझे कुछ मिला है और अब मैं अपने बच्चों के लिए कुछ भोजन खरीद सकूँगा। यह एक सोने का जार है, मैं इसे बेच दूँगा और उस पैसे से भोजन ले लूँगा।'' जब उसने जार यह देखने के लिए कि उसमें क्या है खोला, एक विशाल दानव बाहर आ गया। उसे देखकर मछुआ बहुत डर गया। दानव बोला, ''ओ मछुए, अब तैयार हो जा। तुमने जार खोला है और इस बात के कारण मैं तुम्हें मार दूँगा।'' ''परन्तु कृपया मुझे बतायें कि तुम मुझे क्यों मरना चाहते हो? मैंने तुम्हें क्या हानि पहुँचायी है? मैं एक गरीब मछुआ हूँ। मैं बच्चों और पत्नी के लिए भोजन की तलाश में हूँ जो भूखे मर रहे हैं। कृपया मुझे क्षमा करें और मुझे न मारें। मुझ पर दया करें।''

परन्तु दानव चिंघाड़ा, ''नहीं, तुम्हें अवश्य मरना पड़ेगा और मैं तुम्हें अवश्य मार डालूँगा। मैं केवल यही जानना चाहता हूँ कि तुम किस प्रकार मरना चाहते हो। क्या मैं तुम्हें अपने हाथ से मारूँ अथवा समुद्र में फेक दूँ?'' मछुए ने कहा, ''परन्तु मैं मरना नहीं चाहता। कृपा करके मुझ पर, मेरी पत्नी और बच्चों पर तरस खाओ।''

दानव ने बताया, ''सुनो मैं अपने राजा, दानवों के राजा से नाराज हो गया। अत: उसने मुझे इस जार में बन्द कर दिया। जार के ढक्कन पर, उसने अपना नाम लिख दिया जिससे मैं बाहर न निकल सकूँ। तब उसने जार को समुद्र में फेंक दिया। जब मैं जार के अन्दर था, मैंने कहा, ''यदि कोई मनुष्य इस जार को खोल देगा, मैं उसे एक महान् राजा बना दूँगा।'' एक सौ वर्ष बीत गये और किसी मनुष्य ने जार नहीं खोला। तब मैंने कहा, ''मैं उसे महान् राजा नहीं बनाऊँगा। परन्तु एक राजा बनाऊँगा।'' दो सौ वर्ष गुजर गये और किसी मनुष्य ने जार नहीं खोला, तब मैंने कहा, ''मैं उसे राजा नहीं बनाऊँगा परन्तु एक धनवान मनुष्य बना दूँगा।'' तीन सौ वर्ष बीत गये और किसी आदमी ने जार नहीं खोला तब मैं नाराज हो गया और मैंने कहा, ''यदि कोई आदमी अब जार

खोलेगा, मैं उसे अवश्य मार डालूँगा और उससे पूछूँगा कि वह किस प्रकार मरना चाहता है। अत: तुम समझ गये कि तुमने जार खोला है और तुम मारे जाओगे। अत: मुझे बताओ तुम किस प्रकार मरना चाहते हो?''

मछुए ने कुछ देर सोचा और एक युक्ति निकाल ली। उसने कहा, ''मरने से पूर्व, मैं आपसे एक बात पूछना चाहता हूँ। क्या आप कृपा करके उत्तर देंगे?'' ''अवश्य दूँगा,'' दानव बोला, ''यदि तुम शीघ्र पूछोगे।''

मछुआ बोला, ''क्या आप इस जार में थे?'' दानव बोला, ''(हाँ) मैं था।''

मछुए ने जार को देखा और बोला, ''आप इतने विशालकाय हैं। आप इस जार में कैसे बैठ सकते हैं? आप झूठ बोल रहे हैं।''

दानव इन शब्दों को सहन नहीं कर सका और उत्तेजित हो गया। उसे मछुए पर बहुत गुस्सा आया वह फिर से तुरन्त छोटा हो गया और जार में घुस गया। उसने मछुए से क्रोधपूर्वक कहा, ''अब स्वयं देख लो मैं इस जार में कैसे बैठता हूँ।''

अब मछुए ने साहस बटोरा, शीघ्रता से ढक्कन लिया और जार पर ढक दिया। तब वह बोला, ''अब, श्रीमान जी, मैं जार समुद्र में वापस फेंक दूँगा और सभी मछुओं से कह दूँगा कि इसे फिर न निकाला जाये। अत: यह जार समुद्र में रहेगा और एक दिन तुम मर जाओगे।'' अब दानव असहाय हो गया। वह फिर से जार में कैद हो गया था। वह जार से बाहर नहीं आ सकता था क्योंकि दानवों के राजा का नाम ढक्कन पर लिखा था।

तब दानव बोला, ''मेरे साथ एक मेहरबानी करो। यदि आप जार खोल देंगे, मैं वचन देता हूँ तुम्हें धनवान बना दूँगा।'' परन्तु मछुआ अपनी चतुर युक्ति के द्वारा ही मृत्यु से बच सका था। अत: वह दुबारा वैसी गलती करने को तैयार नहीं था। परन्तु दानव ने उससे बार-बार बड़ी विनम्रता से जार खोलने की प्रार्थना की। मछुए को उस पर तरस आ गया, परन्तु बोला, ''नहीं, तुम मुझे मार डालोगे। मैं तुम्हारी प्रार्थना स्वीकार नहीं करता।''

दानव बोला, ''नहीं, मैं तुम्हें नहीं मारूँगा। यह मेरी पक्की प्रतिज्ञा है। मैं तुम्हें बहुत धनवान बना दूँगा।'' यह सुनकर मछुए ने जार पुन: खोल दिया।

दानव जार से बाहर निकला और उसने जार को तुरन्त समुद्र में फेंक दिया। तब दानव मछुए को नीले जल के एक विशाल सागर पर ले गया और उससे जाल डालने को कहा। मछुए ने अपना जाल डाला और कुछ समय बाद उसे बाहर निकाला। उसने जाल में तीन मछलियाँ देखीं, वे बहुत सुन्दर मछलियाँ थीं—लाल, श्वेत और सुनहरी। दानव बोला, ''मछलियाँ राजा के पास ले जाओ और वह तुमको उनके बदले बहुत धन देगा क्योंकि वह मछलियों का बड़ा शौकीन है।'' दानव ने अपने पैर से एक पत्थर पर ठोकर मारी, पृथ्वी में एक बड़ा छेद खुल गया और वह उसके भीतर होता हुआ नीचे चला गया। इस प्रकार मछुए ने दानव को आजाद कर दिया।

Meanings : distressed = दु:खी, worried = चिन्तित, starving = भूख से मरता हुआ, took in the net = जाल में फँसा, put out the net = जाल फेंका, in a fix = व्यथित चिन्तित, favoured = सहायता की, पक्ष लिया, terrified = भयभीत, in search of खोज में, रास्ता खोजना, roared = जोर से गरजा,, without fail = निश्चय (पूर्वक) ही, went by = गुजरा, hit upon = सोचा, annoyed = क्रुद्ध, imprisoned = बन्द किया, solemn = दु:ख।

Reading Comprehension

I. Choose the most appropriate answer *(MCQs)* :

Ans. 1. (c), **2.** (b), **3.** (d).

II. Tell which statements are true and which are false. Correct the false ones :

1. A great Giant came out of the jar of gold.

2. The fisherman could escape himself from death by his clever trick.

3. The fisherman was very much distressed because he was very poor.

4. When the fisherman took in the net for the first time, he found the dead body of a cow.

5. The King of Giants wrote his name on the top of the jar so that the Giant shut up within might not come out of the jar.

III. Match the adjectives in list 'A' with suitable nouns in list 'B' :

	'A'			'B'
1.	Beautiful	→	(c)	Fish
2.	Great	→	(a)	Giant
3.	Poor	→	(b)	Fisherman
4.	Clever	→	(h)	Trick
5.	Blue	→	(g)	Water
6.	Heavy	→	(e)	Stone
7.	Rich	→	(f)	Man
8.	Solemn	→	(d)	Primise

IV. Answer the following questions briefly :

Q. 1. Why did the fisherman go to the sea? (मछुआ समुद्र की ओर क्यों गया?)

Ans. The fisherman went to the sea to catch fish. (मछुआ मछलियाँ पकड़ने के लिए समुद्र की ओर गया।)

Q. 2. How many times did he put in his net into the sea? (उसने कितनी बार समुद्र में अपना जाल फेंका?)

Ans. He put his net four times into the sea. (उसने चार बार समुद्र में अपना जाल फेंका।)

Q. 3. What did he get every time when he took in his net? (जब उसने अपना जाल फेंका तब प्रत्येक बार उसे क्या मिला?)

Ans. First, he got a dead body of a cow. Then he found three old pots and the third time, he got only stones. Finally, he got a jar made of gold. (पहले उसे गाय का शव मिला। फिर उसे तीन पुराने

बर्तन मिले, तीसरी बार उसे केवल पत्थर मिले। अन्त में उसे एक सोने का जार मिला।)

Q. 4. Why was the fisherman afraid when he opened the jar? (जब उसने जार खोला तो मछुआ भयभीत क्यों था?)

Ans. When the fisherman opened the jar, a great Giant came out. That is why he became afraid. (जब मछुए ने जार खोला तो एक विशाल दानव बाहर आया। मछुए के भयभीत होने का यही कारण था।)

Q. 5. Why was the Giant imprisoned in the jar and by whom? (दानव को क्यों और किसके द्वारा जार में बन्द किया गया था?)

Ans. The king of Giants imprisoned the Giant in the jar because he had angered his king. (दानवों के राजा ने दानव को बंद किया था क्योंकि वह अपने राजा से क्रुद्ध हो गया था।)

Q. 6. What promises did the Giant make for the man who opened the jar for him to come out? (दानव ने उस व्यक्ति के लिए क्या वादे किए जिसने उसके बाहर आने के लिए जार खोला?)

Ans. The Giant made several promises one after the other. First he promised to make the man who opened the jar a great king. Then a king and then a rich man. But in the end, he promised to kill the man who opened the jar. (दानव ने एक के बाद एक अनेक वादे किए। पहले उसने उस व्यक्ति के लिए जिसने जार खोला, एक महान् राजा बनाने का वादा किया। फिर एक राजा और फिर एक धनवान मनुष्य। लेकिन अन्त में उसने उसे मारने का वादा किया जिसने जार खोला।)

Q. 7. When could the Giant find such a man and who was he? (दानव को ऐसा व्यक्ति कब मिला और वह कौन था?)

Ans. After six hundred years, the Giant could find such a man who opened the jar. He was a poor fisherman. (छह सौ वर्ष बाद, दानव को एक ऐसा व्यक्ति मिला जिसने जार खोला। वह एक निर्धन मछुआ था।)

Q. 8. Why was the Giant locked up again in the jar and by whom? (दानव को दोबारा जार में क्यों और किसके द्वारा बंद किया गया था?)

Ans. As the Giant would kill the poor fisherman, he was again locked up in the jar by the fisherman by a clever trick. (क्योंकि दानव निर्धन मछुए को मार देता, इसलिए मछुए ने चतुर युक्ति से दानव को दोबारा जार में बंद कर दिया।)

Language Skills Mastery

V. Find single words which have the following meanings :

Ans. 1. King, **2.** Shopkeeper, **3.** Fisherman, **4.** Giant, **5.** Soldier.

VI. Use the following words and phrases in your own sentences :

1. Hardworking boys and girls **shall be able** to rise high.

2. The poor fisherman was much **distressed** as his wife and children were starving.
3. The poor fisherman was **in a fix** when the Giant wanted to kill him.
4. For want of food, the wife and children of the fisherman were **starving**.
5. The fisherman **hit upon a plan** to save himself.
6. The Giant fulfilled his **solemn** promise.

VII. Complete the following sentences by filling in the blanks with correct prepositions :

Ans. 1. with; **2.** on; **3.** with; **4.** for; **5.** of; **6.** with; **7.** for; **8.** by; **9.** near; **10.** in.

Skills Practice

VIII. Write the sentences in correct sequence to make a story :

1. A young chick lived near a pond with its mother.
2. The mother had warned the chick never to go near the water.
3. The chick saw that its feet, wings and feathers were as good as those of a ducking.
4. One day, the chick saw some ducklings swimming in the pond.
5. Seeing them, it also jumped into the water to try swimming.
6. It realised that it could not swim.
7. The chick tried hard to get out of the water but it was all in vain.
8. It went down to the bottom and died.

19. The Fisherman And the Giant-II
(मछुआ और दानव-II)

हिन्दी अनुवाद

अब मछुआ राजा के पास गया और तीनों मछलियाँ उसे दे दी। राजा विस्मित हो जोर से बोले, ''कितनी सुन्दर मछलियाँ हैं।'' उसने अपने मंत्री से कहा, ''इन मछलियों को ले जाओ और रसोइये (cook) को देना और उससे कहना कि इन्हें तैयार करे।''

राजा ने मछुए को बहुत-सा सोना दिया। मछुआ बहुत प्रसन्न हुआ। उसने उसे बेच दिया और भोजन, कपड़े और वह सब जो उसकी पत्नी और बच्चे चाहते थे ले लिया।

राजा के रसोइये ने मछलियों को लिया और उन्हें एक बर्तन में रख दिया। उसने बर्तन आग पर रख दिया। तभी कमरे की दीवार खुली और एक सुन्दर स्त्री बाहर आई। वह बर्तन के पास गई और बोली, ''मछलियों, मछलियों! क्या तुम अपना कार्य कर रही हो?'' मछलियों ने कुछ नहीं कहा। उसने पुन: ''मछलियों, मछलियों! क्या तुम अपना कार्य कर रही हो?'' तब मछलियों ने अपने सिर ऊपर किये और बोलीं, ''हम हैं और प्रसन्न हैं।'' तब स्त्री ने बर्तन को नीचे गिरा दिया; दीवार फट गई और वह उसके अन्दर चली गई। मछलियाँ आग में गिर चुकी थीं और जल गई थीं।

राजा मछलियों की प्रतीक्षा कर रहा था। अत: उसने अपने मंत्री को जाने और देखने की आज्ञा दी कि मछलियाँ क्यों तैयार नहीं हैं। मंत्री रसोइये के पास गया, जिसने उन्हें यह बताया जो उसने देखा था। उसने (मंत्री ने) मछुए को बुलाया और तीन अन्य मछलियाँ लाने की आज्ञा दी।

मछुआ तीन और मछलियाँ लाया। रसोइये ने मछलियों को बर्तन में रखा और बर्तन को आग पर रख दिया। वही घटना फिर से हुई। मंत्री ने उसे (घटना को) अपनी आँखों से देखा और जो कुछ देखा था राजा को बताया। तब राजा ने भी उसे अपनी आँखों से देखना चाहा। अत: उसने मछुए को बुलाया और तीन और मछलियाँ लाने की आज्ञा दी।

मछुआ पुन: तीन मछलियाँ ले आया और उन्हें राजा को दे दिया। राजा ने उसे और सोना दिया। तब रसोइये ने मछलियों को एक बर्तन में रखा और उसे आग पर रख दिया। तब दीवार फट गई और दाढ़ी वाला एक बड़ा आदमी बाहर आया और वही घटना राजा के सम्मुख हुई। राजा चकित हुए और बोले, ''मैं इसके कारण का (अवश्य) पता लगाऊँगा।'' उसने मछेरे को बुलवाया और कहा, ''हे मछेरे, तुम ये मछलियाँ कहाँ से प्राप्त करते हो? उस स्थान पर हमें ले चलो।''

मछुआ राजा और उनके आदमियों को नीले जल के समुद्र एवं उसके निकट तीन पहाड़ियों के पास ले गया। राजा पहाड़ी पर ऊपर गये और लाल पत्थर का बना एक बड़ा मकान देखा। उसने द्वार खटखटाया परन्तु कोई बाहर नहीं आया। वे अन्दर गये और सुन्दर कमरे देखे, परन्तु वहाँ कोई (व्यक्ति) नहीं था। मकान के सभी ओर पुष्पों से भरे थे। तब राजा एक बड़े हॉल में गये। जब वे वहाँ खड़े थे, उसने किसी को बोलते सुना, ''मैं कितनी जल्दी मर जाऊँगा? मैं जीवित रहना नहीं चाहता।''

राजा ने कमरे के दूसरी ओर बैठे हुए एक युवक को देखा। राजा उसके पास गया परन्तु वह उठा नहीं और बोला, ''मुझे ज्ञात है (कि) आप एक राजा हैं परन्तु मैं खड़ा नहीं हो सकता।'' तब युवक ने कपड़ा हटा दिया और राजा ने देखा कि उसके पैर सफेद पत्थर के बने हुए हैं।

राजा ने कहा, ''यह कैसे? तुम्हारे पैर पत्थर के क्यों बने हैं? मछलियाँ क्यों बोलती हैं? सुन्दर स्त्री कमरे की दीवार से क्यों बाहर आती है? मुझे यह सब बताओ।''

युवक ने कहा, ''मैं आपको बताऊँगा। जहाँ यह समुद्र और ये तीन पहाड़ियाँ हैं, वहाँ कभी एक बड़ा नगर था। मेरे पिता उस नगर के राजा थे। मैंने एक सुन्दर स्त्री से विवाह किया, परन्तु वह मुझे प्यार नहीं करती थी। वह एक सेवक से प्रेम करती थी जिसे मैं मार देना चाहता था। मैंने उस पर वार किया परन्तु मैं उसे मार नहीं सका, अत: वह मरा नहीं। मेरी पत्नी बहुत नाराज हुई। वह कुछ बोली और मेरे पाँव पत्थर के हो गये, नगर तीन पहाड़ियाँ और नीले पानी का समुद्र हो गया और नगर के सभी पुरुष और महिलाएँ जल में मछलियाँ बन गये। इस बाग में सफेद पत्थर का बना एक छोटा घर है। उस घर में वह सेवक है। वह जीवित है, परन्तु चल नहीं सकता। प्रतिदिन मेरी पत्नी आती है और उससे मिलती है।''

तब राजा बगीचे में मकान पर गया, उसने वहाँ एक पलंग पर सेवक को देखा। उन्होंने उस नौकर को मार डाला; तब वे पलंग पर पहुँचे और इंतजार करने लगे। तब वह स्त्री आई और बोली, ''मेरे सेवक, क्या तुम प्रसन्न हो?''

राजा ने कहा, ''मैं सो नहीं सकता। वह राजा बहुत चीखता है क्योंकि उसके पाँव पत्थर में बदल गये हैं।

तब उस (महिला) ने कुछ जल लिया और उसे उस युवक पर फेंका, और उसके पैर पत्थर के नहीं रहे, अत: वह खड़ा हुआ और चलने लगा।

तब राजा ने कहा, ''मैं सो नहीं सकता क्योंकि नगर के पुरुष रात्रि में जल में से पुकारते हैं, उन्हें फिर से मनुष्य बनाओ।''

वह (स्त्री) नीले जल के बड़े समुद्र की ओर गई और कुछ बोली; और जहाँ समुद्र एवं तीन पहाड़ियाँ थीं, वहाँ एक नगर हो गया।

तब वह राजा के पास गई और बोली, ''मेरे सेवक, क्या आप प्रसन्न हैं? राजा ने कहा, ''निकट आइये।'' वह निकट आ गई। उन्होंने कहा, ''अधिक निकट आयें।'' तब उसने उसे मार दिया। वे युवक के पास गये और बोले, ''बुरी नारी मर चुकी है, नगर समुद्र नहीं है और पुरुष और स्त्रियाँ मछलियाँ नहीं हैं। सब वैसा ही है जैसा था।''

नगर के राजा ने मछुए के लिए बहुत-सा सोना और अनेक सुन्दर वस्तुएँ भेजीं और वह मछुआरा और उसकी पत्नी सदैव प्रसन्नतापूर्वक रहने लगे।

Meanings : cook = रसोइया, incident = घटना।

Reading Comprehension

I. Choose the most appropriate answer *(MCQs)* :

Ans. 1. (d), **2.** (c), **3.** (b).

II. Tell which statements are True and which are False. Correct the false ones :

1. The King ordered for more fish when the first three fish were burnt in the fire.

2. The King could kill the bad queen.

3. True

4. True.

III. Answer the following questions briefly :

Q. 1. Who brought the fish to the king and how many were they? (राजा के लिए मछलियाँ कौन लाया और वे कितनी थीं?)

Ans. The fisherman brought the fish to the king and they were three. (मछुआ राजा के लिए मछलियाँ लाया और वे तीन थीं।)

Q. 2. How did the king behave when he got these beautiful fish? (राजा ने कैसा व्यवहार किया जब उसे ये तीन सुदंर मछलियाँ मिलीं?)

Ans. The King sent the fish to the cook to prepare them and gave the fisherman much gold. (राजा ने मछलियों को तैयार करने के लिए रसोइये को भेज दी और मछुए को बहुत-सा सोना दिया।)

Q. 3. What did the cook do to the fish? (रसोइये ने मछलियों का क्या किया?)

Ans. The cook put the fish in the pot and put it on fire. (रसोइये ने मछलियों को बर्तन में रख दिया और बर्तन को आग पर रख दिया।)

Q. 4. What happened when the cook put the pot on fire? (जब रसोइये ने बर्तन को आग पर रखा तो क्या हुआ?)

Ans. When the cook put the pot on fire, the wall of the room opened and a beautiful woman came out. (जब रसोइये ने बर्तन को आग पर रखा तो कमरे की दीवार फट गई और एक सुन्दर स्त्री बाहर आई।)

Q. 5. Why was the fisherman asked to bring three more fish? (मछुए को तीन और मछलियाँ लाने के लिए क्यों कहा गया?)

Ans. The fisherman was asked three more fish as the three earlier fish were burnt. (मछुए को तीन और मछलियाँ लाने के लिए कहा गया क्योंकि पहली तीन मछलियाँ जल चुकी थीं।)

Language Skills Mastery

IV. Combine the following pairs of sentences using a suitable conjunction according to the sense :

1. There were many candidates but only Satyen was elected.
2. I don't know its reason why he wants to go to Kanpur.
3. He is healthy but he cannot work hard.
4. I tried my best but I could not succeed.
5. Do you like tea or coffee?
6. Make haste or you will be late.
7. Please return the money and pay me its interest.
8. She is ill, so she will take medicine.

20. Blessed Is My Birth
(मेरा जन्म धन्य है)

हिन्दी अनुवाद

मेरा जन्म धन्य है, क्योंकि मैं इस देश में पैदा हुआ,
जननी, मेरा जीवन धन्य है, क्योंकि मैं तुझे प्यार करता हूँ।
मुझे नहीं ज्ञात कि तेरे पास एक रानी के समान धन-दौलत है।
मैं केवल यही जानता हूँ कि जैसे ही मैं तेरी छाया में खड़ा होता हूँ, मेरे अंग-प्रत्यंग शीतल हो जाते हैं।
मुझे ज्ञात नहीं कि कौन-से कुंज में वे पुष्प खिलते हैं
जो आत्मा को ऐसी सुगन्ध से उन्मत्त कर देते हैं।
मुझे ऐसे (अन्य) आकाश की भी जानकारी नहीं, जहाँ मनुष्य ऐसे मधुर मुस्कानों के साथ जगता है।
मेरे नेत्र तेरे दर्शन में ही प्रथम बार खुले,
और वे उसी दर्शन के साथ अन्त में बंद होंगे। —***रबीन्द्र नाथ टैगोर***

कविता—यह रबीन्द्रनाथ टैगोर का एक राष्ट्रभक्ति गीत है जिसमें वे अपनी मातृभूमि की आराधना करते हैं जहाँ उन्होंने जन्म लिया है। वे विशाल भारत के विषय में सोचकर जो उनके देश के पास हैं महान् आनन्द का अनुभव करते हैं और उसमें उन्हें अत्यधिक प्रसन्नता प्राप्त होती है।

Meanings : blessed = धन्य, grove = एक छोटा छायादार पेड़, blossom = खिलना, विकसित होना।

Reading Comprehension

I. Choose the most appropriate answer *(MCQs)* :

Ans. 1. (a), **2.** (b).

II. Answer the following questions :

Q. 1. Whom does the poet address in the first stanza and what does he say? (प्रथम छंद में कवि किसको सम्बोधित करता है और वह क्या करता है?)

Ans. The poet addresses the motherland in the first stanza. He says that blessed is his birth and blessed is his life. (कवि प्रथम छंद में मातृभूमि को सम्बोधित करता है। वह कहता है कि उसका जन्म धन्य है और उसका जीवन धन्य है।)

Q. 2. Where does the poet's limbs become cool? (कवि के अंग-प्रत्यंग कहाँ शीतल हो जाते हैं?)

Ans. The poet's limbs become cool in the shade. (कवि के अंग-प्रत्यंग छाया में शीतल हो जाते हैं।)

Q. 3. How does the poet adore the flowers? (कवि पुष्पों की प्रशंसा किस प्रकार करता है?)

Ans. The poet adores the flowers by saying that their scent maddens the soul. (कवि यह कहकर पुष्पों की प्रशंसा करता है कि उनकी सुगन्ध आत्मा को उन्मत्त करा देती है।)

Q. 4. What did the poet see at the time of his birth and what will he see when he dies? (कवि ने अपने जन्म के समय क्या देखा और वह मरते हुए क्या देखेगा?)

Ans. At the time of his birth, the poet saw the sight of his motherland and when he dies, he will see that very sight. (कवि ने अपने जन्म के समय अपनी मातृभूमि के दर्शन किए और वह मरते हुए भी उसी के दर्शन करेगा।)

Skills Practice

III. Editing : How many mistakes can you find?

Ans. On Sunday, Aryan went to Nayan's house to play basketball. They played a game of one-by-one. Aryan made six baskets, but Nayan made eight so, he was the winner. After the game, both boys went inside to have some snacks and watch television.

Fun Time

IV. Put one letter in each box to solve this crossword puzzle :